{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शुक्रवार 14 नवम्बर 2025
मार्गशीर्ष कृष्ण 09 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 17, अंक 52
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

PMG पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	84,478.67
निफ्टी	-	25,879.15
सोना	-	1,28,650
चांदी	-	1,73,000
डॉलर	-	88.70

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

एग्जिट पोल के इतर एनडीए व महागठबंधन दोनों रिजल्ट को लेकर निश्चित है. एनडीए का दावा है कि एग्जिट पोल में दिखाये गये आंकड़ों से भी अधिक उसकी सीटें आयेगी, जबकि महागठबंधन का दावा है कि 14 नवंबर को बदलाव का जनादेश आयेगा व 18 नवंबर को महागठबंधन सरकार शपथ लेगी. इधर, सीएम नीतीश कुमार ने बुधवार को दरगाह, मंदिर व गुरुद्वारे में मत्था टेक कर अगली पारी की तैयारी का संकेत दिया।

मतगणना के पहले गठबंधनों के अपने-अपने दावे, पर सबकी सांसें अटकी

एनडीए और महागठबंधन बेफिक्र

आज सुबह 10 बजे से सीटों पर आने लगेंगे रुझान, 12 बजे के बाद नतीजे

राज्य के 46 काउंटिंग सेंटरों पर सुबह आठ बजे से मतगणना

पटना। एजेंसी। विधानसभा की 243 सीटों के लिए शुक्रवार को सुबह आठ बजे से राज्य के सभी जिला मुख्यालयों के 46 काउंटिंग सेंटरों पर मतों की गिनती शुरू हो जायेगी. सबसे पहले आठ बजे पोस्टल बैलेट की गिनती शुरू होगी. इसके आधे घंटे बाद 8.30 बजे से इवीएम के मतों की गिनती 15 टेबल पर शुरू होगी. दिन के 10 बजे से रुझान मिलना शुरू हो जायेगा. दिन के 12 बजे के बाद नतीजे भी आने शुरू हो जायेंगे. हर काउंटिंग सेंटर पर मीडिया सेंटर बनाया गया हैं, जहां से मतगणना के रुझान की जानकारी दी जायेगी. इसके अलावा वहां पर माइक से हर राउंड के बाद उसकी जानकारी दी जायेगी. मतगणना के दिन इवीएम को प्रत्याशियों या उनके इलेक्शन एजेंट के साथ केंद्रीय प्रेक्षकों की उपस्थिति में वीडियोग्राफी कराते हुए स्ट्रांग रूम खोला जायेगा. इसके बाद ही काउंटिंग शुरू होगी. मतगणना निर्वाची पदाधिकारी द्वारा प्रेक्षक के पर्यवेक्षण में किया जायेगा. बिहार राज्य में कुल 243 मतगणना प्रेक्षक नियुक्त किये गये हैं जो मतगणना के दिन विभिन्न विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र में पर्यवेक्षण करेंगे।

आज सुबह पांच बजे से बोरिंग रोड चौराहा से पानी टंकी तक नो इंट्री

पटना, पटना जिले के 14 विधानसभा के लिए हुए मतदान के लिए वोटों की काउंटिंग सुबह आठ बजे से बोरिंग रोड स्थित एएन कॉलेज में होगा. इसको लेकर बोरिंग रोड और उसके आसपास की यातायात व्यवस्था बदली रहेगी. यह बदलावा मतगणना समाप्ती या यातायात सामान्य होने तक प्रभावी रहेगा. शुक्रवार की सुबह पांच बजे से बोरिंग रोड चौराहा से एएन कॉलेज होते हुए पानी टंकी तक और पानी टंकी से एएन कॉलेज तक भी वाहनों का परिचालन नहीं होगा. हालांकि यह बदलाव एंबुलेंस, शव वाहन, मरीजों के वाहन, न्यायिक कार्य से जुड़े वाहन और मतगणना कार्य में जुड़े वाहनों पर लागू नहीं होगा।

एएन कॉलेज में काउंटिंग को लेकर गेट पर तैनात सुरक्षाकर्मी

मतगणना कार्य में नियुक्त होने वाले गणना पर्यवेक्षक / गणना सहायक, माईक्रो प्रेक्षक की नियुक्ति के लिए रैंडमाइजेशन के तीन चरण निर्धारित है. काउंटिंग सेंटर पर त्रि-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था होगी. 14 टेबुल पर इवीएम की गणना होगी एवं एक टेबल सहायक निर्वाची पदाधिकारी द्वारा पोस्टल बैलेट की गिनती करायी जायेगी. प्रत्येक टेबुल पर एक काउंटिंग सुपरवाइजर, एक काउंटिंग असिस्टेंट और एक माइक्रो ऑब्जर्वर की नियुक्ति होगी. इसके अतिरिक्त डाक मतपत्रों की गणना के लिए अलग से टेबल निर्धारित है. स्ट्रांग रूम का सीसीटीवी डिस्प्ले भी प्रत्याशियों व उनके एजेंटों के लिए उपलब्ध कराया गया है।

दावे अपने-अपने

जदयू सबसे बड़ी पार्टी होगी - श्रवण कुमार

जदयू के वरिष्ठ नेता और ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि राजग को स्पष्ट बहुमत मिलेगा और जदयू एक बार फिर राज्य की नंबर एक पार्टी के रूप में उभरेगी. उन्होंने कहा कि हम 65-70 से कम सीटें नहीं जीतेंगे एग्जिट पोल पर भरोसा नहीं करता, लेकिन राजग 130-135 सीटों के साथ आरामदायक बहुमत में रहेगा. सीएम की लोकप्रियता बेजोड़ है।

जनमत बदलाव के पक्ष में - पवन खेड़ा

कांग्रेस के प्रचार प्रमुख पवन खेड़ा ने भी कहा कि उच्च मतदान जनता के असंतोष और बदलाव की इच्छा का संकेत है. में लबे समय से बिहार में हूँ और जनता का मूड साफ महसूस किया है. बेरोजगारी और कष्टाचार से नाराज लोगों ने राजग को सबक सिखाने के लिए वोट दिया है. हम जीतेंगे और अगली सरकार बनायेगे।

मुकुल रॉय की विधानसभा सदस्यता रद्द

कोलकाता। कोलकाता हाईकोर्ट ने गुरुवार को भाजपा के टिकट पर चुने गए और बाद में तृणमूल कांग्रेस में शामिल हुए नेता मुकुल रॉय की विधानसभा सदस्यता रद्द कर दी। अदालत ने यह फैसला विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी और भाजपा विधायक अंबिका रॉय की याचिकाओं पर सुनाया। मुकुल रॉय 2021 में भाजपा से विधायक चुने गए थे, लेकिन कुछ महीनों बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी की मौजूदगी में टीएमसी में शामिल हो गए थे। अदालत ने इसे दलबदल कानून का उल्लंघन माना और उन्हें अयोग्य घोषित किया।

कुछ ना कहना

पीएम मोदी ने दोषी आतंकियों के सिंडिकेट को खत्म करने का लिया दृढ़ संकल्प

दिल्ली धमाके में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देकर दो मिनट का रखा मौन

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में सोमवार को हुए भीषण कार धमाके मामले में पीएम नरेंद्र मोदी ने बुधवार को नई दिल्ली में एक उच्च-स्तरीय समीक्षा की। उन्होंने इस दौरान सुरक्षा पर कैबिनेट कमेटी की अहम बैठक की, जहां उन्होंने दिल्ली कार धमाके के दोषी आतंकियों के सिंडिकेट को जड़ से खत्म करने का दृढ़ संकल्प लिया है।

सीसीएस की बैठक के तत्काल बाद, केंद्रीय कैबिनेट की भी बैठक पीएम आवास पर हुई। कैबिनेट बैठक में मुख्य रूप से लाल किला ब्लास्ट पर चर्चा की गई। पीएम मोदी ने टीम के साथ मिलकर दिल्ली धमाके में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देते हुए दो मिनट का मौन रखा। कैबिनेट बैठक में लाल किला धमाके और उससे जुड़े आतंकियों की धर-पकड़ की रणनीति पर गहन बातचीत हुई। यह आतंकी मॉड्यूल अंतर्राज्यीय होने के कारण सुरक्षा के कड़े इंतजामों और इस नेक्सस से जुड़े लोगों की तत्काल गिरफ्तारी को लेकर विशेष चर्चा की। कैबिनेट बैठक के बाद उन्होंने कहा कि हमले के दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। सरकार ने इस आतंकी साजिश के पीछे की पूरी कड़ी को ध्वस्त करने की प्रतिबद्धता जताई है।

बता दें लाल किला के पास हुए धमाके के बाद दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी में सुरक्षा बढ़ा दी है। अधिकारियों ने नागरिकों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि की तुरंत पुलिस को जानकारी देने का आग्रह किया। संसद परिसर, कनॉट प्लेस और रेलवे स्टेशन जैसे संवेदनशील स्थानों के आसपास ऐसी उद्घोषणा सुनी। पुलिस टीम भीड़भाड़ वाले बाजारों और बस टर्मिनल में लाउडस्पीकर के जरिए लोगों से सतर्क रहने और लावारिस बैग या संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी नजदीकी पुलिस चौकी को देने का अनुरोध करती दिखीं।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह कदम किसी अप्रिय घटना को रोकने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में जागरुकता अभियान का हिस्सा है। लोगों में किसी भी संदिग्ध गतिविधि या वस्तु के बारे में जागरुकता बढ़ाने के लिए सूचनाएं जारी की जा रही हैं।

सात राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की आठ विधानसभा सीटों पर नतीजों का ऐलान आज

नई दिल्ली। देश के सात राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की आठ विधानसभा सीटों पर मंगलवार (11 नवंबर) को उपचुनाव के लिए मतदान हुआ था। अब 14 नवंबर (शुक्रवार) को इन चुनावों के नतीजे घोषित होने है। जिन सीटों पर मतदान हुआ उसमें जम्मू-कश्मीर की बडगाम और नगरोटा, झारखंड की घाटशिला, पंजाब की तरनतारन, राजस्थान की अंता, तेलंगाना की जुबली हिल्स, मिजोरम की डम्पा और ओडिशा की नुआपाड़ा विधानसभा सीट शामिल हैं।

सीएम अब्दुल्ला ने बडगाम और गांदेरबल दो सीटों से जीत हासिल की थी। बाद में उन्होंने बडगाम सीट से इस्तीफा दे दिया, इसके बाद सीट पर अब उपचुनाव कराया गया है। वहीं, नगरोटा सीट बीजेपी विधायक देवेंद्र सिंह राणा के निधन के कारण खाली हुई थी।

राजस्थान की अंता सीट पर उपचुनाव इसलिए हुए हैं, क्योंकि बीजेपी नेता कंवर लाल मीणा को 2005 के एक पुराने मामले में दोषी ठहराने के बाद अयोग्य घोषित किया था। वहीं झारखंड की घाटशिला विधानसभा सीट पर 11 नवंबर को उपचुनाव हुआ था। सीट पर मुकाबला बेहद दिलचस्प है, क्योंकि यहां झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएएम) के उम्मीदवार सोमेश सोरेन, जो पूर्व विधायक सोरेन के बेटे हैं और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के बेटे बाबूलाल सोरेन के बीच सीधी टक्कर है। हैदराबाद की जुबली हिल्स विधानसभा सीट पर कांग्रेस, बीआरएस और बीजेपी के बीच महामुकाबला है।

छग के पूर्व सीएम के बेटे के खिलाफ ईडी का एक्शन

चैतन्य बघेल की 61.20 करोड़ की संपत्ति कुर्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ शराब घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की 61.20 करोड़ रुपए की संपत्ति अटैच की है। ईडी के अधिकारियों के मुताबिक, अटैच की गई संपत्तियों में 364 आवासीय प्लॉट और कृषि भूमि के टुकड़े शामिल हैं। जिनकी कीमत 59.96 करोड़ रुपए है। इसके अलावा 1.24 करोड़ रुपए की चल संपत्तियां बैंक बैलेंस और फिक्स्ड डिपॉजिट भी जब्त की गई हैं। शराब घोटाला मामले में अब तक कुल 276 करोड़ की संपत्ति अटैच की जा चुकी है।

ईडी ने यह जांच एसीबी ईओडब्ल्यू रायपुर द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू की थी। एफआईआर में आईपीसी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धाराएं लगाई गई थीं। जांच में पता चला कि इस घोटाले से राज्य सरकार के खजाने को भारी नुकसान हुआ और करीब 2500 करोड़ रुपए की अवैध कमाई का खेल चला।

चैतन्य बघेल सिंडिकेट का प्रमुख था

ईडी की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है कि चैतन्य बघेल शराब सिंडिकेट के सर्वोच्च स्तर पर था। उसकी स्थिति और राजनीतिक प्रभाव के कारण वही पूरे नेटवर्क का नियंत्रक और फैसले लेने वाला व्यक्ति था। सिंडिकेट द्वारा इकट्ठा की गई अवैध रकम का हिसाब वही रखता था।

राज्य स्तरीय शालेय रोड साईकिलिंग क्रीड़ा प्रतियोगिता शुरू

पांच दिवसीय प्रतियोगिता में 08 संभाग के 250 प्रतिभागी शामिल होंगें

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित 69 वीं राज्य स्तरीय रोड साइकलिंग खेलकूद प्रतियोगिता 2025 का शुभारंभ 13 नवंबर को बालाघाट के उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी के मुख्य आतिथ्य में किया गया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग की सदस्य श्रीमती मौसम बिसेन एवं नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती ठाकुर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थी। कार्यक्रम में नगर पालिका उपाध्यक्ष योगेश बिसेन, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष रमेश रंगलानी, जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय, उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य शरद ज्योतिषी, अन्य गणमान्य नागरिक एवं प्रतिभागी छात्र-छात्रायें उपस्थित थी।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन और ध्वजारोहण के साथ किया। इस पर प्रतिभागी खिलाड़ियों ने मार्च पास्ट किया। अतिथियों द्वारा खिलाड़ियों को शपथ दिलाकर प्रतियोगिता का औपचारिक शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सांसद श्रीमती भारती पारधी ने इस अवसर पर उपस्थित प्रतिभागियों एवं जन समूह को संबोधित करते हुए कहा कि खेल हमें अनुशासन ओर एकता की सीख देते हैं। मध्यप्रदेश में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की कमी नहीं है, उन्हें सही दिशा ओर अवसर देने की जरूरत है। यह हमारा सौभाग्य है कि इस प्रतियोगिता के आयोजन के लिए बालाघाट जिले को चुना गया है। सभी प्रतिभागी खेल भावना के साथ इस प्रतियोगिता में हिस्सा लें और अपनी क्षमता, प्रतिभा व हुनर का उत्कृष्ट प्रदर्शन करें। प्रदेश के अन्य स्थलों से आये प्रतिभागी खिलाड़ियों को बालाघाट में अच्छा वातावरण एवं

सुविधायें उपलब्ध करायी जाएंगी। जिससे वे यहां से अच्छी यादें लेकर जायें।

पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग की सदस्य श्रीमती मौसम बिसेन ने अपने संबोधन में कहा कि खेल सिर्फ जीतने का माध्यम नही बल्कि यह युवाओं को संघर्ष, संयम ओर समर्पण कि भावना सिखाता है। आने वाले सालों में मध्य प्रदेश के खिलाड़ी ओलंपिक में मेडल जीते इसके लिए राज्य सरकार खेल सुविधाओं के विस्तार और खिलाडियों को प्रोत्साहन देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने प्रतियोगिता में पधारे बालक बालिकाओं के लिए स्वदेशी मेला एक दिन फ्री करने की घोषणा की ।

जिला शिक्षा अधिकारी अश्वीनी कुमार उपाध्याय ने इस अवसर पर बताया कि राज्य स्तरीय रोड साइक्लिंग खेलों का आयोजन बालाघाट में पहली बार किया जा रहा है । प्रतियोगिता में आब्जर्वर के रूप में लोक शिक्षण संचनालय मध्यप्रदेश भोपाल से श्रीमती शारदा सोनी आर्या एवं सहायक आब्जर्वर के रूप में मनोज गुप्ता मौजूद रहेंगें। राज्य स्तरीय साइक्लिंग प्रतियोगिता के लिए स्थल बालाघाट-गोंदिया नेशनल हाईवे पर ग्राम भमोड़ी से रेंगाटोला के बीच तय किया गया है। 04 किलोमीटर की इस प्रतियोगिता का समय प्रात: 9:00 बजे से दोपहर 2:00 तक है। साइक्लिंग प्रतियोगिता 14, 17 एवं 19 वर्षीय बालक एवं बालिकाएं तीन वर्गों में आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता में राज्य के 10 संभागों के लगभग 250 खिलाड़ी एवं 50 भाग ले रहे हैं।

जिला कीड़ा अधिकारी दीपक गिरी गोस्वामी द्वारा बताया गया कि पांच दिवसीय खेल प्रतियोगिता 13 से 17 नवंबर तक आयोजित हो रही है, जिसमें प्रदेश के लगभग 250 खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगें। प्रतियोगिता के इस शुभारंभ कार्यक्रम में बालाघाट के समस्त कोच, पीटीआई अधिकारी और शिक्षक शिक्षिकाएं और प्रदेश भर से पधारे बालक बालिका उपस्थित रहे।

आज कई वार्डों में नहीं आएगा नल

पदमेश न्यूज ।बालाघाट। बालाघाट में 14 नवम्बर को वार्ड क्रमांक 17, 19, 20 21,22,23, 25, 26, 27, 28 इन वार्डो में जो एमएलबी के सामने वाली पानी टंकी से पेयजल सप्लाई होता है सुबह की पानी सप्लाई प्रभावित रहेगी.कुछ स्थानों पर पानी आएगा तथा कुछ स्थानों पर नहीं आएगा क्योंकि एमएलबी टंकी के दोनों मैन वाल 13 नवम्बर की शाम को खराब हो गए हैं। सम्बंधित सूत्रों ने यह जानकारी दी है।

क्षेत्र की १० पंचायत ं को मिली नवीन सामुदायिक भवन की सौगात-प्रदीप

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने प्रदेश के मुखिया डॉ.मोहन यादव व पंचायत मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल का आभार व्यक्त करते हुये बताया कि वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र की १० पंचायतों को नवीन सामुदायिक भवन की बड़ी सौगात दी है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास म.प्र. से वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र की १० ग्राम पंचायतों को २५-२५ लाख रुपये के पंचायतो को सामुदायिक भवन की सौगात मिलने पर ग्रामीण क्षेत्रो में हर्ष का माहौल है। पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने प्रदेश के मुखिया डॉ मोहन यादव, पंचायत मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल का आभार व्यक्त करते हुए सभी १० पँचायतों के प्रधानों को बधाई प्रेषित की है। ज्ञात हो की क्षेत्र की ग्राम पंचायतों में मेहदोली, अंसेरा, मोहगांव खुर्द,कोस्ते, बिटोडी, नवगांव ख,मोहाड़ी,खैरलांजी, सालेटेका व चुटिया का नाम शामिल है।

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0020/ड-154/2025-26
मौजा कनकी, रा.नि.मं. कनकी

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक उदाजी कुम्हारे पिता कोठूजी कुम्हारे जाति कुनबी, निवासी ग्राम कनकी, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा कनकी, रा.नि.मं. कनकी, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपने दादाजी स्व. दादूजी पिता पुनिया का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 20.11.1982 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम कनकी के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 17.11.2025 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 11.11.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 14.11.2025

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

In The Court Of Pranesh Kumar Pran,Principal District and Session Judge,Balaghat

Presiding Officer:- प्राणेश कुमार प्राण

आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 8 संरक्षक एवं प्रतिपाल्य अधिनियम 1890
प्रकरण क्रमांक (MJC GW/00026/2025)

1 कु. सरोज भोयर पिता स्व लक्ष्मीनारायण ना बा वली मां श्रीमति निर्मला भोयर निवासी वार्ड नंबर 2 भानेगांव तहसील लांजी जिला बालाघाट म.प्र.।

2 श्रीमति निर्मला भोयर पति स्व श्री लक्ष्मीनारायण निवासी वार्ड नंबर 2 भानेगांव तहसील लांजी जिला बालाघाट म.प्र.......**आवेदकगण**

Vs

सर्वसाधारण आम जनता.........................**अनावेदक**

Process Id -862/2025
पेशी दिनांक-18/12/2025

प्रेषिती-
(1) आम जनता पता- आम जनता

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमति निर्मला भोयर ने संरक्षक एवं प्रतिपाल्य अधिनियम की धारा 8 के अंतर्गत स्वयं को पुत्री कु. सरोज का संरक्षक घोषित करने का आवेदन इस न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है।

यह कि आवेदिका ने पुत्री सरोज को अपना और अपने पति स्व. लक्ष्मी नारायण की संतान होना बताया है। आवेदिका ने उक्त आवेदन में अभिवचनित किया है कि उसे उसकी पुत्री का संरक्षक घोषित किया जावे जिससे कि वह मौजा रजेगांव प.ह.नं.-6 रा.नि.म. रजेगांव तहसील किरनापुर जिला बालाघाट में भूमि खसरा नंबर 129/1/1/2/2 रकबा 0.0680 हे. भूमि का विक्रय कर सके।

अत: यदि किसी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में आवेदिका के अभिभावक / संरक्षक होने संबंधी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त संपत्ति में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक 18/12/2025 को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें। सूचना उपरांत यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवाई एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा।

न्यायाधीश
प्राणेश कुमार प्राण
प्रधान जिला न्यायधीश
बालाघाट(म.प्र.)

स्पीड ब्रेकर में मोटरसाइकिल अनियंत्रित हुई,चालक घायल

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। वारासिवनी रोड आरटीओ ऑफिस के पास स्थित स्पीड ब्रेकर से एक मोटरसाइकिल उछल गयी।

जिससे मोटरसाइकिल चालक घायल हो गया। घायल मोटरसाइकिल चालक देवेंद्र पिता बाबूलाल राउत 30 वर्ष ग्राम धड़ी थाना किरनापुर निवासी है।जिसे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। गनीमत है कि इस मोटरसाइकिल चालक ने हेलमेट पहना हुआ था।जिसे उसके सिर में गंभीर चोटे नहीं आई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार देवेंद्र राउत मजदूरी करता हैम 13 नवंबर को देवेंद्र राउत मोटरसाइकिल में वारासिवनी हॉस्पिटल अपने किसी रिश्तेदार से मिलने के लिए गया था। शाम 6:30 बजे करीब देवेंद्र राउत मोटरसाइकिल में अपने घर जाने निकला और वह वारासिवनी से बालाघाट आ रहा था। उस समय देवेंद्र राउत हेलमेट पहना हुआ था। आरटीओ ऑफिस के पास स्थित स्पीड ब्रेकर से देवेंद्र राउत की मोटरसाइकिल उछल गई और देवेंद्र राउत मोटरसाइकिल सहित गिर गया। हेलमेट पहने होने के कारण उसे सिर में गंभीर चोटे नहीं आई किंतु चेहरे में मामूली चोटे आने से वह घायल हो गया था। खबर मिलते ही मौके पर पहुंची 108 एंबुलेंस से घायल देवेंद्र राउत को जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया है।

नर्मदा नगर में बीती रात्रि आपसी रंजिश के चलते चाकूबाजी में युवक घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के नर्मदा नगर में आपसी रंजिश को लेकर हुई चाकू बाजी में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक अंकित पिता हरिप्रसाद दीक्षित 20 वर्ष वार्ड नंबर 24 झुग्गी झोपड़ी मोती नगर बालाघाट निवासी है। 12 नवंबर की रात्रि 8 बजे बजे यह वारदात उस समय हुई जब यह युवक अपने दोस्त के साथ नर्मदा नगर गुपचुप खाने के लिए आया था । गंभीर रूप से घायल इस युवक को जिला अस्पताल से हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड क्रमांक 24 झुकी झोपड़ी निवासी अंकित दीक्षित का पूर्व में किसी युवक के साथ विवाद हो गया था इस विवाद को लेकर रंजिश बन गई थी। 12 नवंबर की रात्रि 8 बजे अंकित दीक्षित अपने साथी प्रेम सोरले के साथ नर्मदा नगर गणेश होटल के सामने गुपचुप खाने गया था। उसी दौरान वहां एक युवक आया और अंकित दीक्षित से कहा तूने मेरे भाई को क्यों मारा था। इतना कहते ही उस युवक ने जेब से चाकू निकाला और देखते ही देखते इस युवक ने अंकित दीक्षित पर चाकू से हमला करते हुये उसके सीने व हाथ पर चाकू से वार कर दिया। अचानक इस युवक द्वारा किए गए,हमले के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। अंकित दीक्षित का उसके साथी प्रेम सोरले ने बीच-बचाव किया। चाकू के हमले में अंकित दीक्षित घायल हो गया था ।जिसे उसके साथी प्रेम सोरले ने तत्काल मोटरसाइकिल से शासकीय जिला

अस्पताल लाकर भर्ती किया। जिला अस्पताल से अंकित दीक्षित को प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिये।

बताया गया है कि हमलावर युवक घटना के बाद मौके से फरार हो गया। इस घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल पूछताछ किये और आरोपी की पहचान कर उसकी तलाश शुरू की है। इस वारदात के दौरान घटनास्थल पर दहशत का माहौल निर्मित हो गया था। जिला अस्पताल पुलिस द्वारा घायल युवक अंकित दीक्षित का वीडियो ग्राफी के माध्यम से बयान लेने की कोशिश की गई। किंतु वह कुछ बताने की स्थिति में नहीं था। जिसके बाद जिला अस्पताल पुलिस ने अंकित दीक्षित के साथी युवक प्रेम सोरले का प्रारंभिक बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु कोतवाली भिजवा दी है। इस मामले की आगे जांच पड़ताल कोतवाली पुलिस द्वारा की जा रही है।

न्यायालय नायब तहसीलदार किरनापुर, जिला बालाघाट म.प्र.

रा.प्र.क./0030/ड-154/वर्ष 2025-26
साकिन: अकोला प.ह.नं. 73
रा.नि.म. सेवती तहसील किरनापुर

समाचार पत्र प्रकाशन

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक घनश्याम पिता बक्सी जाति कुनबी निवासी ग्राम अकोला तहसील किरनापुर जिला बालाघाट म.प्र. द्वारा अपनी माताजी केंगाबाई पति बक्सी देसाई की मृत्यु दिनांक 07/07/1996 को मृत्यु हो जाने से मत्यु के 1 वर्ष पश्चात पंजीयन की अनुमति मिलने हेतु लोकसेवा केन्द्र किरनापुर के माध्यम से आवेदन पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया है।अत: उक्त के संबंध में हित रखने वाले सभी व्यक्तियों को सूचित किया जाता है, कि वे निश्चित दिनांक 17/11/2025 को या तो स्वयं, किसी अभिभाषक अथवा प्रतिनिधी द्वारा उपस्थित होकर कोई आपत्ति हो तो प्रस्तुत करें। नियत दिनांक के बाद प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नही किया जावेगा। नियत दिनांक के पश्चात प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।आज दिनांक 29/10/2025 की मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर के अधीन जारी किया गया।
मुद्रा

तहसीलदार किरनापुर

हड़ताल पर बैठे पंचायत संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारियों की प्रशासन ने नहीं ली सुध

पद्मेश न्यूज। खैरलांजी। मध्यप्रदेश पंचायत सचिव संयुक्त मोर्चा संगठन के तत्वाधान में जनपद पंचायत मैदान में विगत चार दिनों से हड़ताल कर रहे पंचायत समन्वय अधिकारी सचिव और ग्राम रोजगार सहायको से गुरुवार को ब्लॉक सरपंच संघ अध्यक्ष पुष्पेन्द्र देशमुख और जिला पंचायत सदस्य सुनिता मानसिंह बहेटवार के द्वारा मुलाकात कर जिला पंचायत सीईओ और जनपद पंचायत सीईओ से चर्चा कर उचित समाधान करने की मांग की गई। ज्ञात हो कि सभी लोग अपनी दस सूत्रीय मांगो को लेकर १० नवबंर से हड़ताल पर बैठे है। इन चार दिनों में किसी भी वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने इनसे मिलकर चर्चा करने की आवश्यकता महसूस नही की। पुष्पेन्द्र कुमार देशमुख ने कहा कि सभी लोग एक परिवार सदस्य जैसे है। कोई भी कार्य इन सबके बिना नही हो सकता। वह अभी जनपद सीईओ से चर्चा कर आ रहे समस्याओं से अवगत होंगे और समस्याओं के निराकरण करने की कोशिश करेंगे। वह कुछ दिनों से भोपाल में होने के कारण मुलाकात नही हो पाई थी। हड़ताल के लिए कौन दोषी या जिम्मेदार है कुछ कहना जल्दबाजी होगी। जिला पंचायत सदस्य सुनिता बहेटवार ने बताया कि हमारे सभी अधिकारी कर्मचारी दिन रात मेहनत कर रहे हैं। किसी प्रकार की समस्या है तो उसे दूर किया जाना चाहिए। अनावश्यक किसी की वेतन कटौती करना न्यायोचित नहीं है। इस संबंध में जिला सीईओ से चर्चा हुई है उन्होंने जायज मांगों को हल करने की बात कही है। जनपद सीईओ से भी चर्चा हुई है। जनपद सीईओ ने कहा कि कुछ समस्याओं का समाधान जो जनपद पंचायत स्तर की थी उनका निराकरण कर दिया गया है। वीसी फोर्स क्लोज सहित अन्य जिला स्तर की समस्याओं से जिला सीईओ को अवगत करा दिया गया है जिसका निर्णय वहीं से होगा। जिन सचिवों के द्वारा लापरवाही बरती गई है उनका ही वेतन रोका गया है। जैसे ही प्रगति सामान्य हुई वेतन भुगतान कर दिया गया।

महिला अपने दो मासूम बच्चों को छोड़ लापता हुई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र में रहने वाली एक महिला अपने दो मासूम बच्चों को घर में रोते बिलखते छोड़कर घर से बिना बताये चली गई। यह महिला सविता पति जागेश्वर भोयर 26 वर्ष ग्राम साल्हे निवासी है। किरनापुर पुलिस द्वारा इस महिला की तलाश की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सविता भोयर अपने दो बच्चे, जिनमे एक लड़का और एक लड़की के साथ अपने घर साल्हे में रहती थी। जिसका पति जागेश्वर भोयर हैदराबाद मजदूरी करने गया था। 10 नवंबर को सुबह सविता भोयर अपने दो छोटे मासूम बच्चों को घर में छोड़कर कहीं चली गई। सविता भोयर के घर से जाने के बाद उसके दोनों बच्चे घर में रो रहे थे। तब पासपड़ोस वालों ने देखे सविता भोयर घर में नहीं थी। मोहल्ले पड़ोस में रहने वाले रिश्तेदारों ने सविता भोयर की खोजबीन किये वह नही मिली। किंतु वह शाम तक घर नहीं लौटी। जिसके बाद रात्रि 8:00 बजे जागेश्वर भोयर को उसकी मामा की लड़की उषा कुमरे ने फोन करके बताई की भाभी सुबह 10:00 बजे से घर में नहीं है और बच्चे रो रहे हैं। यह सुनकर जागेश्वर भोयर 12 नवंबर को सुबह घर आया और मोहल्ले पड़ोस वालों से पूछताछ किये। पत्नी सविता भोयर के मोबाइल नंबर पर फोन लगाया किंतु उसका मोबाइल बंद बता रहा था। इसके बाद जागेश्वर भोयर ने अपनी पत्नी सविता की पास पड़ोस मोहल्ले के अलावा रिश्तेदारी ग्राम सीतापार में तलाश किया किंतु पत्नी सविता भोयर नहीं मिली। जो अपने दो बच्चों को घर में छोड़कर बिना बताए घर से चली गई थी। किरनापुर पुलिस ने जागेश्वर पिता शिवलाल भोयर 28 वर्ष ग्राम साल्हे निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट पर गुम इंसान 91/2025 कायम कर सविता भोयर की तलाश शुरू की है।

आवश्यकता है
सेल्समेन एवं सेल्स गर्ल की आवश्यकता है
अनुभवी को प्राथमिकता
घूंघट साड़ी
मेन रोड, बालाघाट

आवश्यकता है
होटल कान्हा इन बालाघाट
होटल में काम करने वाले लड़कों की आवश्यकता है
मो. - 9993282223
9425139875

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

जिले भर में घरेलू रसोई गैस का जबर्दस्त टोटा

बुकिंग के बाद 10 से 15 दिनों का करनी पड़ रही प्रतीक्षा, डिपो से नही हो रही सप्लाई, गड़बड़ाई होम डिलेवरी सेवा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

केवल नगर ही नही बल्कि जिले की तमाम गैस एजेंसियों में घरेलू गैस सिलेंडरों का टोटा हो गया है। सिलेंडरों की कमी से खासकर होम डिलेवरी की सुविधा बुरी तरह से प्रभावित हो गई है। सप्ताह भर पहले ऑन लाइन बुकिंग करवाने के बाद भी उपभोक्ताओं तक सिलेंडर नहीं पहुंच पा रहा है। उपभोक्ता लगातार एजेंसियों के चक्कर काटकर परेशान हो रहे हैं। इस तरह की समस्या इन दिनों हर एजेंन्सी में देखने को मिल रही है जिससे उपभोक्ता काफी परेशान है।गैस एंजेसियों में उपभोक्ताओं की अधिक संख्या होने के कारण बड़ी संख्या में उपभोक्ता जानकारी लेने एजेंसी पहुंच रहे हैं।जिसपर एजेंसी द्वारा पर्याप्त सिलेंडर नहीं आने और कुछ दिनों में सिलेंडर घर पर ही डिलेवर कर दिए जाने का रटारटया जवाब दिया जा रहा है।उधर एजेंसी संचालकों द्वारा मांग के अनुरूप पर्याप्त मात्रा में गैस सिलेंडर जिले में नहीं पहुंचने और अचानक से सिलेंडर की डिमांड बढ़ने की वजह से परेशानी होने की बात कही जा रही है। तो वहीं एजेंसी संचालकों द्वारा इस माह के अंत तक व्यवस्था में सुधार आने की बात कही गई है अब देखना यह दिलचस्प रहेगा कि दीपावली पर्व के बाद से ही चल रही रसोई गैस की किल्लत आखिरकार कब तक दूर हो पाती है।

हड़ताल की अफवाह भी मानी जा रही प्रमुख वजह

बताया जा रहा है कि वर्तमान समय में बाहरी जिलों व राज्यों के गोदामो में गैस सिलेंडर पर्याप्त मात्रा में नहीं पहुंच रहे हैं। जिसके चलते पर्याप्त मात्रा में गैस सिलेंडरों की सप्लाई जिले में नहीं हो पा रही है। तो वहीं दूसरी ओर पिछले दिनों कमीशन बढाए जाने की मांग को लेकर एजेंसी संचालको द्वारा नगर में कैंडल मार्च प्रदर्शन किया गया था।जिंसमे उन्होंने 6 नवबंर से गैस की सप्लाई रोके जाने की चेतावनी दी थी।इसकी वजह से भी गैस सिलेंडरों की मांग काफी हद तक बढ़ी है।इस अफवाह की वजह से भी लोग ज्यादा से ज्यादा गैस की बुकिंग कर रहे हैं।वही जिन्हें जरूरत नहीं भी है वह लोग भी बुकिंग करा रहे हैं।जिन लोगों के गैस कनेक्शन लगभग बंद हो चुके थे ,जो एजेंसी से गैस नहीं भी उठा रहे थे वह लोग भी अब गैस सिलेंडर लेने के लिए एजेंसी पहुंच रहे हैं। वही गैस सिलेंडर की कमी होना भी डिमांड बढ़ने की एक प्रमुख वजह बताई जा रही है।

रोजाना एजेंसियों में लग रही उपभोक्ताओं की भीड़

जानकारी के अनुसार जैसे-जैसे लोगों को जानकारी मिल रही है कि गैस सिलेंडर काफी कम मात्रा में आ रहे हैं और सप्ताह भर से लेकर 15 दिनों तक उन्हें गैस के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। वैसे वैसे उपभोक्ता अधिक मात्रा में गैस भराकर रख रहे है।जिसके पास एक सिलेंडर भरा है वो भी दूसरे सिलेंडर के लिए बुकिंग करा रहे है।वही जिन्होंने आज ही सिलेंडर भरवाया है वे घर आकर आज से ही दूसरे सिलेंडर के लिए बुकिंग कराकर अपना नंबर लगा रहे हैं।जहां आवक कम होने और डिमांड अधिक बढ़ जाने के कारण गैस सिलेंडरों की कमी एजेंसी में बनी हुई है। जबकि गैस सिलेंडर प्राप्त करने के लिए रोजाना ही एजेंसियों में उपभोक्ताओं की भारी भीड़ लग रही है और उनके बीच एक-एक गैस सिलेंडर के लिए जद्दोजहद देखी जा रही है।

आस-पड़ोस से सिलेंडर उधार लेकर चला रहे काम

घरेलू गैस सिलेंडरों की कमी से सबसे अधिक सिंगल सिलेंडर धारक उपभोक्ताओं को परेशानी हो रही है। जिन्हें पड़ोसियों से सिलेंडर उधार लेना पड़ रहा है या फिर हॉटल व रेस्टारेट से महंगा भोजन मंगवाकर काम चलाना पड़ रहा है।कुछ सिंगल सिलेंडर वाले उपभोक्ताओं ने बताया कि उनके यहां सिंगल सिलेंडर है।ऐसे में वे सिलेंडर समाप्त होने के एक या दो दिन पहले बुकिंग कर लिया करते हैं।लेकिन इस बार सप्ताह भर से बुकिंग करने के बाद भी सिलेंडर नहीं पहुंच पाया है। इन्होंने बताया कि सिलेंडर नही मिलने के चलते आस पड़ोस से सिलेंडर उधार लेकर काम चलाना पड़ रहा है।

पहले एक या दो दिन में घर आ जाता था सिलेंडर, अब सप्ताह बाद भी नही मिल रहा

गुरुवार को गैस लेने एजेंसी पहुंचे कुछ उपभोक्ताओ ने बताया कि पहले ऑन लाइन बुकिंग करवाने पर एक से दो दिनों में सिलेंडर घर पहुंच जाया करता था।लेकिन अब बुकिंग कराए एक सप्ताह बीत गया है बावजूद इसके भी अब तक सिलेंडर उनके घर नही पहुचा है।वही कुछ उपभोक्ताओं ने बताया कि उन्होंने 7 नवंबर से सिलेंडर के लिए बुकिंग की है, अब तक सिलेंडर नहीं पहुंच पाया है। एजेंसी में जानकारी लेने पर बताया गया कि एकाएक सिलेंडर की डिमांड बढ़ने और उपर से ही पर्याप्त सिलेंडर नहीं आने के चलते इस तरह की समस्या बनी हुई हैं। एजेंसी में बैठे कर्मचारियों के अनुसार माह की शुरूआत से ही सिलेंडरों का टोटा बना हुआ है। पर्याप्त सिलेंडरों के आने पर समय पर सिलेंडर पहुंचने शुरू हो जाएंगे।

जिले में है 04 लाख से अधिक उपभोक्ता

बात अगर बालाघाट नगर की करे तो बालाघाट नगर में कमर्शियल(होटल रेस्टोरेंट ,में लगने वाले बड़े सिलेंडरों को छोड़कर) 60 से 70 हजार घरेलू रसोई गैस के उपभोक्ता है।जानकारी के अनुसार जिले भर में विभिन्न कंपनियों को मिलाकर करीब 28 गैस एजेंसिया है।जिसमे करीब 4लाख से अधिक गैस सिलेंडर उपभोक्ता है।बताया जा रहा है कि बालाघाट जिले में नागपुर के खापरी और मंडला के मनेरी गैस प्लांट से गैस सिलेंडरों की सप्लाई की जाती है। जहां से पिछले माह से कम मात्रा में गैस सिलेंडरों की सप्लाई की जा रही है। जिसके चलते अचानक से डिमांड बढ़ गई, तो वही पर्याप्त मात्रा में गैस सिलेंडर की गाडियां जिले में नहीं पहुंच सकी।इसके अलावा अफवाहों को देखते हुए, चूल्हा जलाने से बचने के लिए भी लोग ज्यादा से ज्यादा गैस बुकिंग कर रहे हैं जिसके चलते अचानक से गैस की डिमांड बढ़ गई है।

रोजाना 5 दिनों से चक्कर काट रहा हु, आज छटवा दिन है- कृष्ण कुतराहे

गैस सिलेंडर लेने एजेंसी पहुंचे कोसमी निवासी कृष्ण कुमार कुतरहे ने बताया कि रसोई गैस इमरजेंसी सेवा में आती है।बावजूद इसके परेशान होना पड़ रहा है।आए दिनों सिलेंडर के लिए चक्कर लगा रहे है। कर्मचारी बुकिंग कराने पर सिलेंडर देने की बात कहते हैं। वहीं ऑनलाइन बुकिंग करवाए हैं तो भी सिलेंडर नहीं दिया जा रहा। होम डिलेवरी करने वाले भी नही आ रहे है। पिछले 5 दिनों से गैस सिलेंडर के लिए रोजाना एजेंसी के चक्कर काट रहा हूं और बिना सिलेंडर लिए ही रोजाना वापस जाना पड़ रहा है एजेंसी वाले बोलते हैं कि ऊपर से माल नहीं आ रहा है आज छठवा दिन है जो मैं यहां गैस के लिए आया हूं लेकिन आज भी बोल रहे हैं कि माल खत्म हो गया हमारी मांग है कि पहले जैसी व्यवस्था होनी चाहिए ताकि बुकिंग कराए और तुरंत में गैस मिल जाए।

ऊपर से ही सप्लाई नही हो रही है- अनीस खान

नगर के बूढ़ी रोड़ स्थित भगवान गैस एजेंसी मैनेजर अनीश खान ने दूरभाष पर बताया कि खाली सिलेंडरों की रिफिलिंग नहीं हो पा रही है, इसीलिए ऊपर से सप्लाई काफी कम मात्रा में हो रही है। बालाघाट के गोदाम में भी सिलेंडर काफी कम मात्रा में आ रहे हैं गोदाम लगभग खाली पड़ा है। इसीलिए कुछ दिनों से गैस सिलेंडर कम मात्रा में पहुंच रहे है। इसके अलावा कुछ लोग अफवाह को सच मान रहे है।उन्हें लग रहा है की हड़ताल होने वाली है तो उन्हें गैस नही मिलेगी इसीलिए ज्यादा से ज्यादा लोग बुकिंग कर रहे हैं। जो लोग पहले गैस सिलेंडर नहीं खरीदते थे वह भी गैस की बुकिंग कर रहे हैं। इसके अलावा ऊपर से ही गैस की गाड़ियां आने में भी दिक्कत हो रही है, कम मात्रा में गैस सिलेंडर आने और अचानक से डिमांड बढ़ने के चलते एजेंसी संचलको सहित उपभोक्ताओं को दिक्कत जा रही है।जो जल्द ही दूर हो जाएगी। हमें उम्मीद है कि कुछ दिनों में व्यवस्था में सुधार आ जाएगा और पूर्व की तरह घर पहुंच सेवा शुरू कर दी जाएगी।

धुवारे जलपान गृह औरं धुवारे जलपान सेंटर का पंजीयन निलंबित

खाद्य सुरक्षा प्रशासन टीम ने मोतीनगर क्षेत्र में की छापामार कार्यवाही, शटर गिराकर बंद कराया गया खाद्य व्यवसाय

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम द्वारा 13 नवंबर को नगरीय क्षेत्र बालाघाट के मोतीनगर स्थित होटल एवं रेंस्टारेंट्स पर छापामार कार्यवाही की गई है।

इस कार्यवाही के दौरान धुवारे जलपान गृह एवं धुवारे जलपान सेंटर में अत्यधिक गंदगी, अस्वच्छता एवं मकड़ी के जाले पाये एवं सार्वजनिक स्थल पर धूम्रपान कराये जाने के कारण उनका खाद्य पंजीयन तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

मुख्यग चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ परेश उपलप ने बताया कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी योगेश डोंगरे, गीता टांडेकर एवं नायब तहसीलदार श्रीमती मंजुला महोबिया की टीम ने 13 नवंबर को बालाघाट के मोती नगर स्थित विंग्स कैफे रेस्टोरेंट का निरीक्षण किया।इस दौरान मौके पर मौजूद मालिक द्वारा इस कैफे को बंद किया जाना बताया गया । मोतीनगर स्थित रॉयल रेस्टोरेंट का निरीक्षण करने पर उसके पास वैध खाद्य लाइसेंस पाया गया लेकिन किचन में कुछ आंशिक त्रुटियां एवं अस्वच्छता पाई गई। जिसके लिए उसके संचालक को खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम की धारा 32 के अंतर्गत सुधार सूचना नोटिस जारी किया गया है। रायल रेस्टोरेंट से कॉर्नफ्लोर तथा शक्कर के नमूने एकत्र कर प्रयोगशाला जांच के लिये भेजे गये हैं।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने मोती चौक स्थित मानोमय रेस्टोरेंट के निरीक्षण के दौरान पाया कि किचन के फ्रीजर में खाद्य सामग्री खुली अवस्था में संग्रहित की गई है। खाद्य सामग्री का निर्माण खुले में कराये जाने के संबंध में मानोमय रेस्टोरेंट के संचालक को सुधार सूचना नोटिस जारी किया गया ।मोतीतालाब चौक स्थित धुवारे जलपान गृह एवं धुवारे जलपान सेंटर के निरीक्षण के दौरान वहां पर अत्यंत अस्वच्छता, गंदगी, मकड़ी के जाले पाये गये। वहां पर नाली खुली अवस्था में पायी गई और उसके ऊपर ही खाद्य सामग्री का निर्माण किया जाना पाया गया। सार्वजनिक स्थल पर धूम्रपान कराए जाने जैसे गंभीर कार्यकलापों के कारण दोनों प्रतिष्ठानों के खाद्य पंजीयन तत्काल प्रभाव से निलंबित किए गए एवं धारा 56 के उल्लंघन का प्रकरण तैयार किया गया तथा मौके पर ही खाद्य व्यवसाय शटर गिरकर बंद कराया गया।

आम जन को मिलावट रहित, गुणवत्ता युक्त एवं स्वच्छता के साथ निर्मित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम द्वारा इस तरह की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

वाहन दुर्घटना में मौत पर चालक पर जुर्माना

पद्मेश न्यूज। कटंगी। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्रीमती नेहा ठाकुर ने दुपहिया वाहन दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत से संबंधित पांच वर्ष पुराने केस में आरोपी युवक को अलग-अलग धाराओं के तहत 9500रू. के अर्थदण्ड से दंडित किया है। न्यायालयीन प्रकरण क्रमांक 342/202 में थाना कटंगी में दर्ज अपराध क्रमांक 503/2020 में आरोपी राजेश कुमार आत्मज राखीचंद पटले उम्र लगभग 28 वर्ष ग्राम कलगांव तहसील कटंगी को मोटरयान अधिनियम की धारा 3/181 में 5000रू., धारा 146/196 में 2000रू., धारा 50/177 में 500रू. का अर्थदंड एवं धारा 39/192 में 2000रू. के अर्थदंड से दंडित किया गया। घटना संबंध में प्राप्त जानकारी अनुसार 15 दिसम्बर 2020 को ग्राम सेलवा में कलगांव की तरफ जा रहे एक मोटर सायकल वाहन क्रमांक एम.एच.36 बी 5339 के चालक ने विपरीत दिशा से आ रहे सायकल सवार नेवलसिंह देवाहे निवासी सेलवा को लापरवाहीपूर्वक टक्कर मार दी थी। हादसे में मोटर सायकल चालक राजेश एवं सायकल सवार नेवलसिंह को गंभीर चोटें आई थी जिसमें नेवलसिंह को बालाघाट रिफर किया गया था। घटना में नेवलसिंह की उपचार के दौरान मौत हो गई थी। पुलिस ने अस्पताल से प्राप्त तहरीर पर बाइक सवार के विरूद्ध मामला दर्ज किया था। प्रकरण में न्यायालय में चली सुनवाई के बाद अभियोजन पक्ष के तर्कों से सहमत होकर न्यायिक मजिस्ट्रेट से यह निर्णय दिया।

विधायक अनुभा मुंजारे के अस्पताल निरीक्षण के दौरान महिला चिकित्सक का स्वास्थ्य बिगड़ा!

गर्भ में शिशु की मौत के बाद पहुंचीं अस्पताल, व्यवस्थापकों को बताया लापरवाह, कलेक्टर को भी घेरा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने गुरुवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कई स्थानों पर पाई गई कमियों को लेकर संबंधित विभागों को शीघ्र सुधार के निर्देश दिए। निरीक्षण की शुरुआत जिला चिकित्सालय से की गई, जहां उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान विधायक मुंजारे ने चिकित्सकों द्वारा मरीजों से रुपए लेनदेन की शिकायतों को गंभीरता से लिया और मरीजों तथा उनके परिजनों से चर्चा की। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं को बेहतर बनाने के निर्देश दिए।इसके बाद विधायक मुंजारे इतवारी बाजार स्थित देवीतालाब पहुंचीं, जहां उन्होंने तालाब में फैली गंदगी को लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने नगर पालिका को एनजीटी के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने और तालाब की साफ-सफाई नियमित रूप से कराने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने वार्डवासियों से चर्चा करते हुए जाना कि देवीतालाब से दुर्गंध फैलने की समस्या लगातार बनी हुई है। उन्होंने तत्काल इस समस्या के निराकरण के निर्देश दिए।

12 नवंबर को जिला चिकित्सालय बालाघाट में गर्भवती महिला के गर्भ में ही शिशु की मौत के बाद प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने अस्पताल की व्यवस्थाओं की जांच शुरू कर दी है। जहां सुबह कलेक्टर बालाघाट ने निरीक्षण किया, वहीं दोपहर में विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने भी जिला चिकित्सालय और शहर के अन्य क्षेत्रों का भ्रमण किया। सबसे पहले विधायक मुंजारे जिला चिकित्सालय पहुंचीं और वहां पीड़ित परिजनों से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली। पीड़ित परिवार ने विधायक को पूरी घटना विस्तार से बताई। इसके बाद उन्होंने अस्पताल की महिला चिकित्सक एवं संबंधित अधिकारियों को तत्काल बुलाकर कड़ी फटकार लगाई। निरीक्षण के दौरान विधायक ने देखा कि कुछ मरीजों को बेड नहीं मिलने के कारण वे जमीन पर लेटे हुए थे, जिनमें एक

प्रसूता महिला अत्यधिक प्रसव पीड़ा में थी। यह दृश्य देखकर विधायक मुंजारे ने तत्काल बेड उपलब्ध कराने के निर्देश दिए और पीड़िता को ढांढस बंधाया। उन्होंने कहा कि जिला चिकित्सालय में मरीजों को दी जाने वाली सुविधाओं में भारी लापरवाही बरती जा रही है। कलेक्टर को इस पर त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए, लेकिन वे केवल औपचारिकता निभा रहे हैं। विधायक ने आगे कहा कि जब अस्पताल में खुलेआम मरीजों से रुपए की मांग की जा रही है, तो ऐसे चिकित्सकों को तत्काल हटाया जाना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कार्रवाई नहीं हुई तो वह अस्पताल के सामने धरने पर बैठेंगी। साथ ही विधायक मुंजारे ने बताया कि अस्पताल में पैसों की मांग और अव्यवस्था के मुद्दे को वह आगामी विधानसभा सत्र में भी उठाएंगी। इसके पश्चात विधायक मुंजारे ने देर शाम देवीतालाब और इतवारी बाजार क्षेत्र में निर्माणाधीन कॉम्प्लेक्स का निरीक्षण किया। उन्होंने नगर पालिका एवं संबंधित विभागों को निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुधारने और व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

विधायक के

निरीक्षण में महिला चिकित्सक अस्वस्थ

विधायक अनुभा मुंजारे के जिला चिकित्सालय निरीक्षण के दौरान महिला चिकित्सक का स्वास्थ्य बिगड़ने की खबर सामने आयी है ।बताया जा रहा है की निरीक्षण के दौरान यह स्थिति उत्पन्न हुई। जानकारी के अनुसार, विधायक अनुभा मुंजारे जैसे ही जिला चिकित्सालय के ट्रॉमा सेंटर पहुंचीं, उन्होंने वहां मरीजों को दी जा रही सुविधाओं और एक दिन पूर्व मां के गर्भ में बच्चे की मौत के मामले पर चर्चा की।इस दौरान उन्होंने संबंधित महिला चिकित्सक, अधिकारी और स्टाफ नर्स को तत्काल बुलाया। थोड़ी देर बाद स्टाफ नर्स और आरएमओ सुषमा गोयल वहां पहुंचीं, जिनसे विधायक ने पूछताछ की। इसके बाद ड्यूटी डॉक्टर रितिका राणा को भी बुलाया गया। कुछ समय बाद रितिका राणा वहां से चली गईं। जब विधायक ने सुषमा गोयल से रितिका राणा के नही दिखने का कारण पूछा, तो उन्होंने बताया कि डॉ. रितिका राणा का स्वास्थ्य बिगड़ गया है, इसलिए वे चली गईं। इस घटना के बाद अस्पताल परिसर में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। कुछ लोगों का कहना था कि महिला चिकित्सक का स्वास्थ्य अचानक बिगड़ गया, वहीं कुछ का कहना था कि पीड़ित परिजनों की नाराज़गी और सवालों के कारण उन्होंने नौकरी छोड़ने की बात कही और अस्पताल से चली गईं। हालांकि, इस पूरे मामले में अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

सोनोग्राफी कक्ष हो जाता है 2 बजे बंद

अनुभा मुंजारे के निरीक्षण के समय एक मरीज के परिजन ने विधायक को बताया कि दोपहर 2 बजे ही सोनोग्राफी सेंटर बंद हो जाता है, जबकि वे सुबह से ही सोनोग्राफी करवाने के लिए प्रतीक्षा कर रहे हैं। इसके बाद बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे स्वयं सोनोग्राफी सेंटर गईं, जहां उन्होंने देखा कि सोनोग्राफी सेंटर में ताला लगा हुआ था। विधायक ने कहा कि ट्रॉमा सेंटर में प्रसव के लिए सैकड़ों महिलाएं पहुंच रही हैं और लगातार प्रसव भी किए जा रहे हैं, ऐसे में यदि दोपहर 2 बजे ही सोनोग्राफी सेंटर बंद हो जाता है और उसके बाद किसी मरीज को आवश्यक जांच करवानी हो, तो वे कहां जाएंगे? इस विषय को लेकर बालाघाट विधायक ने चिंता जाहिर की।

मारपीट के आरोपी लीलाधर पुष्पतोड़े को एक वर्ष का सश्रम कारावास

पद्मेश न्यूज।कटंगी। न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती नेहा ठाकुर ने पांच वर्ष पूर्व तिरोड़ी थाना अंतर्गत ग्राम आंजनबिहरी में घटित मारपीट की एक घटना के संबंध में न्यायालय में दर्ज प्रकरण पर अंतिम निर्णय देते हुए आरोपी युवक को 1 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 1000 रू. के अर्थदण्ड की सजा सुनाई। न्यायालयीन प्रकरण क्रमांक 304/2020 में थाना तिरोड़ी में दर्ज अपराध क्रमांक 465/2020 में आरोपी लीलाधर पुष्पतोड़े पिता नागोजी पुष्पतोड़े ग्राम आंजनबिहरी को धारा 325 भाग 2 भादवि में 1 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 1000रू. के अर्थदण्ड का आदेश दिया गया। घटना संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार 14 नवम्बर 2020 को थाना तिरोड़ी अंतर्गत ग्राम आंजनबिहरी में दीपावली पर्व पर गवाली समाज द्वारा गोदन का कार्यक्रम का आयोजित

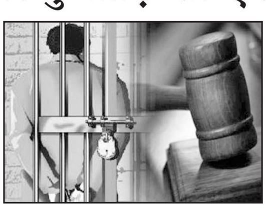

किया गया था तभी आरोपी लीलाधर पुष्पतोड़े का भाई कार्यक्रम स्थल में चप्पल पहनकर घुस गया था जिसे मना करने पर 18 नवम्बर 2020 को लीलाधर पुष्पतोड़े ने ग्राम आंजनबिहरी निवासी फरियादी महेन्द्र राउत के साथ लाठी डंडों से मारपीट एवं गाली-गलौच की घटना को अंजाम दिया था। घटना में फरियादी महेन्द्र राउत बुरी तरह घायल हुआ था। फरियादी की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध अपराध क्रमांक 465/20 धारा 294, 323, 506 भा0द0सं. कायम का विवेचना में लिया था। प्रकरा के तथ्यों, परिस्थितियों के आधार पर एवं अभियोजन के तर्कों से सहमत होकर न्यायालय ने आरोपी लीलाधर पुष्पतोड़े को एक वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई।

सड़क किनारे खरपतवारों से बढ़ी दुर्घटनाओं की आशंका

ग्रामीणों ने झाड़ियों की साफ-सफाई करवाने की प्रशासन से की मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

मुख्यालय से बोरी बायपास पहुंच मार्ग के दोनों ओर खरपतवार (झाड़िया) उग जाने के कारण मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों, ग्रामीणजनों एवं पढ़ाई करने आने वाले छात्र-छात्राओं को मोड़ाई में दूर से आने-जाने वाली मोटरसाइकिल, साइकिल व लोग दिखाई नही देने एवं सर्राटी पुल के समीप मार्ग के किनारे कुछ स्थानों पर गड्डा हो जाने के कारण आवागमन करने में खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है, जबकि लंबे समय से राहगीर व ग्रामीणजन सड़क किनारे उग चुकी लंबी-लंबी झाड़ियों की साफ-सफाई एवं पुल के समीप सड़क किनारे बने गड्डों की मरम्मत कार्य करवाने की मांग कर रहे है परन्तु जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिससे मार्ग से गुजरने वाले राहगीर एवं ग्रामीणजनों में प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

प्रशासन किसी बड़े हादसे का कर रहा इंतजार

आपकों बता दे कि विगत वर्ष पूर्व मंडी निधि से पुराना जनपद पंचायत कार्यालय से लेकर कटंगी हाईवे मार्ग तक करीब डेढ़ किमी. की बायपास सीमेंट सड़क का निर्माण किया गया है परन्तु तहसील कार्यालय से लेकर कटंगी हाईवे रोड़ बोरी पहुंच मार्ग के दोनों ओर की झाड़ियों की लंबे समय से साफ-सफाई एवं कटाई नही करवाई गई है एवं इस मार्ग में तीन से चार मोड़ाई भी है और घनी झाड़िया होने के कारण उक्त स्थानों से जब लोग आना-जाना करते है तो उन्हे आमने-सामने से आने वाले लोग दिखाई नही देते है। ऐसी स्थिति में बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है एवं पूर्व में दुर्घटनाएं भी घटित हो चुकी है। वहीं झाड़ियों में वन्यप्राणियों के छुपे रहने का भी डर बना रहता है। इस मार्ग से लोग रात्रि तक आवागमन करते है और लालबर्रा मुख्यालय पहुंचने का एक सीधा मार्ग है इसलिए इस मार्ग से बोरी, बल्हारपुर, बहियाटिकुर सहित दर्जनों ग्रामों के ग्रामीणजन, स्कूल, कालेज के विद्यार्थी रोजाना लालबर्रा मुख्यालय आना-जाना करते है और मार्ग के दोनों ओर झाड़िया उग जाने के कारण एवं क्षतिग्रस्त पुल के समीप मार्ग के किनारे की मिट्टी धसक जाने एवं गड्डे बन जाने के कारण भी सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अगर दुपहिया एवं चौपहिया वाहन तेज गति से गुजरता तो बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। जबकि इस मार्ग से जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों का भी आना-जाना होता है उसके बावजूद भी इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जो समझ से परे लग रहा है। जल्द ही मार्ग के किनारे की झाड़ियों (खरपतवार) की साफ-सफाई व कटाई व पुल के समीप सड़क किनारे की धसक गई मिट्टी एवं गड्डे का मरम्मत कार्य नही करवाया गया तो किसी भी समय बड़ा हादसा घटित हो सकता है। राहगीरों एवं ग्रामीणजनों ने लालबर्रा से बोरी बायपास पहुंच मार्ग के किनारे की झाड़ियों की जल्द साफ-सफाई करवाये जाने एवं पुल के समीप धसक चुकी मिट्टी व गड्डों का जल्द मरम्मत कार्य करवाने की मांग की है।

झाड़ियों की जल्द सफाई करवाये प्रशासन - कमल

राहगीर कमल शांडिल्य ने बताया कि लालबर्रा से बोरी बायपास पहुंच मार्ग का विगत वर्ष पूर्व मंडी निधि से सीसी सड़क का निर्माण किया गया है। लेकिन तहसील कार्यालय से लेकर कटंगी पहुंच तक रोड़ किनारे उगी खरपतवार (झाड़ियों) की लंबे समय से साफ-सफाई एवं कटाई नही की गई है। वहीं इस मार्ग पर तीन से चार स्थानों पर मोड़ाई भी है और आमने-सामने से आने वाले लोग दुर से दिखाई नही देते है। ऐसी स्थिति में दुर्घटनाएं घटित हो रही है और किसी भी समय बड़ा हादसा घटित हो सकता है। श्री शांडिल्य ने बताया कि इस समस्या से प्रशासन को पूर्व में भी अवगत करवाया गया है, लेकिन अब तक झाड़ियों की साफ-सफाई व कटाई नही की गई है। जिससे ऐसा लगता है कि प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है। साथ ही पुल के समीप सड़क किनारे की मिट्टी धसक जाने एवं गड्डे बन जाने से भी आने-जाने में परेशानी होती है इसलिए प्रशासन से मांग है कि सड़क किनारे दोनों साईड की झाड़ियों (खरपतवार) की कटाई कर साफ-सफाई एवं सड़क का मरम्मत कार्य करवाये ताकि आने-जाने में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

लेंडेझरी में कृषि जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

कम पानी की फसलें लगाने और क्रॉप रोटेशन पर दिया गया जोर

पद्मेश न्यूज।बेहरई/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत लेंडेझरी में किसानों को कृषि की नई तकनीकों और सरकारी योजनाओं से अवगत करवाने के उद्देश्य से बुधवार को कृषि जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर अनुविभागीय अधिकारी वारासिवनी कार्तिकेय जायसवाल की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर किसानों को विभिन्न जानकारी देने के साथ ही कम पानी की फसले लगने सहित अन्य आवश्यक जानकारियां दी गई। वहीं किसानों को शासन की योजना का लाभ लेकर अधिक उत्पादन लेकर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने कहा गया। इस शिविर में एसडीएम श्री कार्तिकेय जायसवाल ने किसानों को पिछले रबी सीज़न में जल और विद्युत की अत्यधिक कमी से किसानों की धान की फसल प्रभावित हुई थी इसलिए किसान धान की फसल के बजाय कम पानी वाली अन्य फसले लगाने की बात कही। साथ ही क्राप रोटेशन (फसल चक्रण) अपनाने के लिए किसानों को प्रेरित किया और कहा कि एक ही खेत में अलग-अलग समय पर अलग-अलग फसल उगाने की बात कही। जिससे मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है और सिंचाई के पानी की आवश्यकता भी कम होती है। कार्यपालन अभियंता, विद्युत विभाग द्वारा किसानों को विभाग में चल रही सभी योजनाओं, जिसमें केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण पीएम सूर्य घर योजना (मुफ्त बिजली योजना) और अन्य योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही लेंडेझरी में पूर्व और वर्तमान में विद्युत विभाग द्वारा किये गये कार्यों से भी किसानों को अवगत करवाया गया। वहीं ग्राम सरपंच श्रीमती संध्या संजय बिसेन सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी किसानों को शासन की योजनाओं का लाभ लेकर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने प्रेरित किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से सरपंच श्रीमती संध्या संजय बिसेन, सरपंच प्रतिनिधि संजय बिसेन, जनपद सदस्य बाबूलाल भगत, जनपद पंचायत लालबर्रा सीईओं चंदरसिंह मंडलोई, नायब तहसीलदार मयंक मिश्रा, कार्यपालन अभियंता वारासिवनी, कृषि, सिंचाई, पशुपालन और मत्स्य पालन के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में किसानगण उपस्थित रहे।

कोसमी रटेगांव में दो दिवसीय बैलजोड़ी पट प्रतियोगिता आज से

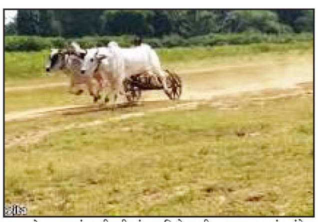

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत रटेगांव के ग्राम कोसमी के पट मैदान में बिरसा मुंडा के जन्मोत्सव के अवसर पर 14 नवंबर से दो दिवसीय विशाल बैलजोड़ी पट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। चर्चा में पट समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि शहीद बिरस मुंडा के जन्मोत्सव के अवसर पर 14 नवंबर को दो दिवसीय बैलजोड़ी पट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। जिसमें प्रथम पुरस्कार 18000 रूपये, द्वितीय पुरस्कार 14000 रूपये, तृतीय पुरस्कार 11000 रूपये, चौथा पुरस्कार 9000 रूपये, पांचवा पुरस्कार 7000 रूपये, छटवां पुरस्कार 6000 रूपये, सातवां पुरस्कार 5000 रूपये, 8 से 10 नंबर तक 4000 रूपये, 11 से 15 नंबर तक 3500 रूपये, 16 से 20 नंबर तक 3000 रूपये, 21 से 25 नंबर तक 3500 रूपये, 26 से 30 नंबर तक 3000 रूपये एवं 31 वां पुरस्कार 3100 रूपये, 14 नवंबर को प्रवेश शुल्क 1800 रूपये, 15 नवंबर को 2000 रूपये निर्धारित किया गया है। साथ ही यह भी बताया कि बैलजोड़ी पट प्रतियोगिता का फाइनल दौड़ बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के मुख्य आतिथ्य, रटेगांव सरपंच श्रीमती वंदना बिसेन की अध्यक्षता एवं कांग्रेस कमेटी जिला सचिव, पूर्व सरपंच बालकृष्ण बिसेन के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ होगा। इस दो दिवसीय विशाल बैलजोड़ी पट प्रतियोगिता में बालाघाट सहित अन्य जिले के पट बैलजोड़ी मालिकों से अधिक से अधिक संख्या में अपनी बैलजोड़ी लेकर पहुंचने की अपील बस्ताराम तेकाम, गणेश उयके, सुकनंदन इनवाती, गेंदचंद नागेश्वर, गुलाब उयके, धनराज उयके, हरीलाल नागेश्वर, श्री मड़ावी, महेश चौहान, देवानंद उयके, गणेश सहित अन्य समिति के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।

आज मनाई जायेगी प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू की जयंती

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के बालाघाट रोड़ स्थित विश्राम गृह में ब्लाक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा के द्वारा 14 नवंबर को दोपहर 1 बजे देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं.जवाहरलाल नेहरू जी की जयंती मनाई जायेगी। चर्चा में ब्लाक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा अध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर ने बताया कि देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं.जवाहरलाल नेहरू जी की जयंती कांग्रेसियों के द्वारा 14 नवंबर को दोपहर 1 बजे विश्राम गृह में मनाई जायेगी। साथ ही संगठन को मजबूत करने सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा भी की जायेगी। इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी के समस्त विंगों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर ने की है।

शीत लहर चलने से ठंड का बढ़ा असर:गर्म कपड़ों की बढ़ी मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। क्षेत्र में गत दिवस मौसम परिवर्तन होने के साथ ही झमाझम बारिश हुई थी। जिसके बाद मौसम साफ हो चुका है। वहीं उत्तर भारत के राज्यों में हो रही बर्फबारी एवं उस क्षेत्र से आ रही बर्फीली हवाओं के प्रभाव के कारण क्षेत्र में ठंड का असर बढ़ गया है और शाम होते ही ठंड अपना असर दिखाना प्रारंभ कर देती है। साथ ही क्षेत्र में शाम होते ही शीत लहर चलने के कारण ठंड अपने पूरे शबाब पर पहुंच चुकी है और लोग ठंड से बचने के लिए गर्म कपड़ों का उपयोग कर रहे है। साथ ही अचानक ठंड एकाएक बढ़ने से गर्म कपड़ों की भी मांग बढ़ने लगी है और ठंड बढ़ते ही बाजार में दुकानदारों के द्वारा भी गर्म कपड़ों की दुकाने सजा ली गई है। जहां क्षेत्रीयजन पहुंचकर गर्म कपड़ों की खरीदी कर रहे है जिससे दुकानदारों का व्यापार भी उठ चुका है एवं ग्राहकी आने से दुकानदार भी खुश नजर आ रहे है।

आपकों बता दे कि लालबर्रा क्षेत्र में विगत दिवस झमाझम बारिश हुई थी उसके बाद मौसम साफ हो चुका है। लेकिन उत्तर भारत राज्यों में बर्फबारी होने के साथ ही विगत दिवस हुई बारिश के बाद से क्षेत्र में शीतल लहर का असर प्रारंभ हो चुका है और ठंड बढ़ने लगी है। ठंड से बचने के लिए लोग दिन से ही गर्म कपड़ों का सहारा ले रहे है तो वहीं कुछ लोग दिन में कही बाहर जा रहे है तो अपने साथ स्वेटर, मफलर व अन्य गर्म कपड़े लेकर जा रहे है। वहीं क्षेत्र में पड़ रही हल्की ठिठुरन ठंड के कारण आम जनजीवन भी प्रभावित हुआ है और पूर्व में बाजार क्षेत्र में रात 10 बजे तक रौनक रहती थी परन्तु ठंड बढ़ जाने के कारण रात 8 बजे के बाद सुनसान नजर आने लगा है बाजार क्षेत्र। ठिठुरन ठंड से बचने के लिए सार्वजनिक स्थानों एवं बस स्टैण्ड में अलाव जलाने की मांग उठने लगी है। वहीं जागरूक नागरिकों ने स्थानीय बस स्टैण्ड एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर स्थानीय प्रशासन से अलाव जलाने की मांग की है।

सालेभर्री में दो दिवसीय बिरसा मुंडा जयंती समारोह कार्यक्रम संपन्न

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से 13 किमी दूर ग्राम पंचायत टेंगनीखुर्द के अंतर्गत आने वाले ग्राम सालेभर्री में भगवान बिरसा मुंडा गोंडवाना संगठन के तत्वाधान में गत दिवस क्रांतिसूर्य धरतीपुत्र भगवान बिरसा जयंती का दो दिवसीय कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में प्रथम दिन कलश यात्रा निकाली गई। यह कलश यात्रा पुरे ग्राम का भ्रमण करते हुए कार्यक्रम स्थल पहुंची जिसके बाद क्रांतिसूर्य बिरसा मुंडा जी की पूजा अर्चना की गई तत्पश्चात शाम में महाप्रसादी का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दुसरे दिन धर्मभाषा, संस्कृति, वेशभूषा एवं रोजगार पर उपस्थित वक्ताओं के द्वारा संबोधन दिया गया। वहीं दो दिवसीय जयंती एवं मेला कार्यक्रम के अवसर पर छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। जिसमें गायक-गायिका एवं साथी कलाकारों के द्वारा लोक नृत्य, पारंपरिक गीत और नाटक मंचन के माध्यम से आदिवासी संस्कृति की समृध्द विरासत को प्रस्तुत किया गया। जिसने मेले में आये लोगों के लिए मनोरंजन के साथ-साथ जागरूकता का भी संचार किया। वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपस्थित अतिथियों ने शहीद बिरसा मुंडा के जीवन और उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बिरसा मुंडा सिर्फ एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक विचारधारा हैं। उन्होंने जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष किया एवं आदिवासी समाज को संगठित किया है। हम सभी को उनके बताये मार्ग पर चलना चाहिए और समाज के उत्थान, शिक्षा एवं एकता पर ज़ोर देना चाहिए। यह आयोजन हमारी संस्कृति और इतिहास को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम है। आगे कहा कि इस तरह के आयोजनों से न केवल हम अपने महापुरुषों को सम्मान देते हैं, बल्कि यह हमारी संस्कृति को जीवित रखने और बढ़ावा देने का भी एक माध्यम है। चर्चा में टेंगनीखुर्द सरपंच प्रतिनिधि धनेन्द्र राणा ने बताया कि भगवान बिरसा मुंडा गोंडवाना संगठन के तत्वाधान गत दिवस दो दिवसीय क्रांतिसूर्य धरतीपुत्र बिरसा मुंडा की जयंती के साथ ही दो दिवसीय मेला कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर विविध सांस्कृतिक एवं अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किये गये और सभी को शहीद बिरसा मुंडा के बताये मार्ग पर चलने प्रेरित किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला पंचायत सभापति झामसिंह नागेश्वर, टेंगनीखुर्द सरपंच श्रीमती अनिता राणा, जनपद सदस्य धनेन्द्र भलावी, सरपंच प्रतिनिधि धनेन्द्र राणा, मप्र आदिवासी विकास परिषद लालबर्रा सचिव अनिल उइके, भगवान बिरसा मुंडा गोंडवाना संगठन सालेभर्री (टेंगनीखुर्द) के अध्यक्ष लखनलाल मर्सकोले, कोषाध्यक्ष अंतलाल सलामे, सचिव संतोष उइके सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी, सदस्यगण, जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बिरसा से दमोह पहुंची भगवान बिरसा मुंडा गौरव यात्रा

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। भगवान बिरसा मुण्डा की 150 वीं जयंती के उपलक्ष्य में 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस मनाया जायेगा। इसी कड़ी में 11 नवंबर को कलेक्ट्रेट कार्यालय बालाघाट से जनजातीय गौरव दिवस रथ यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना किया गया है। यह रथ यात्रा 13 नवंबर को जिला पंचायत सदस्य श्रीमती अनुपमा नेताम एवं पूर्व विधायक श्री भगतसिंह नेताम के नेतृत्व में बिरसा छात्रावास से बिरसा मुंडा की झांकी निकल गई जो ग्राम सलघट से मानेगांव, बीजाटोला होते हुए दमोह पहुंची। इस यात्रा में क्षेत्र के जनपद सदस्यव, सभी ग्राम पंचायत के सरपंच, पंच और स्कूलों के छात्र-छात्राएं सम्मिलित हुए। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर ने बताया कि इस गौरव यात्रा के दौरान ग्रामीणों ने भारी उत्साह के साथ इसमें सहभागिता की और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये।

जिला पंचायत की सामान्य प्रशासन समिति की बैठक सम्पन्न

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। जिला पंचायत सामान्य प्रशासन समिति की बैठक 13 नवम्बर को जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरस्वार की अध्यक्षता में जिला पंचायत कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में उपाध्यक्ष जिला पंचायत योगेश राजा लिल्हारे, समस्त सभापति टामेश्वर पटले, दलसिंह पन्द्रे, झामसिंह नागेश्वर, डुलेन्द्र ठाकरे, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ एवं एजेण्डो से संबंधित समस्त विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में मुख्य रूप से म.प्र. सडक विकास निगम, लोक निर्माण विभाग, प्रधानमंत्री सड़क, सहकारिता विभाग, कृषि विभाग के कार्यो की समीक्षा की गई। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वार द्वारा जिले के विभिन्न विभागों अंतर्गत कराये जा रहे निर्माण कार्यो में गुणवत्ता का विशेष ध्यान दिये जाने की बात कही गई। म.प्र. सड़क विकास निगम द्वारा बनायी जाने वाली सड़के जो वर्तमान में परफारमेंस गारंटी में है, उन सडको में सुधार की आवश्यकता होने पर आवश्यक सुधार तत्काल कराये जाने की बात कही गई।

कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान सरस्वार द्वारा कृषि केन्द्र बडगांव में एक वैज्ञानिक कार्यरत होने से आवश्यकता अनुसार वैज्ञानिक बढाये जाने के प्रस्ताव वरिष्ठ कार्यालय को भेजे जाने की बात कही गई। इसी प्रकार खनिज विभाग से चर्चा के दौरान ग्राम पंचायत में चल रहे निर्माण कार्यो एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को कम दरों पर आवास निर्माण करने के लिए रेत प्रदाय किये जाने के निर्देश दिये गये। इस दौरान उपाध्यक्ष जिला पंचायत श्री लिल्हारे द्वारा सभी धान खरीदी केन्द्रों में बारदाने की पर्याप्त उपलब्धता होने की बात कही गई। इसी प्रकार वन विभाग द्वारा विस्थापित किये जाने वाले परिवारों को मुआवजे के रूप मे अन्य स्थान पर जमीन उपलब्ध कराये जाने पर चर्चा की गई।

5 बरस बाद भी देवगांव में पानी टंकी का निर्माण अपूर्ण!!

टंकी में पानी नही हो रहा स्टोर, २४ घंटे चलती है मोटर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत देवगांव में लाखों रुपये की लागत से ग्रामीणों को शुद्ध एवं स्वच्छ जल उपलब्ध कराने के लिए शासन के द्वारा जल जीवन मिशन अंतर्गत पानी टंकी स्वीकृत की गई थी। जिसका करीब ५ साल पूर्ण होने के बाद भी निर्माण कार्य अधुरा पड़ा हुआ है। इस दौरान पानी टंकी का कार्य संबंधित कार्य एजेंसी के द्वारा किस्तों में किया जा रहा है। वर्तमान में पानी टंकी का २५ प्रतिशत कार्य अधूरा पड़ा हुआ है ,परंतु निश्चित नहीं है कि कब ठेकेदार के द्वारा इन कार्यों को अमली जामा पहनाया जाएगा। बीते १ महीने पूर्व ठेकेदार के द्वारा पानी टंकी में गद्दू लगाने का कार्य किया गया है। इससे पता चलता है कि ठेकेदारों में शासन प्रशासन का खौफ समाप्त हो गया है। वहीं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के द्वारा भी खुली छूट दी गई है जिसका परिणाम देखने को मिल रहा है कि कार्य पूर्ण करने की समय सीमा का खुला उल्लंघन किया जा रहा है। इस दौरान मौके पर पानी टंकी निर्माण एजेंसी के द्वारा किसी प्रकार का बोर्ड या कोई जानकारी भी प्रदर्शित नहीं की गई है। इस परिस्थिति में ग्रामीणों सहित ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधियों में निर्माण एजेंसी और लोक स्वास्थ्य यंत्रिकी विभाग के खिलाफआक्रोश व्याप्त है। उनके द्वारा जल्द योजना पूर्ण करने की मांग शासन प्रशासन से की जा रही है।

टंकी में पानी स्टोर सिस्टम लगाना भूली कार्य एजेंसी

प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्ष २०२० करीब में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के तहत हर घर नल हर घर जल योजना अंतर्गत देवगांव में नल जल योजना स्वीकृत की गई थी। जिसका निर्माण कार्य किस्तों में पूर्ण किया गया जिसमें कभी पिलर खड़े कर दिए तो कभी जिन डाल दिया ऐसा कर २०२३ में टंकी का निर्माण किया गया। परंतु उसके बाद भी पानी टंकी से पानी का रिसाव होता रहा जिस पर कोई कार्य लंबे समय तक नहीं किया गया। ऐसे में १५ अगस्त २०२४ से ग्राम पंचायत के द्वारा ग्राम में पानी वितरण कार्य प्रारंभ किया गया। इसमें गत महीने गणेश उत्सव के दौरान ठेकेदार के द्वारा लिपा पोती कर पानी रिसाव को रोकने कार्य किया हालांकि आज भी टंकी से पानी रिसाव हो रहा है। तो वहीं सबसे बड़ी समस्या पानी टंकी में पानी स्टोर ना होने की है। क्योंकि निर्माण एजेंसी के द्वारा ओवरफ्लो का पाइप पानी टंकी में ३ फीट का लगाया गया है। जिस कारण से उसे बंद कर दिया हैं पानी टंकी भरने के लिए यदि मोटर चालू है तो पानी टंकी पूरी भर जाएगी और यदि मोटर बंद कर दी गई तो पुरी पानी टंकी खाली हो जाती है। क्योंकि जिस पाइप से पानी टंकी को भरा जाता है वह पाइप में वापस पानी पूरा चला जाता है ऐसे में पंचायत को २४ घंटे पानी की मोटर चालू रखना पड़ रहा है। क्योंकि शाम को जो पानी की मोटर टंकी भरने के लिए चालू की जाती है तो उस मोटर को अगले दिन सुबह पानी वितरण के पहले बंद किया जाता है। इस दौरान पूरी रात टंकी भरने के बाद ऊपर टंकी के ढक्कन से पानी ओवरफ्लो में व्यर्थ बहता रहता है । इस दौरान मोटर बंद करने के बाद ग्राम के ४०० में से २५० मकानों को पानी मिल पाता है। तो वहीं १५० मकान छूट जाते हैं तो उन्हें ११ बजे के बाद मोटर चालू कर शाम को वितरण किया जाता है इस प्रकार पानी की मोटर २४ घंटे चल रही है। पानी टंकी में स्टोर ना होने के कारण पानी और बिजली दोनों की बर्बादी हो रही है। हालांकि यह समस्या टंकी ठेकेदार को बहुत पहले बता दी गई है और इस संबंध में जिला सीईओ के द्वारा ठेकेदार को ६ माह में कार्य पूर्ण करने के लिए निर्देश भी किया गया था परंतु आज भी निर्माण कार्य अधूरा पड़ा हुआ है। इस दौरान रात्रि में कभी बिजली बंद हो जाती है या मोटर खराब हो जाती है तो पूरे गांव में पानी की किल्लत उत्पन्न होती है। ऐसे में ग्रामीणों के द्वारा शासन प्रशासन से उक्त विषय पर गंभीरता से ध्यान देते हुए पानी टंकी का पूर्ण कार्य करवाने की मांग की जा रही है। ताकि ग्राम के लोगों को हो रही समस्याओं से परेशान ना होना पड़े।

५ साल बाद भी पानी टंकी का कार्य अधुरा है-शरद

ग्रामीण शरद चूरहे ने बताया कि पानी टंकी को भरन के लिये मोटर को चालू रखना पड़ता है यदि नहीं रखे तो टंकी में आया हुआ पानी पूरा वापस निकल जाता है। टंकी खाली हो जाती है जो पाइप टंकी के अंदर पानी चढ़ता है वह वापस भी ले लेता है ऐसा सिस्टम पर टंकी में है। टंकी के अंदर पानी को रोकने या ब्रेक करने के लिए जो सिस्टम लगा था वह नहीं लगाया गया है। चालक का कहना है कि पानी टंकी भरने लगातार मोटर चालू रखनी पड़ती है तब दूसरे दिन लोगों को पानी मिलता है। रात १२ से दूसरे दिन वितरण होने तक ओवरफ्लो का पानी टंकी से बहता है। इस दौरान बिजली गोल हो गई या मोटर खराब हो गई तो पानी की समस्या हो जाती है। २४ घंटे मोटर चलने से खराब होने की अधिक संभावना रहती है तो दो दो दिन हमें पानी नहीं मिलता है। यह नल जल योजना को चलाने के लिए बिजली बहुत अनिवार्य है वह भी लगातार मिलनी चाहिए क्योंकि इसमें स्टोरेज वाला कांसेप्ट ही नहीं है।

ओवरफ्लो के पाइप का कार्य अधूरा होने से नही मिल रहा पानी-हीरालाल

नलचालक हीरालाल ठाकरे ने बताया कि नल जल में निस्तारीकरण चालू है १५ अगस्त २०२४ से यह पानी टंकी चालू की गई है। इसमें ओवरफ्लो का पाइप अधूरा है जिसे बंद कर दिया गया है अब टंकी भरती है तो ऊपर से ओवरफ्लो होता है। ३ फीट का पाइप इसमें और फ्लो का अंदर है मोटर हमेशा चालू रखनी पड़ती है। मोटर बंद नहीं कर सकते हैं २४ घंटे पंप चलता है ४०० घर को पानी देना होता है, परंतु एक बार में दो गली के करीब डेढ़ सौ मकान छूट जाते हैं। तो उन्हें शाम को पानी वितरण किया जाता है सुबह ६ से ११ बजे तक बस्ती में देते हैं। ग्राम के अंदर तीन से चार वाल खराब पड़े हुए हैं उसकी भी एक बड़ी समस्या है कुछ स्थान पर पाइपलाइन भी अधूरी है। यह बात सब ग्राम सरपंच के द्वारा संबंधित अधिकारी और ठेकेदार को बोल दिया गया है। अभी एक महीने पहले ठेकेदार ने पानी टंकी में गद्दू लगवाए हैं ठेकेदार के द्वारा इस प्रकार से पूरा काम चल रहा है।

ठेकेदार की लापरवाही से पानी के लिये जनता त्रस्त है- राजकुमार

सरपंच राजकुमार कावरे ने बताया कि यह जो पानी टंकी है वह करीब वर्ष २०२० में स्वीकृत हुई थी। उसके बाद बनी २०२२ में हम सरपंच बने तब तक कई बार इसका काम चालू हुआ बंद हुआ ।एक बार में पिलर दूसरी बार में जीना बनाकर फिर चले गए फिर आकर टंकी को पूरा किया। फिर भी कई बार लीकेज की समस्या आई अभी गणेश पूजा में ठेकेदार के द्वारा लीपा पोती कर पानी रिसाव बंद किया गया है परंतु अभी भी रिसाव हो रहा है। टंकी में पानी स्टोर नहीं होता है बिजली और मोटर की समस्या लगी हुई है, इस कारण से जनता को बहुत समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। हम बराबर पानी नहीं दे पा रहे हैं अभी हैंडोवर हमने योजना को लिया नहीं है क्योंकि काम अधूरा है। अधिकारियों को कहते हैं तो वह हो जाएगा कहते हैं पिछली बार मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बैठक कर सभी ठेकेदारों को निर्देश दिए थे। हमने भी अपनी समस्या रखे थे तो ६ महीने में इसे पूरा करने के लिए कहा था परंतु आज भी अधूरा है। ठेकेदार क्या करते हैं पता नहीं हम यही चाहते हैं की गुणवत्ता पूर्वक काम हो कोई समस्या ना हो गांव की जनता को पानी का वितरण किया जा सके।

महाविद्यालय में अंतर कक्षा स्तर युवा उत्सव का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शासकीय एसएसपी महाविद्यालय में म.प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार अंतर कक्षा महाविद्यालयीन स्तर युवा उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. एस एस गेडाम, वरिष्ठ प्राध्यापक सरिता कोल्हेकर,

डॉ. तृप्ति सोनवे, डॉ. पूर्णिमा कुमरे ,युवा उत्सव प्रभारी रक्षा निकोसे के द्वारा मॉ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जलन कर किया गया। युवा उत्सव में कलात्मक गतिविधियों के अंतर्गत पोस्टर, कार्टून, स्पॉट पेंटिंग, कोलॉज, क्ले मॉडलिंग, रंगोली आदि विधाओं में प्रतियोगिताऐं सम्पन्न हुई। साहित्यिक गतिविधियों के अंतर्गत वक्तृता, भाषण, वाद विवाद, प्रश्नमंच तथा सांस्कृतिक गतिविधियों में एकल गीत, समूह गीत, समूह नृत्य, माइम, मीमीक्री आदि गतिविधियॉ सम्पन्न हुई। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक प्रवीण पन्द्रे, हेमंत गणवीर, दोमदत्त सिंह, मोहनीश इडपाचे, सरिता नागवंशी, सविता सेनवार, श्रीमती हर्षिता मेश्राम, श्रीमती मोनिका सोनी, श्रीमती नंदिनी टेंभरे, दीपक कार्तिकेय, मनोज गजभिये, विनोद गजभिये, श्रीमती शिल्पा वासनिक, श्रीमती विभूति पुरोहित, श्रीमती विनिता देशमुख, श्रीमती मनीषा सहारे, श्रीमती रश्मिबाला पारधी, शिखा देवगीरकर, पराग पालेवार, आकांक्षा डोंगरे उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को प्राचार्य एस एस गेडाम के द्वारा प्रशस्ति पत्र भेंट किए गए। कार्यक्रम का मंच संचालन नरेन्द्र डोंगरे के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में युवा उत्सव प्रभारी रक्षा निकोसे के द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

वारा में न्यायोत्सव सेवा सप्ताह में जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत वारा के पंचायत भवन में १३ नवंबर को तहसील विधिक सेवा समिति के तत्वाधान में न्यायोत्सव सेवा सप्ताह के अंतर्गत विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अध्यक्ष प्रणेश कुमार प्राण ,न्यायाधीश सचिव सतीश शर्मा के कुशल मार्गदर्शन तहसील विधिक सेवा समिति के निर्देश एवं द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड ऋषभ डॉनल सिंह की अध्यक्षता में प्रारंभ किया गया। जिसमें न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह अंतर्गत न्याय की पहुंच हर अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित करने के संकल्प के साथ विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में न्यायाधीश श्री सिंह के द्वारा उपस्थित ग्रामीण जन को बताया कि विधिक साक्षरता से आशय जनता को कानून से संबंधित सामान्य बातों से परिचित कराकर उनका सशक्तिकरण करना है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम बाल श्रम के विरूद्ध कानून पाक्सो एक्ट साइबर सुरक्षा सड़क सुरक्षा व यातायात नियम सोशल मीडिया संबंधित अपराधों से कैसे बचें । नि:शुल्क विधिक सहायता घरेलू हिंसा एवं भरण पोषण अधिनियम संबंधी जानकारियां विस्तार पूर्वक उपस्थित ग्रामीणजन को देकर विधिक रूप से साक्षर किया गया। इस अवसर पर सरपंच सूर्यभान सिंह पुसाम, सचिव झनकलाल बिसेन ,रोजगार सहायक श्रीमती भावना , रेमन हेड़ाउ ,रामकिशोर जावरे ,श्रीमती अनिता डोंगरे सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

श्री लोधी महासभा वारासिवनी के द्वारा सुरभि सुलाखे का किया सम्मान

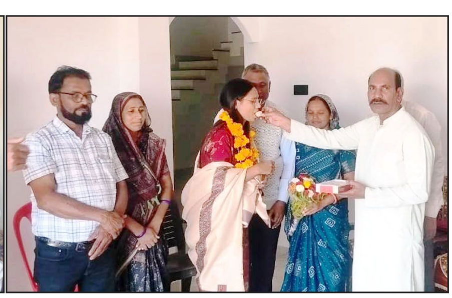

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। गुरुवार को श्री लोधी महासभा वारासिवनी के पदाधिकारियों के द्वारा खैरलांजी विकासखण्ड के ग्राम भेण्डारा निवासी श्यामलाल सुलाखे की सुपुत्री सुरभी सुलाखे का चयन नायब तहसीलदार के पद पर होने पर श्री लोधी महासभा वारासिवनी के अध्यक्ष मोतीराम नगपुरे ,कार्यकारी अध्यक्ष मानिक भाऊ नगपुरे ,ब्लॉक उपाध्यक्ष अजीत नगपुरे ,राजकुमार लिल्हारे , पी एल लिल्हारे , संतोष मोहारे सहित अन्य सभी के द्वारा नवनियुक्त लोधी समाज की बेटी सुरभी सुलाखे को उनके निवास भेण्डारा पहुंचकर शाल श्रीफल ,विरांगना लोधी रानी अवंतीबाई की छायाप्रति एवं प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

मधुमक्खी के हमले से आकाश घायल अस्पताल में उपचार जारी

पद्मेश न्यूज ।वारासिवनी । वार्ड नंबर १० निवासी आकाश कलाईत १३ नवंबर को मधुमक्खी के हमले से गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना उस दौरान हुई जब वह चौक से कहीं जा रहा था। घटना के बाद युवक को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसका उपचार जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आकाश पिता उमाशंकर कलाईत वार्ड नं.१० निवासी है। जिसके घर से महज कुछ दूरी पर गांधी चौक स्थित है। जहां प्रतिदिन अनेको लोगों का आना जाना लगा रहता है ,ऐसे ही गांधी चौक में १३ नवंबर की सुबह से सब ठीक चल रहा था। लोग अपने कार्यों में व्यस्त थे आकाश कलाईत चौक से कहीं जा रहा था। तभी राम मंदिर की तरफ स्थित विशालकाय वृक्ष की ओर से मधुमक्खी का झुंड आया और गांधी चौक पर खड़े आकाश कलाइत पर हमला कर दिया। इस दौरान मधुमक्खियों के द्वारा युवक के हाथ पैर सर चेहरे गर्दन जैसे शरीर के विभिन्न स्थानों पर काट लिया गया। इस दौरान उक्त युवक मौके से जान बचाकर भागा और तत्काल सुरक्षित स्थान पर पहुंचकर अपने परिवार के लोगों को घटना की जानकारी दी। जिसमें परिजनों के द्वारा उसे तत्काल सिविल अस्पताल में लाकर भर्ती किया गया। जहां पर डॉक्टर के द्वारा युवक के शरीर से मधुमक्खी के कांटे निकाल कर उपचार प्रारंभ किया गया उसका अस्पताल में उपचार जारी है। विदित हो कि यह मधुमक्खी के हमले की पहली घटना नहीं है अभी बीते दो महीने से लगातार नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न स्थानों पर मधुमक्खी के द्वारा अचानक हमले किए जा रहे हैं। जिसमें लोगों को गंभीर रूप से घायल होना पड़ रहा है तो वह इस दौरान कुछ व्यक्तियों को बेहतर उपचार के लिए जिला चिकित्सालय भी भेजा जा रहा है। ऐसे में इस प्रकार यह मधुमक्खी के हमले करने की घटना चिंता जनक प्रतीत हो रही है। इस दौरान वर्तमान तक इस प्रकार हो रहे मधुमक्खी के हमले का कारण अज्ञात बना हुआ है।

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

संपादकीय

मौत बेचने की हड़बड़ी में बेनकाब सोशल मीडिया

गत 11 नवंबर को परिवार के बार-बार खंडन करने के बावजूद मौत बेचने को बेकरार टीवी और सोशल मीडिया ने जिस तरह बीते जमाने के सुपरस्टार धर्मेंद्र की मौत की झूठी खबरें चलाई, वह इस तीव और आधुनिक मीडिया की फूहड़ता और अनैतिक अधीरता का सबसे बड़ा नमूना था। 'धर्मेंद्र चले गए', 'नहीं रहे बॉलीवुड के पहले ही-मैन' जैसी ब्रेकिंग न्यूज जिस तरह लगातार करीब 1,000 वेबसाइटों और दर्जनों टीवी चैनलों में बार-बार आती रही वह न सिर्फ अपमानजनक, हास्यास्पद बल्कि बेहद डरावनी थी. एक जमाने में कहा जाता था कि मीडिया समाज का आईना है. मगर तीवता के नाम पर टीवी और डिजिटल मीडिया झूठ को चमकाकर आईना बना देने पर तुले हैं. सोशल मीडिया जो शुरुआत में जनता की आवाज कहलाता था, आज लाइक्स और सब्सक्रिप्शन पाने की होड़ में किसी भी हद तक गिर सकता है, यहां संवेदना नहीं, सनसनी बिकती है. धर्मेंद्र की मौत की 11 नवंबर को जिस तरह पूरे दिन झूठी खबरें चलाई गई, वह क्लिक और व्यूज के खतरनाक और बेहिचक आपराधिक नजरिए का नमूना है. डिजिटल मीडिया में खबर से ज्यादा जरूरी है, सबसे पहले होना. धर्मेंद्र के निधन की अफवाह इसी होड़ की हड़बड़ी का नतीजा है। लाइक्स पाने की होड़ में किसी भी हद तक गिरना है। आज का टीवी और डिजिटल मीडिया जल्दी से जल्दी अपने सुपरहीरो की लोकप्रियता का फायदा, अपने व्यासायिक हितों के तौर पर करना चाहता है. आज का डिजिटल और टीवी मीडिया सबसे आगे निकलने की होड़ में और किसी चीज की परवाह नहीं करता, फिर चाहे वह किसी की प्रतिष्ठा ही क्यों न हो. इसलिए बीते दिन विभिन्न टीवी चैनलों और लाइव टेलीकास्ट करने वाली मीडिया एजेंसियों ने जिस तरह से बार-बार धर्मेंद्र की मौत की ब्रेकिंग न्यूज दी, वह सिचुएशन को अपने पक्ष में भुनाने की कोशिश का हिस्सा है। सोशल मीडिया पर चंद मिनटों में लाखों लाख जिस तरह से धर्मेंद्र की मौत के पेज निर्मित हो गए और उन्हें अभिनेता के लिए झूठी संवेदनाओं से रंग दिए गए, वह बेहद खतरनाक है. कुछ मीडिया चैनल और न्यूज पोर्टल धर्मेंद्र की पत्नी हेमा मालिनी और बेटी ईशा देओल के इस स्पष्टीकरण के बावजूद कि धर्मेंद्र की हालत स्थिर है और वह इलाज को उचित रिस्पांस दे रहे हैं, इसके बावजूद डिजिटल मीडिया में शाम तक धर्मेंद्र के न रहने की खबरें आती रहीं. कुछ ने तो बड़े-बड़े श्रद्धांजलि वीडियो भी दिखा दिए, जब खुद धर्मेंद्र ने कैमरा के सामने आकर मुस्कुराते हुए कहा, भाई अभी तो जिंदा हूं, तब कहीं जाकर यह तेज और दिखाऊ मीडिया शांत हुआ. वास्तव में सोशल मीडिया इस व्यवसाय का सबसे सस्ता संस्करण बन चुका है, जो मौत को महज एक बेहतर और सनसनीखेज कंटेंट मानती है. इसके पहले भी सोशल मीडिया और टीवी मीडिया दिलीप कुमार और लता मंगेशकर की मौतों का तमाशा बना चुकी हैं. अमिताभ बच्चन और रजनीकांत जैसे लोकप्रिय कलाकारों की मौत की ब्रेकिंग खबरें बनाकर बेशर्मी से दोनों हाथ कमाई कर चुकी हैं. दिन पर दिन जिस तरह से सोशल मीडिया हर भावनात्यक मुद्दे को भुनाने के फिराक में अफरा-तफरी मचाने बाज नहीं आता, इससे पता चलता है कि आने वाले दिनों में किस तरह आधुनिक मीडिया भावनाओं की लाशों पर एंगेजमेंट का कारोबार बनकर रह जाएगा. धर्मेंद्र बॉलीवुड के बहुत से अभिनेताओं में से एक नहीं हैं, वह बॉलीवुड के सबसे मानवीय चेहरों में से एक हैं. गांव की मिट्टी और मासूम सपनों को लेकर मुंबई पहुंचे धर्मेंद्र ने अपनी इन्हीं खूबियों के चलते हिंदी सिनेमा को अपना दीवाना बना लिया, 1960 के रोमांटिक दौर में 'फूल और पत्थर' जैसी फिल्मों में जिस नायकत्व की परिभाषा गढ़ी, वह न तो शुद्ध 'माचो' थी और न ही केवल रोमांस का एक पक्ष थी. ऐसे हीरो का देश के घर-घर का चहेता होना ही था. इसलिए धर्मेंद्र की इज्जत न सिर्फ 60-70 और 80 के दशक की फिल्म देखने वाली पीड़?यों में है बल्कि उन पीढ़ीं में भी धर्मेंद्र की विराट अभिनय क्षमता के लिए सम्मान है, जिसने उन्हें पढ़ें में गहन इंतजार के बाद नहीं देखा बल्कि मनोरंजन के क्रम में देखा है. यह पीढ़ी भी धर्मेंद्र की बहुस्तरीय प्रतिभा का एहसास करती है और रोमांचित रहती है।

> कुछ मीडिया चैनल और न्यूज पोर्टल धर्मेंद्र की पत्नी हेमा मालिनी और बेटी ईशा देओल के इस स्पष्टीकरण के बावजूद कि धर्मेंद्र की हालत स्थिर है और वह इलाज को उचित रिस्पांस दे रहे हैं, इसके बावजूद डिजिटल मीडिया में शाम तक धर्मेंद्र के न रहने की खबरें आती रहीं।

सच्चाई की लौ कभी बुझती नहीं

मृत्यु अंत नहीं, बल्कि आत्मा की आजादी का ऐसा पल है, जब चेतना शरीर की सीमाओं से निकलकर उस सच्चाई की ओर बढ़ती है, जहां वह अनंत में मुक्त हो जाती है।

सुकरात वह व्यक्ति थे, जिन्होंने दर्शन को स्वर्गीय कल्पनाओं से मुक्त कर धरती पर उतारा और उसे मनुष्य के जीवन, उसके नैतिक संघर्षों और आत्मा की सच्चाई के बीच स्थापित किया। उनसे पहले यूनानी विचार जगत ब्रह्मांडीय उलझनों में भटका करता था-जैसे संसार किससे बना है, वह ऊपर क्यों टिका है, देवताओं की संरचना कैसी है। लेकिन युद्ध और अराजकता के बीच भी सुकरात ने मानव जीवन के सार पर प्रश्न उठाए कि वह श्रेष्ठ जीवन क्या है, जिसे जीने योग्य कहा जा सके? जब अन्यायी व्यक्ति अधिक लाभ पाता है, तब भी मनुष्य को नैतिक क्यों बने रहना चाहिए? सुख क्या केवल इच्छाओं की तृप्ति है, या फिर वह पुण्य है, जो आत्मा को निर्मल करता है? वह एक ऐसे इन्सान थे, जो अहंकार से रहित, पूर्वाग्रहों से मुक्त, जो प्रत्येक सत्य के स्त्रोत से ज्ञान का रस ग्रहण करने को तत्पर रहते थे। पर जब उन्होंने समाज को समीप से देखा, तो पाया कि अधिकतर मनुष्य अपने ही दंभ और मिथ्या ज्ञान से इतने भरे हैं कि सत्य के लिए स्थान ही नहीं बचा। सुकरात उन सभी भ्रमों को तोड़ते हैं, जिन पर मनुष्य अपना अस्तित्व टिका मानता है-प्रतिष्ठा, मान्यताओं और असत्य विचारों का महल। और जब उन्होंने जनता के सामने यही सत्य रखा, तो वही समाज, जो अंधकार में रहने का अभ्यस्त था, उसकी रोशनी से झुंझला उठा। परिणामस्वरूप, सत्य की अपनी निष्ठा की कीमत सुकरात ने मृत्यु के रूप में चुकाई। उन्हें युवाओं को भ्रमित करने का अपराधी कहा गया, और विषपान का आदेश दिया गया। किंतु जिस शांति और गरिमा से उन्होंने अपने अंत को स्वीकार किया, वही उनकी शिक्षाओं का अंतिम प्रमाण थी। जहां सामान्य मनुष्य मृत्यु से भयभीत होता है, वह मुस्कराते हुए अपने मित्रों के बीच दर्शन पर चर्चा कर रहे थे। सुकरात के लिए मृत्यु अंत नहीं थी, बल्कि आत्मा की आजादी का वह पल था, जब चेतना शरीर की सीमाओं से निकलकर उस सच्चाई की ओर बढ़ती है, जहां वह अनंत में मुक्त हो जाती है। सुकरात सिखाते हैं कि जब तक मनुष्य में प्रश्न पूछने का साहस, सत्य को खोजने की ईमानदारी, और अपनी अज्ञानता को स्वीकार करने की विनम्रता बनी रहती है, तब तक उसका मन भटकेगा नहीं और आत्मा के भीतर एक ऐसी प्रसन्नता उत्पन्न होगी, जो समय, मृत्यु और भ्रम से परे है।

- सिसरो

बिहार के गांव, जिनमें नहीं दिखते हैं पुरुष

जहानाबाद के नसरत गांव में हर जगह केवल महिलाएं दिखाई देंगी। शादी के तुरंत बाद पुरुष काम के लिए घर छोड़ देते हैं। जूली देवी की शादी वर्ष 2017 में अनिल कुमार से हुई। अगले ही महीने अनिल बेंगलुरु चले गए। जहां वह इलेक्ट्रीशियन का काम करते हैं।

बिहार में रोजगार की तलाश में आप्रवासनआम बात है। दिल्ली, महाराष्ट्र, हरियाणा, पंजाब और दक्षिण भारत इलाकों में काम करने वाले मजदूरों में बिहार के पुरुषों की संख्या काफी ज्यादा है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार लगभग 74 154 लाख लोग बिहार से बाहर काम करने जाते हैं।

जहां प्रवास पुरुषों के लिए आर्थिक अवसर लाता है। वहीं महिलाओं पर भी इसका काफी ज्यादा असर पड़ता है। नसरत जैसे बिहार के ऐसे सैकड़ों गांव हैं जहां पति अपनी पत्नियों को गांव में ही छोड़गए हैं। वे केवल छठ जैसे पर्व या किसी विशेष अवसर पर ही घर लौटते हैं।

मजदूरों के तौर पर होता है शोषण

नसरत पटना से केवल 50 किलोमीटर दूर है। गांव में महिलाएं अपने पतियों के भेजे पैसों से घर चलाती हैं। यहां एक किराना दुकान है। इस दुकान में लगभग हर महिला का उधार खाता चलता है। क्योंकि घर के खर्च भेजे गए पैसों से पूरे नहीं होते।

पति के बिना अकेली महिलाओं पर काम का बोझ भी बढ़ जाता है। जूली के पति महीने का पंद्रह हजार रूपए कमाते हैं। हर महीने वह दस हजार रूपए घर भेजते हैं। जूली बताती हैं कि बच्चों की पढ़ाई, सास-ससुर की देखभाल और पूरा घर संभालने की जिम्मेदारी उन्हीं की है।

जूली ने डीडब्लू से बातचीत में कहा, 'दस हजार रुपये में पांच लोगों का खर्च नहीं चलता। बच्चे की पढ़ाई और सास की दवाई का खर्च बहुत होता है। घर चलाने के लिए हर महीने कम से कम बीस हजार रूपए चाहिए। देवर और ननद पढ़े-लिखे हैं, पर नौकरी नहीं मिल रही। इसलिए मुझे ही घर से बाहर जाकर कुछ पैसे कमाने पड़ते हैं।

जूली कहती हैं कि जब कोई महिला अकेली होती है, तो खेत के जींदार उसका फायदा उठाते हैं। महिलाएं अपने हक या सही मजदूरी की मांग नहीं कर पातीं। उन्हें डर रहता है कि अगर कुछ बोलेंगी तो काम छिन जाएगा। गांव में खेती के काम के अलावा महिलाओं के पास कमाई करने का और कोई विकल्प भी नहीं है।

जूली कहती हैं, 'मैं और मेरी सास दोनों खेत में दिनभर काम करते हैं। सुबह 9 बजे निकलते हैं। शाम 6 बजे तक खेत में ही रहते हैं। इतने लंबे काम के बदले हमें सिर्फ सौ रुपये मिलते हैं। जबकि मदों को तीन सौ रुपये दिए जाते हैं। सब मालिक ऐसा ही करते हैं। अगर हम कुछ कहें, तो फिर हमें काम ही नहीं मिलेगा।'

पति से दूर रहने वाली जितनी भी महिलाओं से हमने बाद की, उन्होंने इस मसले पर दुख जाहिर किया। जूली के पति साल में सिर्फ एक बार, जनवरी में घर आते हैं और होली के बाद फिर बेंगलुरु लौट जाते हैं।

उदास चेहरे के साथ जूली कहती हैं, 'जब पति साथ होते हैं, काम बांटने में आसानी होती है। अपने सुख-दुख साझा कर सकते हैं। बच्चों की परवरिश बेहतर होती है। उनके बिना मेरा ख्याल रखने वाला कोई नहीं है। अगर मैं बीमार हो जाऊं तो डॉक्टर के पास खुद ही जाती हूं, दवा लेती हूं और ठीक होते ही फिर काम पर लग जाती हूं। अब तो बस फोन पर ही उनसे बात होती है। छठ जैसे त्योहारों पर उनके बिना बहुत खालीपन महसूस होता है।'

गांव में महिलाओं को यह डर भी रहता है कि अगर उनके पति वापस ना लौटे तो ? कई राज्यों में बिहार के आप्रवासियों पर होने वाले हमले और मारपीट की खबरें इन्हें परेशान करती हैं। जूली बिहार के गांवों से पलायन कोई नई बात नहीं है। लेकिन ये कहानी सिर्फ रोजगार से ही नहीं, बल्कि उन महिलाओं से भी जुड़ी है जो पार्टनर के बिना रहने को मजबूर हैं। कहती हैं कि नीतीश सरकार ने कुछ नहीं किया। वो कहती हैं, 'अगर गांव में कंपनियां होतीं, तो यह सवाल ही नहीं उठता कि पति के बिना हम कैसे रहें।'

कर्ज और उधार के बोझ तले महिलाएं

गांव में कई महिलाओं ने अपनी बेटी की शादी या पशु खरीदने के लिए उधार लिया है। अब उसे चुकाने की जिम्मेदारी उनकी अकेले की है। सुनैना देवी के पति चेन्नई में मजदूरी करते हैं। महीने का पांच से दस हजार घर भेजते हैं। सुनैना कहती हैं, 'पिछले दो महीने से वो भी नहीं आ रहा।'

नीतीश सरकार ने चुनाव से कुछ ही दिन पहले बिहार ग्रामीण आजीविका परियोजना से जुड़ी जीविका दीदी योजना शुरू की है, जिसके तहत बिहार में महिलाओं के बैंक अकाउंट में दस हजार रूपए ट्रांसफर किए जाते हैं। सुनैना को भी इसका लाभ मिला है। पर इन गांव में कई महिलाएं ऐसी हैं जो शादी, बीमारी, इलाज या खेती-बाड़ी के लिए माइक्रोफाइनेंस कंपनियों से कर्ज लेती हैं। सुनैना ने भी कर्ज लिया हुआ है। गांव में औसतन हर महिला पर बीस हजार रूपए तक का कर्ज बकाया है। ये कंपनियां आम तौर पर सालाना 20 से 30 प्रतिशत की दर से ब्याज वसूलती हैं।

सुनैना बताती हैं, 'पिछले साल बेटी की शादी में छह लाख रूपए लोन लिया था। वो अभी चुकाना बाकी है। जीविका के पैसों से गाय खरीदी है। इसकी कीमत 12 हजार रूपए पड़ी। इसके लिए दो हजार रूपए उधार लिए। महिलाएं जब उधार लेती हैं, तो व्याज ज्यादा लिया जाता है। हमारे परिवार पर कर्ज बढ़ गया है और अभी तीन बच्चों की शादी करनी है। मैं खेतों में मजदूरी कर कुछ पैसा कमा लेती हूं। लेकिन इतना काफी नहीं है। मेरे पति अब विदेश जाकर काम ढूंढने की तैयारी कर रहे।'

ऐसे गांव में नहीं करेंगे बेटी की शादी

सुनैना और जूली की तरह फरहाना फिरदौसी भी बिना पति के दिन गुजार रही हैं। उनके पति जहीर अंसारी साल में सिर्फ एक बार घर आते हैं। बाकी समय मुंबई में रहते हैं। वह धारावी की एक लेदर फैक्ट्री में पर्स बनाने का काम करते हैं। बिहार में रोजगार ना होने के कारण उन्हें रोजगार के लिए मुंबई में रहना पड़ता है।

घर पर फरहाना को अपने छह बच्चों की जिम्मेदारी अकेले संभालनी पड़ती है। जहीर हर महीने दस से बीस हजार रुपये तक कमा लेते हैं। लेकिन अब उनकी तबीयत ठीक नहीं रहती। जिससे उनके लिए काम करना मुश्किल होता जा रहा है।

फरहाना का मानना है कि बिहार में काम निश्चित नहीं है। आज फैक्ट्री खुली, कल बंद हो जाएगी। फिर बिहार में रोज की दिहाड़ी का काम ज्यादा है। जबकि मुंबई में एक जगह साल भर काम मिल जाता है। आंकड़े भी यही बताते हैं। ग्रामीण इलाकों में औपचारिक रोजगार बहुत कम हैं। राष्ट्रीय औद्योगिक सर्वेक्षण (2024-25) के अनुसार बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग कोई कारखाना नहीं है।

फरहाना कहती हैं, 'रात के समय डर लगता है। अगर किसी की अचानक तबीयत खराब हो जाए, तो बहुत परेशानी होती है। मेरा छोटा बेटा एक बार तेज बुखार में था। लेकिन मैं रात को अकेले उसे अस्पताल नहीं ले जा सकती थी। हमें सुबह तक परेशान रहना पड़ा। पति होते तो वह बच्चे को तुरंत अस्पताल ले जाते। हम चाहते हैं कि सरकार बिहार में ही रोजगार दे और गांव का विकास करे।'

फरहाना की बेटी 15 वर्ष की है। घर के कामकाज में वो उनकी मदद करती है। फरहाना नहीं चाहती कि बेटी का विवाह ऐसे किसी गांव में हो। वो कहती हैं, 'मैं नहीं चाहती कि जो मुश्किलें मैंने अपने पति के बिना झेली हैं, वही मेरी बेटी को भी सहनी पड़ें। जिनका पति बाहर रहता है, वे बहुत परेशानी में रहती हैं। बेटी की शादी ऐसे लड़के से करूंगी जो परिवार के साथ रहे।'

सुनैना, जूली और फरहाना का जीवन बिहार की हजारों महिलाओं का दर्द बयां करता है। सरकार ने उद्योगों को लुभाने के लिए कई विशेष आर्थिक पैकेज की घोषणा की है। लेकिन ग्रामीण इलाकों में अब भी बड़े उद्योगों की बजाय खेती और अस्थायी काम ही ज्यादा है। महिलाएं उम्मीद करती हैं कि नई सरकार गांवों में ही कंपनियां और फैक्ट्रियां स्थापित करे। ताकि उनके पतियों को काम के लिए घर से दूर ना जाना पड़े।

-साभार डॉयचेवैले

-शिवांगी सक्सेना, याकूत अली

थकते कदमों के लिए सोचने का समय

धरती पर जीवन के पदार्पण होते ही वह कई चरणों में अपनी यात्रा की शुरुआत कर देता है। शैशवास्था, बाल्यावस्था, तरुणावस्था, युवावस्था, प्रौढ़ावस्था और अंत में वृद्धावस्था के दौर में मानव मन कई अनुभूतियों और कार्यों से अपने को संलिप्त रखने को विवश है। बचपन के बाद तरुण काल में उसे विद्यालय के प्रांगण आमंत्रित कर लिया जाता है। जीवन निर्माण के उद्देश्य में व्यक्ति आगे की कड़ियों से तादात्म्य स्थापित करते हुए अध्ययन, व्यवसाय, खेती-गृहस्थी, नौकरी और अन्य प्रकल्पों की पूर्णता के बाद एक महत्त्वपूर्ण पड़ाव पर आकर ठहर जाता है, जब वह अपने सभी बुनियादी दायित्वों से भी आजाद हो जाता है। इस क्रम में पुत्री-पुत्र की शादी के बाद नवदंपति के लिए नूतन घर गृहस्थी के नए आयाम प्रकट होते हैं। जीवन के उत्तरार्ध काल में माता-पिता जब अपनी जिम्मेदारियों से मुक्त होते हैं, तब उनके पास अपनी एक सक्रिय दिनचर्या नहीं होती।

इस दौर में परिवार के सदस्य शिशु के आगमन की बाट जोहते है और जब यह घड़ी आ जाती है तो बच्चे के माता-पिता के साथ उसके दादा-दादी, नाना-नानी के जीवन में आनंद की लहरें उफान पर होती हैं। इस स्थिति में बुजुर्गों की दुनिया पूरी तरह परिवर्तित होते दिखती है। मासूम की मुरकान और उसे अपनी गोद में लेकर स्नेह सिंचित करने का पल बुजुर्गों को नैसर्गिक सुख की अनुभूति से लबालब भर देता है। धीरे-धीरे शिशु अपनी उम्र के उस मोड़ पर आ जाता है, जब वह अपने पैरों पर खड़ा होना, ठुमकते हुए चहलकदमी करना कुछ बुदबुदाना और घर के सभी सदस्यों को पहचानने की अल्प समझ से जुड़ता है। माता-पिता के साथ बिताए पलों के बाद बच्चे का शेष समय उसके नानी-दादी, दादा-नाना के साथ अधिक बीतता हैं। ये लोग भी बड़ी आतुरता से प्रतीक्षा करते हैं कि कब उन्हें नन्हे बच्चे को अपने पास रखने का मौका मिले।

कई बाल मनोवैज्ञानिकों के अनुभव का सारांश है कि बुजुर्ग जब अपने पोते-पोती, नाती-नतिनी की बाल्यावस्था की गतिविधियों से बंध जाते हैं, तो उनकी उम्र बढ़ने की गति कम होने लगती है। वे आत्मिक संतुष्टि और सुख के दृश्यों को जब नित्य जीते हैं, तो उनकी प्रसन्नता के सूचकांक में अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज होती है। इस अवस्था में वे अपने स्वास्थ्य की छोटी-मोटी समस्याओं को भूल जाते हैं, क्योंकि उनका चरम लक्ष्य बच्चों के साथ समय बिताना तय है। यह घड़ी उन्हें अकेलेपन से राहत दिलाते हुए खुश रखती है। बच्चों के साथ बुजुर्गों के भावनात्मक लगाव के कुछ अन्य सकारात्मक लाभ भी मिलते हैं, जैसे जीवन के अन्य सांसारिक कार्यों से मुक्त होकर वे स्वच्छंद वातावरण में बिल्कुल स्वतंत्र महसूस करते हैं। इससे उनकी प्रसन्नता और उत्साह में वृद्धि करने वाले हार्मोन एकल परिवार की बहुलता के कारण बहुत से घरों में बुजुर्ग अकेले भी हैं, जिन्हें समय बिताना कठिन हो जाता है। बुजुर्ग दंपति तो आपस में कुछ बोल-बतिया कर समय काट भी लेते हैं, लेकिन जिस घर में बुजुर्ग सिर्फ अकेले हो गए हैं, उन्हें एकाकीपन और निष्क्रियता घेर लेती है। बढ़ती उम्र का तकाजा है कि बुजुर्गों के शरीर में कुछ न कुछ व्याधियां प्रवेश कर जाती हैं, जिसमें प्रमुख हैं-मधुमेह, रक्तचाप, कैल्शियम की कमी। इस कारण से वे अपने रोग के निदान के लिए अधिक चिंतित हो जाते हैं, लेकिन जब उनके पोते-पोती, नाती-नतिनी अपने कदमों में गति भरने लगते हैं तो उन्हें सहारे की जरूरत होती है, जिसका मूल आधार बुजुर्ग बनते हैं।

बच्चों के साथ अधिक समय बिताने के फलस्वरूप बुजुर्गों का अधिक चलना-फिरना हो जाता है। घर के आंगन या आसपास किसी उद्यान में बच्चों को ले जाकर उसके साथ खेलना, उसके पीछे अपनी गति में दौड़ने जैसी अन्य गतिविधियां उन्हें सक्रिय रखती है। शाम के समय बच्चों को कहानियां सुनाने और कभी-कभी अपने हाथों से उन्हें खाना खिलाने से बच्चे बुजुर्गों की ओर आकर्षित रहते है। कभी गांव में बुजुर्ग बच्चों को अपनी पीठ और कंधों पर बिठाकर कुछ देर घुमा दिया करते थे, जबकि दोनों घुटनों पर उन्हें सवार कर झुला झुलाने (घुघा-मामा) से बच्चों का मधुर मनोरंजन हुआ करता था। इस प्रक्रिया से बुजुर्गों को लाभप्रद व्यायाम हो जाता था।

बच्चों की देखभाल में सम्मिलित लोग अन्य बुजुर्गों की तुलना में कम सुस्त होते हैं। यह सक्रियता बुजुर्गों के शारीरिक वजन को नियंत्रित करते हुए उनके स्वास्थ्य को ठीक रखते हैं। अकेलेपन के शिकार अधिकतर बुजुर्ग अक्सर गैरजरूरी विषयों की चिंतन की गंभीरता के चलते मानसिक अवसाद के शिकार हो जाते हैं। बच्चों के साथ उनकी रोचक सहभागिता इस रोग से रक्षा करती है। आज की भौतिक भागदौड़ में अधिकांश बुजुर्ग अनिद्रा से पीड़ित होते हैं, लेकिन जब वे बच्चों की किलकारियां सुनते हैं, उसकी मधुर मुस्कान देखते हैं, उनके साथ खेल-खेल में अपना अधिक समय व्यतीत करते हैं, तो उन्हें भरपूर नींद भी आती है और वे रोज सुबह तरोताजा महसूस करते हैं। एकल परिवार की बहुलता के कारण बहुत से घरों में बुजुर्ग अकेले भी हैं, जिन्हें समय बिताना कठिन हो गया है। बुजुर्ग दंपति तो कुछ आपस में बोल-बतिया कर समय काट भी लेते हैं, लेकिन जिस घर-आंगन में बुजुर्ग सिर्फ अकेले हो गए हैं, उनके पुत्र-पुत्री साल में एक दो बार आते हैं और वे अपने माता-पिता को कई कारणों से साथ रख नहीं पाते। ऐसे बुजुर्गों के जीवन को एकाकीपन और निष्क्रियता घेर लेती है। उनकी मानसिक व्यथा के घनत्व में अधिक वृद्धि तब दिखती है जब पर्व-त्योहार में उनकी संतान दो-चार दिन के लिए भी घर नहीं आ पाते। आज की युवा पीढ़ी को इस संदर्भ में विशेष चिंतन-मनन करना चाहिए, क्योंकि वे भविष्य में वरिष्ठ नागरिक की श्रेणी में जब आएंगे, तब तक पूर्वजों द्वारा संकल्पित ताने-बाने बिखरने का संकट खड़ा हो सकता है। इसलिए समय रहते अकेलेपन में जी रहे बुजुगों के कदमों में गति कायम रखने की हर कोशिश की जाए। शायद इस चेष्टा का फल यह हो कि हमारे बुजुर्गों की जिजीविषा जीवंत हो उठे।

- अशोक कुमार

जन्मदिन विशेष

बचपन के रंगों में रचा-बसा था नेहरू जी का जीवन दर्शन

भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू की शख्सियत से भला कौन परिचित नहीं होगा। बच्चों से उन्हें इतना लगाव था कि उन्हें प्यार से 'बच्चों के प्यारे चाचा नेहरू' कहा जाने लगा था। अपने कोट की जेब पर हमेशा प्रेम का प्रतीक गुलाब का फूल लगाए रहने वाले जवाहरलाल नेहरू बच्चों से इतना स्नेह करते थे कि आज भी वह देश के प्रथम प्रधानमंत्री से पहले 'चाचा नेहरू' के रूप में ही अधिक याद किए जाते हैं। बच्चों के प्रति पंडित नेहरू के इस विशेष लगाव को देखते हुए ही सन् 1956 से उनके जन्मदिन को 'बाल दिवस' के रूप में मनाने का निश्चय किया गया था और तभी से पंडित नेहरू का जन्मदिवस (14 नवंबर) बाल दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। जब उनके जन्मदिवस को 'बाल दिवस' के रूप में मनाने का निश्चय किया गया था, तब नेहरू जी ने कहा था, "मुझे इस बात की बेहद खुशी है कि मेरे देश के बच्चों ने मेरे जन्मदिन को ही 'अपना दिन' बना लिया है। इससे ज्यादा इज्जत और खुशी की बात भला मेरे लिए और क्या हो सकती है कि मेरे मुल्क के बगीचे के इन कोमल फूलों और कोंपलों ने मुझे अपना इतना स्नेह दिया है। मेरी यही कामना है कि इन सबको फलने-फूलने का पर्याप्त अवसर मिले।"

पं. जी के जीवनकाल के अनेक ऐसे संस्मरण एवं किस्से उद्धृत किए जा सकते हैं, जो उनकी महान् शख्सियत और बच्चों के प्रति उनका अपार स्नेह बयान करते हैं। एक बार नेहरू जी बाल मंदिर देखने गए थे, जहां तीन से पांच साल तक के बच्चे पढ़ते थे। उस समय सभी बच्चे नाच-गाने में मग्न थे। जब पंडित जी वहां पहुंचे और दूर बैठकर बच्चों का नाच-गाना देखने लगे तो एक चार वर्षीया बालिका उनके पास आई और बड़े अनुरोधपूर्वक कहा कि आप भी हमारा साथ दीजिए। पहले तो पंडित जी काफी ना-नुकूर करते रहे। उन्होंने बच्चों को यह कहकर बहलाने का प्रयास भी किया कि इस बार तो नहीं लेकिन अगली बार तुम्हारे साथ जरूर नाचूंगा लेकिन जब उस बच्ची ने जिद पकड़ ली तो आखिर पंडित जी को उस छोटी सी बच्ची के आगे झुकना पड़ा और इतने विशाल देश के प्रधानमंत्री होते हुए भी उन बच्चों की खुशी के लिए उनके साथ वे बच्चा बनकर नाचे।

जब दीवाली का मौका होता तो वे अपने नाती राजीव और संजय के बाल मित्रों को आनंद भवन बुलाते और उनके साथ दीवाली मनाते हुए कहते कि बच्चों आतिशबाजी चलाकर दीपावली मनाओ और खुशियां बांटो। जो बच्चे पटाखे चलाते हुए डरते, उन्हें कहते कि जो बच्चे इन छोटे-छोटे पटाखों से ही डर जाएंगे, वे आगे चलकर देश के बहादुर सिपाही कैसे बनेंगे? कभी-कभी वह इलाहाबाद में दीवाली की रात बाहर का नजारा देखने निकल पड़ते और रास्ते में गरीब बच्चों को भी मिठाईयां, नए कपड़े और पटाखे देते हुए उनके साथ पटाखे चलाने लगते।

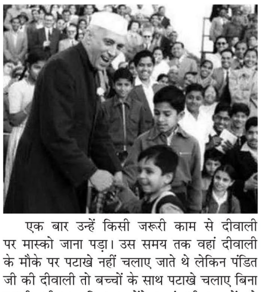

एक बार उन्हें किसी जरूरी काम से दीवाली पर मास्को जाना पड़ा। उस समय तक वहां दीवाली के मौके पर पटाखे नहीं चलाए जाते थे लेकिन पंडित जी की दीवाली तो बच्चों के साथ पटाखे चलाए बिना अधूरी थी। इसलिए उन्होंने वहां भी बच्चों से पटाखे मंगवाए और काफी बच्चों को एकत्रित कर उनके साथ पटाखे चलाने लगे। वहां के बच्चे पटाखों की रंग-बिरंगी रोशनी और धूमधड़ाके से बहुत प्रभावित हुए और खुशी से झूम उठे। उसके बाद से मास्को में भी हर साल दीवाली के मौके पर पटाखे चलाने का दौर शुरू हो गया।

नेहरू जी छोटे थे, तब की एक घटना है। एक बार मैदान में कुछ बच्चे गेंद से खेल रहे थे। खेलते-खेलते गेंद उछलकर लकड़ी के एक खोल में जा गिरी। खोल का मुंह छोटा था, इसलिए बच्चों से बहुत कोशिश के बाद भी गेंद नहीं निकल पा रही थी। जब नेहरू जी ने बच्चों की परेशानी को देखा तो उनसे रहा न गया। उन्होंने उन बच्चों से दो बाल्टी पानी मंगवाया और पानी लकड़ी के उस खोल में भर दिया। फिर क्या था, पानी भरते ही गेंद पानी में ऊपर आ गई और उन्होंने गेद निकालकर बच्चों को दे दी। सभी बच्चे बालक जवाहरलाल की बुद्धिमत्ता से बहुत प्रभावित हुए।

बच्चों के साथ-साथ देश और जनता से भी नेहरू जी बहुत प्यार करते थे और यही कारण था कि अधिकांश देशवासी भी उनसे उतना ही स्नेह करते थे और उन्हें आदर-सम्मान देते थे, जितना बच्चे देते थे। 74 वर्ष की आयु में 27 मई 1964 को पंडित जी स्वर्ग सिधार गए लेकिन अपने निधन से पूर्व अपनी वसीयत में उन्होंने लिखा, "मेरे मरने के बाद मेरी अस्थियां देश के उन खेतों में बिखेर दी जाएं, जहां भारत का किसान अपना पसीना बहाता है ताकि वे देश की मिट्टी में मिल जाएं।" ऐसे थे बच्चों के प्यारे चाचा नेहरू!

- श्वेता गोयल

(लेखिका डेढ़ दशक से अधिक समय से शिक्षण क्षेत्र में सक्रिय शिक्षाविद हैं)

इंदौर बाजार भाव

इंदौर एजेंसी। कमजोर आवकों के चलते गुरूवार को तिलहनों में सोयाबीन बाजार चढ़े। चना मजबूती पर रहा। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। किराना जिंसों में नारियल घटाकर बोला गया। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार सोयाबीन में आवकें कमजोर रहने का असर बाजार पर है। सोयाबीन में बाजार 4700 रू. प्रति क्विंटल तक पहुंच गये। चना मजबूती बनाये रहा। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। उधर, किराना जिंसों में नारियलों में आवकें रहने से बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे :-

किराना- शक्कर 4190-4260, खोपरा गोला 305-375, खोपरा बूरा 4000-6100 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 170-210, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 751-781, गरबल 715-725, मटरदाना 790-801, खसखस अनक्लीन 750-950, क्लीन 1050-1250, दालचीनी 220-245, जायफल 715-785, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 1650-1975, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 725-750, बेस्ट 780-791, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची 2850-2925, मीडियम 2975-3175, बेस्ट 3225-3375, एक्ट्रा बोल्ड 3500-3551, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1475-1575, बेस्ट1825-2050, तरबूज मगज 520-575, काजू (240) 885-925, काजू (320) 850-861, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 840-851, कैलिफोर्निया 771-785, अखरोट 575-725, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2900-2950, (160) 2950-3050, (200) 3200-3250, (250) 3300-3350

तेल- सींगदाना 1410-1430, मुम्बई 1450, राजकोट तेलिया 2280-2300, सोया साल्वेंट 1175-1180, सोया रिफाइंड 1240-1250, कपास्या 1230, धूलिया 1235, कड़ी 1235,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1425, मुम्बई पाम 1250, मुम्बई सोया 1270,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2400, देवास-उज्जैन 2400, खंडवा-बुरहानपुर 2375, अकोला 3800 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7900-8200, रायडा 6300-6500, सोयाबीन 4500-4700, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5750-5800, एवरेज 5000-5200, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रश?ियन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 5950-6000, एवरेज 5850-5900, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6800-6900, एवरेज 6600-6700, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6800-6900, उड़द बेस्ट 7600-7700, एवरेज 7400-7500, शंकर 7200-7300, हल्की 7000-7100,

दाल- चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 380, उज्जैन 280, रतलाम 340 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर एजेंसी। गुरूवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों मूल्यवान धातुओं की कीमतों में उछाल रहा। भाव इस प्रकार रहे :-

चाँदी (9999) 165000, चाँदी (99) 164500, टंच 164000, सिक्का 1800, सोना 10 ग्राम 127600,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया नौ पैसे की गिरावट के साथ ही 88.71पर बंद हुआ। आज शुरुआती कारोबार में सुबह रुपया सात पैसे टूटकर 88.69 रुपये प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार अमेरिकी डॉलर की मजबूती और घरेलू शेयर बाजारों में कमजोर रुख से भी रुपये पर दबाव पड़ा। हालांकि अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता को लेकर सकारात्मक परिणामों से रुपये को स्थिरता का कुछ सहारा दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 88.66 के स्तर पर खुला और कुछ देर बाद 88.69 पर पहुंच गया। पिछले कारोबारी सत्र में यह 88.62 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

मुंबई एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को मुनाफावसूली हावी होने से हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ। आज दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच ही बाजार पर दबाव पड़ा जिससे बाजार ऊपर नहीं आ पाया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरो वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 12.16 अंकों की हल्की बढ़त के साथ ही 84,478.67 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 3.35 अंक की हल्की तेजी के साथ 25,879.15 पर बंद हुआ। दिन के दौरान बैंकिंग शेयरों में तेजी रही को और निफ्टी बैंक ने नया ऑल-टाइम हाई 58,615.95 बनाया। हालांकि, बाद में इसमें गिरावट आई और यह 107.30 अंक करीब 0.18 फीसदी की मजबूती के साथ 58,381.95 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में एशियन पेंट्स, आईसीआईसीआई बैंक, एलएंडटी, पावर ग्रिड, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल, सन फार्मा, मारुति सुजुकी, एक्सिस बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट और एचसीएल टेक के शेयरों को लाभ हुआ जबकि जोमैटो, एमएंडएम, टाटा स्टील, बीईएल, टीसीएस, एचयूएल, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा और एसबीआई के शेयर गिरे। आज लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप में कमजोरी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 210.25 अंक या 0.35 फीसदी की गिरावट के साथ 60,692.05 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 66.80 अंक या 0.37 फीसदी की कमजोरी के साथ 18,183.65 पर था। इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच ही को बाजार हल्की बढ़त के साथ खुले। सेंसेक्स शुरुआती सत्र में 84,525.89 अंक पर खुला, लेकिन जल्दी ही लाल निशान में चला गया। सुबह शुरुआत के बाद यह 98.19 अंक की गिरावट के साथ 84,368.32 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह निफ्टी भी मजबूत शुरुआत के बाद गिरावट में आ गया और 13.45 अंक फिसलकर 25,862.35 पर कारोबार करता दिखा। वहीं वैश्विक बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में गुरुवार को मिश्रित रुख देखने को मिला। जापान का निक्केई 225 0.4 फीसदी बढ़ा और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.3 फीसदी ऊपर रहा, जबकि हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स 0.2 फीसदी गिरा। वहीं अमेरिकी शेयर बाजार बुधवार को मिले-जुले रुख के साथ बंद हुए। डाउ जोन्स 0.68 फीसदी चढ़ा, जबकि नैस्डैक कंपोजिट 0.26 फीसदी गिरा और एसएंडपी 500 लगभग सपाट बंद हुआ।

एमएसएमई ने बजट-पूर्व बैठक में केंद्र से कर व नियमों में राहत की मांग की

नई दिल्ली एजेंसी। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) ने बजट पूर्व बैठक में केंद्र सरकार से ऋणों को गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) के रूप में वर्गीकृत करने की अवधि बढ़ाने का आग्रह किया है। वर्तमान में 90 दिन के भुगतान चक्र के बाद ऋण एनपीए माने जाते हैं, जबकि एमएसएमई प्रतिनिधि चाहते हैं कि इसे 180 दिन किया जाए। उनका तर्क है कि लंबी आपूर्ति श्रृंखला और भुगतान में देरी के कारण व्यवसायों पर अत्यधिक दबाव पड़ता है। प्रतिनिधियों ने निजी कंपनियों को सीमित देयता भागीदारी (एलपीए) में कर-मुक्त रूपांतरण की सीमा बढ़ाने का भी अनुरोध किया। वर्तमान में यह सीमा 60 लाख रुपये टर्नओवर और 5 करोड़ रुपये संपत्ति पर आधारित है। एमएसएमई इसे टर्नओवर और संपत्ति दोनों के लिए 50 करोड़ रुपये करने का सुझाव दे रहे हैं। साथ ही उन्होंने ऐसे कर-मुक्त रूपांतरणों के लिए एकमुश्त माफी की मांग भी की। छोटी और बढ़ती कंपनियों के लिए, प्रतिनिधियों ने 1,000 करोड़ रुपये तक के टर्नओवर वाली फर्मों के लिए लाभांश कर हटाने की मांग की। उनका कहना है कि कॉर्पोरेट आयकर और लाभांश कर का संयुक्त बोझ उद्यमियों को व्यवसाय शामिल करने से हतोत्साहित करता है। एमएसएमई ने जीएसटी 2.0 में इनपुट और अंतिम उत्पाद के कर दर में अंतर की समस्या पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने इनपुट पर 8 फीसदी रियायती जीएसटी, स्वचालित समयबद्ध रिफंड और प्लांट एवं मशीनरी की खरीद पर इनपुट टैक्स क्रेडिट रिफंड की अनुमति देने का सुझाव दिया।

एनटीपीसी कोयला गैसीकरण और परमाणु ऊर्जा में करेगी प्रवेश

नई दिल्ली एजेंसी। सरकारी बिजली उत्पादन कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड अगले 3-4 साल में हर साल 50-100 लाख टन सिंथेटिक गैस का उत्पादन करने की योजना बना रही है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि गैस उत्पादन की लागत लगभग 10-12 डॉलर प्रति मिलियन मीट्रिक ब्रिटिश थर्मल यूनिट होगी। अधिकारी ने कहा कि गैस की कीमत वर्तमान में मिलने वाली तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) के आसपास रखी जाएगी और खरीदार तलाशने में कोई समस्या नहीं होगी। एनटीपीसी उत्पादन के लिए अपने कोयले का उपयोग करेगी और उत्पादित गैस या तो घरेलू बाजार में बेची जाएगी या कंपनी के अपने संयंत्रों में उपयोग होगी। कोयला गैसीकरण परियोजना के लिए कंपनी प्रौद्योगिकी सलाहकार लाने पर भी विचार कर रही है, और इस वित्त वर्ष 2025-26 में इसके लिए निविदाएं जारी करने की योजना है। सरकार ने कोयला गैसीकरण को बढ़ावा देने के लिए 2030 तक 10 करोड़ टन गैसीकरण का लक्ष्य तय किया है और 8,500 करोड़ रुपये का वित्तीय प्रोत्साहन दिया है। इस पहल से प्राकृतिक गैस का देश के ऊर्जा मिश्रण में हिस्सा वर्तमान 6प्रति. से बढ़ाकर 2030 तक 15 फीसदी करने का लक्ष्य पूरा होगा। एनटीपीसी ने हाल ही में परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में भी कदम रखा है। कंपनी देश भर के 16 राज्यों में भूमि तलाश रही है, जिसमें मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और हरियाणा शामिल हैं। प्रत्येक संयंत्र की क्षमता 700-1,600 मेगावाट होगी और प्रेशराइज्ड हैवी वॉटर रिएक्टर टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जा सकता है। हाल में राजस्थान के बांसवाड़ा में 2,800 मेगावाट क्षमता का परमाणु संयंत्र की आधारशिला रखी गई, जो एनटीपीसी और न्यूक्लियर पॉवर कॉर्पोरेशन की संयुक्त परियोजना है। अधिकारी ने बताया कि कंपनी का लक्ष्य 2047 तक कम से कम 30 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता हासिल करना है।

मेष- आज आपकी आय में वृद्धि होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा और आप ऊर्जा से भरपूर रहेंगे, इसलिए प्रत्येक काम को करने के लिए तत्पर रहेंगे। यदि आपको कोई शारीरिक समस्या थी, तो उससे भी आपको काफी हद तक राहत मिलेगी। आप अपने जीवनसाथी के साथ कुछ समय बिताएंगे, जिससे आपको उनके मन में चल रही समस्याओं को भी जानने का मौका मिलेगा। संतान को पढ़ाई-लिखाई के लिए आप कहीं बाहर भेज सकते हैं।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। धन को लेकर यदि कोई समस्या थी, तो वह भी दूर होगी और आपका डूबा हुआ धन भी आपको मिलने की संभावना है। बिजनेस में कुछ उतार-चढ़ाव लगे रहेंगे। आपको अपने आसपास रह रहे लोगों को पहचानकर चलने की आवश्यकता है। परिवार में बड़े बुजुर्गों का आपको पूरा सहयोग मिलेगा। प्रेम जीवन जी रहे लोगों की अपने साथी से मुलाकात होगी, जिससे वह फूले नहीं समाएंगे। बिजनेस को लेकर आप कोई बड़ा निर्णय ले सकते हैं।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए किसी वाद-विवाद से दूर रहने के लिए रहेगा। आपका किसी करीबी से वाद-विवाद खड़ा हो सकता है। कार्यक्षेत्र में आपको महिला मित्र से सावधानी बरतनी होगी। किसी सामाजिक आयोजन में आप बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे। आपके कामों से आपकी छवि और निखरेगी। वाहनों के प्रयोग आप सावधान रहकर करें, क्योंकि कोई दुर्घटना होने की संभावना है। आप किसी से उधार का लेनदेन ना करें, नहीं तो आपकी समस्याएं बढ़ सकती हैं।

कर्क- आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आपको कोई बड़ा टास्क मिलेगा, जिसे आप आसानी से पूरा करेंगे। आप अपने कामों से लोगों का दिल जीतेंगे। आपकी किसी बात को लेकर परिवार के सदस्यों में नोंक झोंक होने की संभावना है। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है। संतान को तरक्की करते देख आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। विद्यार्थियों को बौद्धिक और मानसिक बोझ से छुटकारा मिलेगा।

सिंह- आज का दिन आपके लिए सेहत के मामले में ठीक-ठाक रहने वाला है। धन को लेकर आपको थोड़ा सावधानी बरतनी होगी। यदि आप किसी यात्रा पर जाने की तैयारी कर रहे थे, तो उसे कुछ समय के लिए स्थगित कर दें। आपको अपनी किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलकर खुशी होगी। जीवनसाथी की भावनाओं का आपको सम्मान करना होगा, जो जातक सरकारी नौकरी की तैयारी में लगे हैं ,उन्हें कोई कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती हैं ।

कन्या- आज का दिन आपके लिए कड़ी मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। नौकरी में मन मुताबिक काम मिलने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं लगेगा। आर्थिक मामलों को लेकर आपको थोड़ा ध्यान देने की आवश्यकता है। आपको अपनी शारीरिक समस्याओं को लेकर थोड़ा एतियात बरतनी होगी। कुछ नया करने की इच्छा आपकी जागृत हो सकती है।

तुला- आज का दिन आपके लिए आत्मविश्वास से भरपूर रहने वाला है। करियर में आपको कोई अच्छी सफलता हासिल होगी। बैंकिंग क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को अच्छा इन्वेस्टमेंट करने का मौका मिलेगा। आप उन्नति के राह पर आगे बढ़ेंगे। आपको किसी बड़े लक्ष्य को पकड़कर चलना होगा। पारिवारिक मामलों को आप मिल बैठकर निपटाएं, तो आपके लिए बेहतर रहेगा।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए तनावग्रस्त रहने वाला है। खर्चों के कारण आपकी जीवनसाथी से कहासुनी हो सकती है। आपको खर्चों को कंट्रोल करना होगा, नहीं तो भविष्य में आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। आपको किसी निवेश को समझदारी से करना होगा। जीवनसाथी के साथ यदि रिश्तों में कुछ खटास आ गई थी, तो वह भी दूर होगी।

धनु- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आपको अपनी पारिवारिक मामलों को लेकर यदि कोई टेंशन है, तो आप उसे परिवार के सदस्यों से बातचीत करके निपटा लें, तो आपके लिए अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में बॉस से आप कोई बात सोच समझकर बोले। आपका यदि कोई काम धन को लेकर रुका हुआ था, तो उसे भी आप पूरा करने की पूरी कोशिश करेंगे। परिवार में किसी सदस्य के विवाह में आ रही बाधाएं भी दूर होंगी।

मकर- आज का दिन आपके लिए अपने कामों में सोच समझकर बदलाव करने के लिए रहेगा। आपका मन परेशान रहेगा। आप काम को लेकर आलस्य करेंगे, जो बाद में आपके लिए टेंशन बनेंगे। दोस्तों के साथ आप कुछ समय मौज मस्ती करने में व्यतीत करेंगे। यदि आप किसी दूसरी नौकरी के लिए अप्लाई करेंगे, तो वहां आपको अच्छा लाभ मिलेगा। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होगी।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए किसी जोखिम भरे काम में हाथ डालने से बचने के लिए रहेगा। आपकी किसी बात को किसी पैतृक संपत्ति संबंधित मामले में लड़ाई-झगड़ा खड़ा हो सकता है। वाहन की अकस्मात खराबी के कारण आपका खर्च बढ़ेगा। आपको अपने पिताजी से कोई बात सोच समझकर कहनी होगी। आपकी कोई पुरानी बीमारी उभरने से आप परेशान रहेंगे। आप अपने घर की मरम्मत आदि की योजना बना सकते हैं।

मीन- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आज आपको किसी नई नौकरी की प्राप्ति होने से आपका मन काफी खुश रहेगा। आपको अपनी चिंताओं को लेकर अपने जीवनसाथी से बातचीत करनी होगी। आप अपने माताजी से किए हुए वादे को पूरा करेंगे। आपका कोई लेनदेन से संबंधित मामला यदि आपको समस्या दे रहा था, तो वह भी दूर

शब्दजाल - 8079

शब्द जाल में 10 प्रसिद्ध हास्य फिल्मों के नाम ढूंढिए. दिए गए शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

दो जासूस, अलबेला, गोलमाल, शौकीन, चालबाज, हीरो हीरालाल, आगे की सोच, झूठी, अंगूर, पुष्पक.

त	स	ही	त्म	ली	अ	ल	बे	ला	प	दे
क	अ	अ	रो	त	अ	ला	र	न	र	जू
आ	स	शौ	क	ही	न	भि	द	गू	जू	वत
गे	अ	की	आ	र	रा	गु	अं	प	दे	ल
की	अ	न	त	अ	ला	ला	न	श	मा	क
सो	चा	ल	बा	ज	न	द	ल	ल	व	त
च	अ	सौ	र	जा	ला	गु	गो	प	दे	आ
ह	पु	मो	व	दो	वा	द	ह	झू	ठी	ग
क	ष्प	ह	व	प	जा	द	व	प	र	र
र	क	ब्ब	फा	प	स	सू	ह	वि	बा	क
स	बा	तें	व	न	ज	द	स	गा	ह	र

शब्दजाल - 8078 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

14 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	06.27 ब.से
चंद्र	सिंह में	धनु	08.43 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मकर	10.49 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	12.35 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	14.08 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	15.38 बजे से
शनि	मीन में	वृष	17.18 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	19.17 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	21.30 बजे से
		सिंह	23.46 बजे से
		कन्या	01.58 बजे से
		तुला	04.09 बजे से

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

शुक्रवार 2025 वर्ष का 318 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** मृगशीर्ष (दक्षिण भारत में कार्तिक) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** दशमी 00.50 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाफाल्गुनी 21.21 बजे को समाप्त। **योग** इन्द्र 06.27 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 12.08 बजे तदनन्तर विष्टि 00.50 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 23.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 18° 14' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872528 **जूलियन दिन** 2460993.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जमादि उल्लावल **तारीख** 22 **विशेष** नेहरू जयंती, बाल दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7023

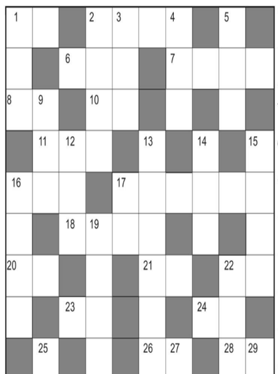

बायें से दायें:-

१. फिल्म 'कर्ज' में नायिका कौन थी-२
२. फिल्म 'चला मुरारी हीरो बनने' का नायक कौन था-४
६. फिल्म 'अभय' में दोहरी भूमिका करने वाला नायक -३
७. 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. फिल्म 'विश्वनाथ' में शत्रुघ्न सिन्हा के साथ नायिका कौन थी-२
१०. फिल्म 'मैं ने प्यार किया' में सलमान खान की माँ की भूमिका किसने की थी-२
११. हेमा मालिनी वाली फिल्म 'प्रेमनगर' का नायक कौन था?-३
१६. 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली फिल्म-३
१७. संजय, चंद्रचूड़, महिमा चौधरी की फिल्म-२,१,३
१८. 'मेरे दिल ने जो माँगा' गीत वाली फिल्म-४
२०. फिल्म जिसमें राजकपूर का डबल रोल था-२
२१. 'तू कितने बरस की' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२३. ऋषिकपूर, जेबा की 'बेदर्दी तेरे प्यार ने' गीत वाली फिल्म-२
२४. फिल्म 'शोले' में अमिताभ के किरदार का क्या नाम था?-२
२६. फिल्म जगत में राजेश खन्ना का प्रचलित नाम-२
२८. सलमान. रेवती की 'आजा गिव मी ए किस' गीत वाली फिल्म-२
३०.'इस जहाँ की' गीत वाली जैकी, अनु अग्रवाल, नगमा की फिल्म-२,३
३१. लोकप्रिय गीत 'इश्क कमीना' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'बहुत खूबसूरत गजल' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-३
२. फिल्म 'गदर' में अमीषा पटेल के पिता की भूमिका किसने की थी?-४
३. फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
४. 'प्यार करना नहीं आया' गीत वाली फिल्म-३
५. विश्वजीत, राजश्री की ' ना ये जमीं थी ना आसमाँ' गीत वाली फिल्म-३
९. 'तेरे बिन मैं कुछ नहीं' गीत वाली मिथुन, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१२. 'हम प्यार में जलनेवालों को' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'तुम मुझे यूँ' गीत वाली फिल्म जिसमें शम्मी ने पागल की भूमिका की-३,२,१
१४. 'आला रे पाउस आला' गीत वाली फिल्म-३
१५. बॉबी, टिवंकल खन्ना की 'तेरी अदाओं पे मरता हूँ' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'अच्छा जी मैं हारी' गीत वाली देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-२,२
१७. 'रू तू तू दिल में है तू' गीत वाली अक्षय कुमार, रवीना टंडन की फिल्म-२
१९. 'आजा सजन आजा' गीत वाली फिल्म-५
२२. सनी देओल, मीनाक्षी की एक फिल्म-३
२५. संजयदत्त, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
२७. 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
२९. नाना, पुरू, अनुपमा की 'बहुत खूबसूरत हैं आँखें तुम्हारी' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7022

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: नागरिक का कर्तव्य

लीबिया के लिबलिस शहर के एक प्रमुख अस्पताल में अलगअलग वार्डों में मरीजों को मुख्य डाक्टर के आने का इंतजार था। नर्स, कंपाउंडर आदि बेंचों पर शांति से बैठे थे लेकिन लंबे कद का एक आदमी लंबा चोगा पहने, चहलकदमी करता हुआ प्रत्येक स्थान और वस्तु का गहराई से निरीक्षण कर रहा था, तभी अपनी ओर आते बड़े डाक्टर को देख कर वह व्यक्ति ठिठका। डाक्टर ने पूछा, ''ऐ मिस्टर, कौन हो तुम? यहां क्या कर रहे हो?'' वह व्यक्ति बोला, ''डाक्टर, मेरे पिता बहुत बीमार है।'' इस पर डाक्टर बोला, ''बीमार हैं तो उन्हें यहां भरती कराओ।'' ''वह बहुत कमजोर हैं। उन्हें यहां लाना संभव नहीं है। आप चलिए डाक्टर,'' उस व्यक्ति ने आदरपूर्वक कहा। लेकिन डाक्टर ने उसे झिड़क दिया, ''क्या बेहूदगी है? मैं तुम्हारे घर कैसे जा सकता हूं?'' ''भले ही रोगी मर जाए, फिर भी आप नहीं जा सकते?'' वह व्यक्ति बोला। डाक्टर ने उसे डांटते हुए कहा, ''ज्यादा बोलने की जरूरत नहीं है। तुम्हें मालूम नहीं कि तुम किस से बात कर रहे हो। चीफ सिविल सर्जन से इस तरह बात की जाती है?'' यह सुन कर वह व्यक्ति तिलमिला गया। इस का उस ने सख्ती से उत्तर दिया, ''मैं ने अभी तक तो बहुत शराफत बरती है, लेकिन मुझे तुम से बात करने का ढंग सीखने की जरूरत नहीं है डाक्टर। तुम भी नहीं जानते कि तुम किस से बात कर रहे हो।'' अब डाक्टर का पारा चढ़ गया। उसने अस्पताल के वार्ड अटेंडेंट को पुकार कर कहा, ''इस पागल को पागलखाने भिजवा दो।'' जैसे ही अटेंडेंट आगे बढ़ा, उस लंबे व्यक्ति ने अपना चोगा उतार फेंका। डाक्टर ने देखा, सामने कोई साधारण व्यक्ति नहीं बल्कि सैनिक वरदी में एक रोबदार कर्नल खड़ा था। अब तो डाक्टर भी खुद सकपका गया। अपने देश के राष्ट्रपति कर्नल गद्दाफी को सामने देख कर उस के होश उड़ गए। कर्नल गद्दाफी ने आदेश दिया, डाक्टर, अब तुम्हारे लिए लीबिया में कोई जगह नहीं है। मैं एक अस्पताल का नहीं, पूरे देश का अनुशासित सेनापति और कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी हूं। जो लोग अपना कर्तव्य निभाना नही जानते, उन्हें इस देश में रहने का कोई हक नहीं।'' राष्ट्रपति के आदेश पर तत्काल अमल हुआ और सबक मिला कि राष्ट्र सेवा प्रत्येक नागरिक का सर्वोच्च कर्तव्य है।

सूडोकु नवताल- 7332

★☆☆☆☆ सरल

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7331 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्द पहेली - 8547

बाएँ से दाएँ

1.जी,इच्छा,चित्त-2
2.तन,बदन,देह-3
4.अग्निदग्ध-2
6.रनिवास (उर्दू-3)
7.स्नान करना-3
8.विश्राम-3
9.राजा,सम्राट-3
10.वचन,प्रतिज्ञा-3
11.तरंग,हिलोर-3
13.दौड़ना (अंग्रेजी-2)
14.सही का विलोम-3
15.सद्पुरुष-2
16.पाठ,शिक्षा-3
17.कर्ता,कार्य करने वाला-3
18.इज्जत,मान,सम्मान-3
19.सब कुछ छीन लेना-2
20.भवन,प्रासाद-3
21.वजह-3
23.खेल दिखाने वाला-2
24.पेन,लेखनी-3
25.ठाठ-बाट-2

ऊपर से नीचे

1.राय,वोट,अभिप्राय-2
2.लाज.लज्जा-2
3.500 कागजों की गड्डी -2
4.दुनिया,जगत-3
5.लेकर आना-2
6.अवैध,नाजायज-3
7.निगाह,दृष्टि-3
8.बैठने की जगह-3
9.आराम,मदद-3
10.कर्म,भाग्य-3
11.लगन,जिद,उत्साह-3
12.दांपत्य संबंध विच्छेद-3
14.जवान,तरुण-3
15.रिक्त जगह पूर्ण करना-3
16.दुर्बल का विलोम-3
17.वजह-3
18.पदचाप, किसी के आने की आवाज-3
19.रनिवास (उर्दू-3)
20.जी,इच्छा,चित्त-2
21.समयगति-2
22.देह,बदन-2

शब्द पहेली -8546 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

कृषि उपज उपमंडी लांजी में धान के अवैध परिवहन के चार प्रकरणों में 51 हजार रुपये का दांडिक शुल्क वसूला

पद्मेश न्यूज। लांजी।

कृषि उपज मंडी समिति बालाघाट के सचिव मनीष मरावी के निर्देशन और अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) लांजी कमलचंद सिंहसार के मार्गदर्शन में उपमंडी लांजी की टीम ने अवैध धान परिवहन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। सहायक उप निरीक्षक वासुदेव बढ़ई, नेलचंद बारबुदे और विनोद बंसोड़ की टीम ने डुडवा घाट एवं टीमकीटोला (रिसेवाड़ा) के पास औचक निरीक्षण किया, जहां बिना अनुज्ञा पत्र के धान ले जा रहे चार वाहनों पर पांच गुना दांडिक मंडी शुल्क लगाकर कुल 51,850 रुपये की राशि वसूल की गई। यह राशि सरकारी खजाने में जमा कर दी गई है।

निरीक्षण के दौरान पकड़े गए प्रकरण इस प्रकार हैं

8 नवंबर 2025 को ट्रैक्टर वाहन क्रमांक MP 50 ‚ 1422 में श्री हिमांशु ट्रेडर्स, कांद्रीखुर्द से गिरोला (महाराष्ट्र) जा रहा 25.00 क्विंटल धान। दांडिक मंडी शुल्क- 5,553 रुपये।

8 नवंबर 2025-पिकअप वाहन क्रमांक MH 43 BX 6226 में श्री आलोक कुथे, ग्राम गुलुआ से गिरोला (महाराष्ट्र) जा रहा 24.00 क्विंटल धान। दांडिक मंडी शुल्क- 5,412 रुपये।

11 नवंबर 2025- ट्रैक्टर वाहन क्रमांक MP 50 ZB 5830 में श्री रामेश्वर बेद्रे, ग्राम घाटटेमनी द्वारा कांद्री के कृषकों से खरीदकर घाटटेमनी (महाराष्ट्र) ले जाया जा रहा 22.00 क्विंटल धान। दांडिक मंडी शुल्क- 5,127 रुपये।

13 नवंबर 2025- ट्रक वाहन क्रमांक MP 22 ZC 4372 में श्री कृष्ण कुमार सोनबिरसे, बालाघाट से रायपुर (छत्तीसगढ़) जा रहा 292.94 क्विंटल धान। दांडिक मंडी शुल्क- 35,758 रुपये।

मंडी अधिकारियों ने बताया कि सभी वाहनों में मंडी अनुज्ञा पत्र नहीं मिला, जिस पर नियमानुसार पांच गुना शुल्क की कार्रवाई की गई। ऐसे अवैध परिवहन करने वाले व्यापारियों के खिलाफ यह कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।मंडी समिति ने सभी व्यापारियों से अपील की है कि अधिसूचित कृषि उपजों का परिवहन बिना अनुज्ञा पत्र या बिल के किसी भी स्थिति में न करें, अन्यथा सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष हिना कावरे को राष्ट्रीय सचिव व पंजाब का सहप्रभारी बनाएं जाने पर दी बधाई

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी विधानसक्षा क्षेत्र की पूर्व विधायक एवं मध्यप्रदेश विधानसभा पूर्व उपाध्यक्ष सुश्री हिना लिखीराम कावरे को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के द्वारा राष्टीय सचिव के पद सहित पंजाब प्रांत के सहप्रभारी के पद पर नियुक्त किया गया है। जिसको लेकर जिले के कांग्रेस पदाधिकारियों सहित समस्त कांग्रेस जनों के द्वारा सुश्री हिना कावरे को इस उपलब्धि पर बधाई प्रेषित की गई है। वहीं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बहेला के नेतृत्व में कांग्रेसजनों के द्वारा 13 नवंबर को सुश्री हिना कावरे के निवास पंहुचकर बधाईयॉ प्रेषित की गई साथ बतादे कि 13 नवंबर को सुश्री हिना कावरे के जन्म दिवस के अवसर पर भी उन्हे पुष्प गुच्छ भेंट कर मिष्ठान खिलाकर जन्म दिवस की अनेको शुभकामनाऐं प्रेषित कर उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

नगर में मनाया गया जन्म दिवस

कांग्रेस जनों के द्वारा जहां सुश्री हिना कावरे के निवास पंहुचकर बधाईयॉ प्रेषित की गई वही लांजी नगर के 13 नवंबर को शाम 6 बजे एफ एण्ड डी रेस्टॉरेंट में सुश्री हिना कावरे का जन्म दिवस बडे ही हर्षोल्हास के साथ मनाया गया। सुश्री हिना कावरे के द्वारीा जन्म दिवस केक काटा गया तथा सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं उक्त आयोजन के लिये धन्यवाद प्रेषित किया गया। इस दौरान प्रमुख रूप ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बहेला अध्यक्ष ऋषि पटेल दशरिया, शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल, सौरभ मोनू पशीने, अशोक पालीवाल, शरद आसटकर, पवन कश्यप, चन्द्रकांत किरनापुरे, मुकेश रणदिवे, रविन्द्र धारणे, मनीषा धारणे, अनमोल तिडके, मनीष जुझार, मुकेश दशरिया, सज्जू मिश्रा, लीलाधर डोलस, राजू मस्करे, सफिक खान, गुड्डु गोस्वामी, महेन्द्र सोनवाने, जीतू मोरघड़े, मुकेश जोशी सहित अन्य कांग्रेस साथी गण उपस्थित रहे।

सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में खेल प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी में 13 नवंबर को वार्षिक खेल प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि टी.डी. लिल्हारे (सेवानिवृत्त प्राचार्य), अध्यक्षता विजय रामटेक्कर (सचिव, कोटेश्वर ज्ञानपीठ समिति एवं खंड संचालक लांजी), श्रीमती दुर्गा रामटेक्कर (सहसचिव, कोटेश्वर ज्ञानपीठ समिति) तथा प्रभारी प्रधानाचार्य सदरूलाल बोहने उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा मां सरस्वती एवं मां भारती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुई। इसके पश्चात अतिथियों का तिलक वंदन कर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि टी.डी. लिल्हारे ने रस्सी खींच प्रतियोगिता का फीता काटकर खेलों का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में श्री लिल्हारे ने छात्र-छात्राओं से कहा कि खेलों को पूर्ण खेल भावना से खेलना चाहिए तथा मनोयोगपूर्वक सफलता प्राप्त करनी चाहिए। उन्होंने जोर देकर बताया कि खेलों से शरीर का सर्वांगीण विकास होता है और व्यक्ति स्वस्थ एवं तंदुरुस्त रहता है। विद्यालय में कक्षा अरुण से द्वादश तक के छात्र-छात्राओं के लिए विभिन्न रोचक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें जलेबी दौड़, मेंढक दौड़, बकेट बॉल, बलून दौड़, आलू चम्मच दौड़, रस्सी दौड़, रस्सा खींच, थ्री टांगी दौड़, कुर्सी दौड़, रुमाल छू प्रतियोगिता, सुई धागा प्रतियोगिता तथा साइकिल दौड़ शामिल रहीं। प्रत्येक स्पर्धा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। सभी छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा आचार्य परिवार का पूर्ण सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ आचार्य त्र्यंबक भगत ने कुशलतापूर्वक किया। आज 14 नवंबर को बाल दिवस के अवसर पर विद्यालय में सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम एवं बाल मेला आयोजित किया गया है।

पालडोंगरी कैप पहुंच मार्ग हुआ खस्ताहाल, धान खरीदी में होगी परेशानी

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी क्षेत्र में 1 दिसंबर 2025 से समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी प्रारंभ हो रही है। वहीं पालडोंगरी स्थित धान कैप में सभी समितियों के द्वारा खरीदी गई धान पंहुचाई जाती है तथा पालडोंगरी कैप मे भी धान खरीदी केन्द्र बनाये गये है इस बार तो 5 से अधिक खरीदी केन्द्र पालडोंगरी कैप में होंगे जिसके चलते और भी अधिक व्यवस्थाऐं उक्त स्थान पर करनी होगी। जिन समितियों को पालडोंगरी कैप में धान खरीदी करना है उनके द्वारा तैयाारियॉ तो पूर्ण कर ली गई है लेकिन आज भी एक समस्या इस पालडोंगरी कैप में बनी हुई है वह है कैप पंहुच मार्ग जो कि खस्ताहाल हो चुका है। बडे बडे वाहनो के आवागमन के चलते मार्ग गड्डो में परिवर्तित हो चुका है। किसान जब भी पालडोंगरी कैप में अपनी अपनी धान लेकर बैलगाड़ी, ट्रैक्टर, मेटाडोर आदि से लेकर आते है तो दुर्घटना का अंदेशा बना हुआ रहता है गड्डो में कभी भी वाहन पलटने का डर भी बना रहता है। अनेको बार इस संबध में शिकायतें हो चुकी है कि धान खरीदी करने के पूर्व ही इस मार्ग को दुरस्त कर लिया जाये लेकिन आज दिनांक तक मार्ग दुरस्त नही किया जाता है। यह भी बतादे कि प्रतिवर्ष धान खरीदी के समय मौसम विभाग भी करवट लेता है बारिश का आगमन होता ही है बारिश के चलते यह मार्ग और अधिक खराब हो जाता है पानी से भरे गड्ढे दिखाई नही देते जिसके चलते बडी दुर्घटना का अंदेशा बन जाता है। इस समस्या पर कलेक्टर महोदय स्वयं संज्ञान लेवे यह निवेदन किसानों के द्वारा किया गया है तथा अतिशिघ्र उक्त मार्ग को दुरस्त किया जाये।

अनेक ग्रामों के किसान पंहुचते है धान लेकर

पालडोंगरी स्थित धान खरीदी केन्द्र या कैप स्थल की बात की जाये तो लगभग 1 दर्जन से अधिक ग्रामो के किसान उक्त स्थल पर अपनी फसल लेकर पंहुचते है। बतादे कि पालडोंगरी स्थित कैप में पालडोंगरी, रमपुरा, कटंगी, बोरी, फोफसा, सहेकी, साडरा, केरेंगांव, दहेगांव, देवलगांव, सिंगोला, करेजा, कुम्हारी खुर्द, सिहारी, जीवनारा दिघोरी, घोटी घुसमारा, अमेड़ा पा, कुम्हारी कला लाड़सा बिंझलगांव, खर्रेगांव, सिरेगांव, पौंडी इन सभी ग्रामो के किसान अपनी उपज फसल लेकर पालडोंगरी स्थित कैप पंहचुते है इसके अलावा सभी सोसायटियों से खरीदी गई धान भी बडे बडे वाहनो के माध्यम से उक्त कैप में आते है लेकिन कैप पंहुच मार्ग पूर्ण रूप से खस्ताहाल है जिसके चलते रोजाना दुर्घटना अंदेशा बना रहता है कभी भी बडे वाहन ट्रैक्टर ट्रॉली इस मार्ग पर पलट सकती है जिसको लेकर अधिकारियों को संज्ञान में लेना चाहिये तथा वर्तमान में समय रहते उक्त मार्ग को दुरस्त किया जाये।

जिला चिकित्सालय में किडनी मरीजों के लिए एक और डायलिसिस मशीन लगेगी

कलेक्टर मृणाल मीना ने जिला चिकित्सालय का किया आकस्मिक निरीक्षण

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने 13 नवंबर को जिला चिकित्सालय बालाघाट का आकस्मिक निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आमजन व मरीजों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए व्यवस्थाओं में सुधार करने के निर्देश दिये। इस दौरान सहायक कलेक्टर आकाश अग्रवाल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप, सिविल सर्जन डॉ. निलय जैन, मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री कतरोलिया एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री मीना ने जिला चिकित्सालय के निरीक्षण के दौरान ओपीडी, ईएनटी वार्ड, नेत्र वार्ड, डायलिसिस वार्ड, महिला वार्ड का निरीक्षण किया और मरीजों से चर्चा भी की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने किडनी के मरीजों की डायलिसिस के लिए एक मशीन और बढ़ाने के निर्देश दिये। नेत्र वार्ड के निरीक्षण के दौरान उन्होंने मरीजों की संख्या को देखते हुए शीघ्र ही 15 बेड का अतिरिक्त वार्ड बनाने एवं नेत्र परीक्षण एवं आपरेशन के लिए आवश्यक और मशीनों की व्यवस्था करने के निर्देश दिये। एएनएम प्रशिक्षण छात्रावास के निरीक्षण के दौरान उन्होंने 15 लाख रुपये की राशि से छात्रावास का नवीनीकरण कार्य शीघ्रता से कराने के निर्देश दिये।

ट्रामा सेंटर स्थित महिला वार्ड के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने प्रसव के लिए आयी गर्भवती माताओं के परिजनों से भी चर्चा की। इस दौरान उन्होंने महिला वार्ड में कलेक्टर, एसडीएम, सीएचएमओ एवं सिविल सर्जन के मोबाईल नंबर लिखवाने के निर्देश दिये। जिससे मरीज एवं उनके परिजन आवश्यक होने पर मोबाईल नंबर पर अपनी शिकायत एवं समस्या बता सकेंगें । महिला वार्ड के निरीक्षण के दौरान पाया गया कि मरीज के साथ उनके परिजन अधिक संख्या में वार्ड में उपस्थित रहते हैं, जिसके कारण ट्रामा सेंटर में अव्यवस्था होती है। इस पर सिविल सर्जन को निर्देशित किया गया कि वार्ड में मरीज के साथ केवल एक व्यक्ति को रहने दें। मरीज के साथ आये अन्य लोगों के लिए ट्रामा सेंटर के सामने स्थित केंटिन परिसर में ठहरने आदि की व्यवस्था करने के निर्देश दिये गये। मुख्य नगर पालिका अधिकारी को निर्देशित किया गया कि ट्रामा सेंटर के सामने की केंटिन में अनाधिकृत रूप से रहने वाले लोगों को वहां से हटायें और उनकी व्यवस्था रैनबसेरा की जाये।

ट्रामा सेंटर में महिला वार्ड के निरीक्षण के दौरान देखने में आया कि प्रसव के लिए आने वाली गर्भवती महिला के परिजनों की उचित ढंग से काउंसिलिंग नहीं हो रही है। इस पर सिविल सर्जन को निर्देशित किया गया कि महिला वार्ड में भर्ती मरीज के परिजनों की काउंसिलिंग की व्यवस्था करें और उन्हें समझायें कि जिला चिकित्सालय में प्रसव के लिए सभी सुविधायें उपलब्ध हैं और उन्हें प्रसव के लिए प्रायवेट अस्पताल में नहीं जाना होगा। यदि डाक्टर द्वारा सामान्य प्रसव के लिए इंतजार करने कहा जा रहा है तो परिजनों को समझाया जाये कि सिजेरियन आपरेशन करने के लिए दबाव न बनायें।

कलेक्टर श्री मीना ने जिला चिकित्सालय के निरीक्षण के दौरान सख्त निर्देश दिये कि अस्पताल परिसर में प्रायवेट एम्बुलेंस वालों को अनावश्यक रूप से प्रवेश न करने दें। अस्पताल परिसर में सुरक्षा गार्ड की पुख्ता व्यवस्था करने एवं बाहर के एम्बुलेंस स्टाफ का दखल पूर्ण रूप से बंद कराने के निर्देश दिये गये। मुख्य नगरपालिका अधिकारी को निर्देशित किया गया कि अस्पताल के पास अवैध रूप अतिक्रमण कर दुकान लगाने वालों पर कार्यवाही करें और दुकानों को लगाने की उचित व्यवस्था करें। इन सभी कार्यों में पुलिस का सहयोग लेने कहा गया।

कलेक्टर श्री मीना ने इस दौरान बताया कि गत दिवस समय पर प्रसव नही कराने के कारण बच्चें की मृत्यु के मामले में जिम्मेदार चिकित्सक के विरूद्ध सीएचएमओ एवं सिविल सर्जन के जांच प्रतिवेदन के आधार पर कार्यवाही के लिए प्रस्ताव संचालक स्वास्थ्य सेवाओ को भेजा गया है। इसके साथ ही किरनापुर से एम्बुलेंस में महिला को

न्यायोत्सव सेवा सप्ताह अंतर्गत ग्राम पंचायत वारा में विधिक जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष प्राणेश कुमार प्राण एवं न्यायाधीश व सचिव सतीश शर्मा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट के मार्गदर्शन में एवं तहसील विधिक सेवा समिति वारासिवनी के तत्वाधान में 12 नवम्बर को ग्राम पंचायत वारा में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह अंतर्गत न्याय की पहुंच हर व्यक्ति तक सुनिश्चित करने के संकल्प के उद्देश्य से आयोजित यह शिविर द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश, वरिष्ठ खण्ड, वारासिवनी ऋषभ डॉ. नल सिंह की अध्यक्षता में किया गया। शिविर में न्यायाधीश श्री सिंह द्वारा उपस्थित ग्रामीण जन को बताया गया कि विधिक साक्षरता से आशय जनता को कानून से संबंधित सामान्य बातों से परिचित कराकर उनका सशक्तिकरण करना है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम, बाल श्रम के विरूद्ध कानून, पाक्सो एक्ट, साइबर सुरक्षा, सड़क सुरक्षा व यातायात नियम, सोशल मीडिया संबंधित अपराधों से कैसे बचें, नि:शुल्क विधिक सहायता, घरेलू हिंसा एवं भरण पोषण अधिनियम संबंधी जानकारियां विस्तारपूर्वक उपस्थित ग्रामीणजन को देकर विधिक रूप से साक्षर किया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के सरपंच श्री सूर्यभान सिंह पुसाम, सचिव झनकलाल बिसेन, रोजगार सहायक श्रीमती भावना एवं पंच रेमन हेड़ाउ, रामकिशोर जावरे, श्रीमती अनिता डोंगरे आदि उपस्थित रहे।

लांजी में "पद्मेश"

इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें

Mo. 8319969927

कलेक्टरों की रिपोर्ट, 74.41 प्रतिशत गणना पत्रक बंटे, सीईओ ने बुलाई रिपोर्ट, कहा

डिस्ट्रीब्यूशन के बाद डिजिटाइजेशन पर फोकस करें

भोपाल । चुनाव आयोग के आदेश पर मध्य प्रदेश में की जा रही एसआईआर की हर 3 घंटे में रिपोर्ट ली जा रही है। गुरुवार दोपहर 12 बजे तक की रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश के सभी जिलों में अब तक 74.41 प्रतिशत गणना पत्रक मतदाताओं को बांटे जा चुके हैं।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) संजीव कुमार झा ने सभी जिलों के कलेक्टरों को निर्देश दिए हैं कि अब गणना पत्रकों के डिजिटाइजेशन की प्रक्रिया में तेजी लाएं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जिले में गणना रिपोर्ट का अद्यतन और पारदर्शी डिजिटलीकरण प्राथमिकता के साथ पूरा करें।

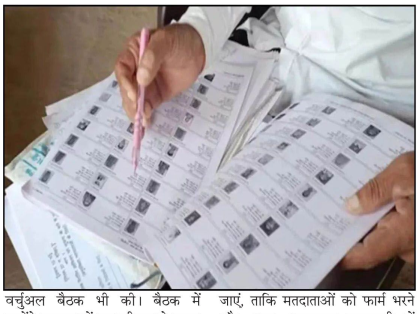

वार्डों में एसआईआर हेल्प डेस्क बनाने के निर्देश

सीईओ संजीव कुमार झा ने इस संबंध में प्रदेशभर के कलेक्टरों के साथ वर्चुअल बैठक भी की। बैठक में उन्होंने मतदाताओं तक शीघ्रता से गणना पत्रक पहुंचाने के निर्देश दिए। झा ने कहा कि सभी नगर निगम क्षेत्रों के वार्डों में एसआईआर हेल्प डेस्क बनाए जाएं, ताकि मतदाताओं को फार्म भरने और अन्य आवश्यक जानकारी में सहयोग मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि यह कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता का है और सभी जिला निर्वाचन अधिकारी इसे गंभीरता एवं तत्परता से पूरा करें।

बीएलए की नियुक्ति मापदंड में संशोधन

आयोग ने बूथ स्तर अभिकर्ता की नियुक्ति के मापदंडों में संशोधन किया है। अब किसी भी व्यक्ति को बीएलए नियुक्त करने के लिए यह अनिवार्य होगा कि वह संबंधित बूथ की विधानसभा का पंजीकृत मतदाता हो। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि आयोग ने यह बदलाव मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य के दौरान पारदर्शिता बढ़ाने और गलत प्रविष्टियों को रोकने के उद्देश्य से किया है।

हर भाग के लिए एक बीएलए नियुक्त किया जा सकेगा

संजीव झा ने बताया कि आयोग के नए निर्देशों के तहत, मतदाता सूची के प्रत्येक भाग के लिए एक बूथ एजेंट राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त किया जा सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बीएलए उसी मतदाता सूची का पंजीकृत मतदाता होना चाहिए, जिसके लिए उसे नियुक्त किया गया है। यदि ऐसा व्यक्ति उपलब्ध नहीं है, तो उसी विधानसभा क्षेत्र का कोई पंजीकृत मतदाता बीएलए के रूप में नियुक्त किया जा सकता है। सीईओ झा ने कहा कि बीएलए की मुख्य भूमिका उस भाग की मतदाता सूची का गहन निरीक्षण करना होगी, जिसके लिए उसे नियुक्त किया गया है। बीएलए अपने क्षेत्र में मृत, स्थानांतरित या दोहरी प्रविष्टि वाले मतदाताओं की पहचान कर निर्वाचन कार्यालय को जानकारी देगा, जिससे मतदाता सूची को सटीक और अद्यतन बनाया जा सके।

2000 से 2015 तक की मैन्युअल रजिस्ट्री होंगी ऑनलाइन

भोपाल । मध्य प्रदेश में 50 लाख पुरानी मैन्युअल रजिस्ट्री को डिजिटल करने का काम शुरू कर दिया गया है। वर्ष 2000 से लेकर वर्ष 2015 तक की रजिस्ट्री प्रदेश के सभी जिलों में डिजिटलीकरण कर ऑनलाइन करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

जल्द ही 2000 से लेकर 2025 तक की रजिस्ट्री ऑनलाइन लोगों को उपलब्ध होंगी।

पंजीयन कार्यालय के अधिकारियों के अनुसार 2015 के पहले की मैनुअल रजिस्ट्री को डिजिटल किया जा रहा है। इसके लिए एक विशेष से सॉफ्टवेयर तैयार किया गया है। डिजिटल होने के बाद कोई भी व्यक्ति रजिस्ट्री की सत्य प्रतिलिपि ?300 जमा कर डाउनलोड कर सकेगा।

रजिस्ट्री कार्यालय द्वारा प्रथम चरण में भोपाल की 4 लाख इंदौर की 5 लाख ग्वालियर की 2 लाख और जबलपुर की 2 लाख रजिस्ट्री को डिजिटल किया जाएगा। विभाग का लक्ष्य 1995 के बाद की सभी मेन्युअल रजिस्ट्रियां ऑनलाइन उपलब्ध हो।

उल्लेखनीय है अगस्त 2015 से प्रदेश में ई रजिस्ट्री प्रणाली लागू है। संपदा सॉफ्टवेयर के माध्यम से सभी रजिस्ट्री डिजिटल तैयार की जा रही हैं। इससे लोगों का समय भी बच रहा है, तथा धोखाधड़ी से भी बचा जा सकेगा। अब विभाग द्वारा 2000 से 2015 के बीच की सभी मैन्युअल रजिस्ट्री का डिजिटलीकरण शुरू कर दिया गया है।

किसानों के लिए सम्मान और समृद्धि का प्रतीक बनी भावान्तर योजना - मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भावांतर भुगतान, अन्नदाता के उत्थान का पर्याय है। अन्नदाता को दी गई एमएसपी की गारंटी की पूर्ति करते हुए सोयाबीन भावांतर योजना में 1 लाख 33 हजार किसानों के खाते में 233 करोड रुपए की राशि अंतरित की गई है। यह इस बात का प्रमाण है कि हमने जो कहा उसे कर दिखाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश में अनेक किसान हितैषी योजनाएं संचालित की जा रही है। मध्यप्रदेश किसानों को उपज का उचित लाभ दिलवाने के लिए भावान्तर योजना लागू करने वाला देश का पहला राज्य है। पिछले साल सोयाबीन का भाव 4800 रुपए था, इस बार किसानों को 500 रुपए प्रति क्विंटल का लाभ देकर 5300 रुपए से अधिक कीमत पर सोयाबीन खरीदा जा रहा है। भावान्तर योजना के लिए प्रदेश में 9 लाख से अधिक किसानों ने सोयाबीन बेचने के लिए पंजीयन किया। आज 1.33 लाख किसानों के खाते में राशि भेजी गई है। हमारी सरकार ने योजना की शुरुआत करने के 15 दिन में ही किसानों से किया वादा पूरा किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को देवास से प्रदेश के 1.33 लाख सोयाबीन उत्पादक किसानों को भावान्तर योजना के अंतर्गत 233 करोड़ रुपए की राशि अंतरित करने के बाद विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ कर कन्या-पूजन भी किया। वंदे मातरम के गान ने वातावरण को देशभक्ति की भावना का संचार किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने देवास जिले के सर्वांगीण विकास के लिए 183.25 करोड़ लागत के विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया। साथ ही हितग्राहियों को जैविक खेती, कृषि यंत्र एवं पीएमएफएमई सहित विभिन्न योजनाओं में हितलाभ वितरित किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कृषि यंत्रों एवं जैविक खेती को प्रोत्साहित करने वाली प्रदर्शनी का शुभारंभ कर अवलोकन किया।

220 से अधिक मुख्य और 80 उप मंडियों में की जा रही खरीदी - सारी प्रक्रिया ई-मंडी पोर्टल पर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में वर्ष-2026 को कृषि आधारित उद्योग वर्ष के रूप में मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि भावांतर योजना पंजीकृत किसान 15 जनवरी तक अपनी सोयाबीन मंडियों में बेच सकेंगे। पूरे प्रदेश में 220 से अधिक मुख्य मंडियों और 80 उप मंडियों में खरीदी की जा रही है। रेट पारदर्शी तरीके से तय हो रहे हैं, सारी प्रक्रिया ई-मंडी पोर्टल पर है, किसान का डाटा अपने आप दिख रहा है, पैसा सीधे ऑनलाइन खाते में पहुंचने की व्यवस्था की गई है और हर कदम पर रियल टाइम एंट्री और सीसीटीवी से निगरानी की जा रही है। किसानों की सुविधा के लिए भावांतर कॉल सेंटर भी स्थापित किया गया है। भावांतर योजना लागू होने से फसल बेचने में किसानों को होने वाली कई परेशानियां दूर हो गई हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में एक दिसंबर को गीता जयंती भी पूरी भव्यता के साथ मनाई जाएगी। प्रदेश के नगरों में गीता भवन बनाए जा रहे हैं। साथ ही प्रत्येक विकासखंड में वृंदावन ग्राम बनाए जाएंगे।

नरवाई की समस्या के निदान के लिए लगाए जा रहे हैं कम्प्रेस्ट बायो गैस प्लांट

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे लिए धरती पुत्र किसान और सीमा पर जवान, दोनों समान सम्मान का भाव रखते हैं। धरती पुत्र किसानों से देश की विशेष पहचान बनी है। किसानों की समृद्धि के लिए राज्य सरकार खेती के साथ-साथ गोपालन को भी प्रोत्साहित कर रही है। किसान प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए पंजीयन कराएं और 4 हजार रुपए प्रति एकड़ अनुदान का लाभ उठाएं। प्रदेश में दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना शुरू की गई है। योजना में अगर कोई किसान 40 लाख रूपए लागत का डेयरी व्यवसाय शुरू करता है तो राज्य सरकार की ओर से 10 लाख रुपए की सब्सिडी दी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों के लिए नरवाई की समस्या खत्म करने की दिशा में कदम उठाते हुए प्रदेश में कम्प्रेस्ड बायोगैस प्लांट का शुभारंभ किया गया है।

बहनों का आर्थिक सशक्तिकरण सनातन संस्कृति का गौरव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार 12 नवम्बर को लाड़ली बहनों को जारी बढ़ी हुई राशि का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश की बहनों और किसानों को लगातार सौगातें मिल रही हैं। बहनों का आर्थिक सशक्तिकरण सनातन संस्कृति का गौरव है। भारत दुनिया का एक मात्र देश है, जो मातृ सत्ता को स्वीकार करता है। उन्होंने कहा कि जहां देवियों का वास है, वही देवास है। उन्होंने देवास स्थित नोट प्रेस का उल्लेख करते हुए कहा कि यहां के नोट दुनिया में भारत का मान बढ़ाते हैं। भले ही नोट अर्थव्यवस्था को गति देते हों, लेकिन सोयाबीन, कपास और गेहूं का उत्पादन देश की अर्थव्यवस्था को आधार प्रदान करता है। कृषि उत्पादन में मध्यप्रदेश का योगदान देश में महत्वपूर्ण है।

राज्य सरकार ने मोटे अनाज श्रीअन्न पर दिया बोनस

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने मोटा अनाज श्रीअन्न खरीदने के लिए मंडला, बालाघाट, जबलपुर सहित 11 जिलों के लिए किसानों को कोदो-कुटकी पर 1000 रुपए प्रति क्विंटल बोनस दिया है। धान और गेहूं उत्पादक किसानों को भी बोनस का लाभ मिला है, चरणबद्ध रूप से गेहूं की कीमतें बढ़ाई जा रही है।

मॉडल खुशबू की मौत का मामला

लिवइन पार्टनर को भेजा जेल

भोपाल। राजधानी भोपाल में रहकर मॉडलिंग करने वाली युवती की संदिग्ध हालात में मौत के मौत के मामले में पुलिस ने उसके लिवइन पार्टनर कासिम अहमद के खिलाफ गाली-गलौज, मारपीट, धमकाने, मध्यप्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता विधेयक अधिनियम सहित एट्रो सिटी एक्ट की धाराओ में मामला कायम कर उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मॉडल खुशबू अहिरवार उर्फ खुशी की बहन ताराबाई अहिरवार की शिकायत पर मामले की असल कायमी छोला मंदिर थाने में की गई है। इससे पहले खजूरी सड़क थाने में जीरो पर दर्ज प्रकरण किया गया, बाद में खजूरी पुलिस ने केस डायरी के साथ आरोपी को भी थाना पुलिस को सौंपा था। छोला पुलिस ने 11 नवंबर की रात प्रकरण दर्ज कर 12 नवंबर की सुबह उसकी आधिकारिक तौर पर गिरफ्तारी कर कोर्ट में पेश किया जहां से अदालत ने कासिम अहमद को जेल भेजने के आदेश दिए। जानकारी के अनुसार मॉडलिंग का काम करने वाली खुशब अहिरवार उर्फ खुशी की उज्जैन से भोपाल आते समय तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई थी। परिवार वालो ने लव जिहाद का आरोप लगाते हुए कासिम पर मारपीट कर उसकी हत्या करने का आरोप लगाया है। आरोपी कासिम शाहजहांनाबाद इलाके में रहते हुए निशातपुरा स्थित करोद में कैफे चलाता है। उसकी दुकान पर खुशबू अहिरवार अक्सर विदिशा में रहने वाली बहन और माता-पिता को पैसा पहुंचाने के लिए आती थी। इसी दौरान उनके बीच पहले दोस्ती और फिर प्रेम प्रसंग शुरु हो गया। कुछ महीने पहले खुशबू और कासिम लिव इन में रहने लगे थे। युवती की पीएम रिपोर्ट में उसके गर्भवती होने और फैलोपियन ट्यूब के फटने से मौत होने की बात सामने आई है। हालांकि पुलिस का कहना है कि मामले में फूल पीएम रिपोर्ट के साथ ही ब्लड, डीएनए और बिसरा रिपोर्ट मिलने के बाद वह कोई ठोस निर्णय पर पहुंच सकेगी।

हाईटेंशन लाइनों पर लगवाए बर्ड सेफ्टी डिवाइस

- पक्षियों की मौत या घायल होने के बाद पर्यावरणविदों की मांग पर ऊर्जा विभाग ने की अभिनव पहल

– डेढ़ लाख से अधिक बर्ड गाड्र्स टॉवरों पर लगवाए

भोपाल। बिजली लाइनों, खासकर हाईटेंशन पर पक्षियों की मौत या घायल होने की खबरें आती रहती हैं, जिसके चलते पर्यावरण और पक्षी प्रेमियों ने की मांग पर ऊर्जा विभाग ने एक अनूठी पहल करते हुए भोपाल सहित प्रदेशभर में एक्स्ट्रा हाईटेंशन ट्रांसमिशन लाइनों पर बर्ड सेफ्टी डिवाइस लगाने की शुरुआत की। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कम्पनी यानी एमपी ट्रांसको की इस पहल का उद्देश्य पक्षियों की मृत्यु दर में कमी लाना, अनावश्यक ट्रिपिंग रोकना और ग्रिड की विश्वसनीयता को और भी बढ़ाना है। अभी बर्ड हिटिंग या अन्य कारणों से बिजली सप्लाय भी प्रभावित होता है।

वन क्षेत्रों, जलाशयों और प्रवासी मार्गों से होकर गुजरने वाली ट्रांसमिशन लाइनें लंबे समय से पक्षियों के लिए खतरा बनी हुई थीं। विशेषकर बड़े आकार के पक्षी जैसे भारतीय सारस और ग्रेट इंडियन बस्टर्ड जैसी संकटग्रस्त प्रजातियां विद्युत प्रवाह के संपर्क या टकराव से अक्सर हताहत होती रही हैं। पर्यावरणविदों और वन्यजीव विशेषज्ञों की चिंताओं के मद्देनजर एमपी ट्रांसको ने उन्नत सुरक्षात्मक तकनीकें अपनाई हैं। टावरों पर लगाए जाने वाले सुरक्षा कवच, जो पक्षियों को लाइव कंडक्टर या खतरनाक हिस्सों से संपर्क करने से रोकते हैं। इंसुलेटरों पर लगाए जाने वाले रिंग-टाइप उपकरण, जो पक्षियों को संवेदनशील स्थानों पर बैठने से रोकते हैं। कंडक्टरों पर लगाए जाने वाले परावर्तक और गतिशील मार्कर, जो उड़ान के दौरान पक्षियों को चेतावनी देते हैं। अब तक 1,000 किलोमीटर से अधिक संवेदनशील ट्रांसमिशन लाइनों पर ये उपकरण लगाए जा चुके हैं। प्रारंभिक परिणाम बताते हैं कि इन क्षेत्रों में पक्षी टकराव की घटनाओं और विद्युत आपूर्ति में अवरोध दोनों में कमी आई है। 1,53,384 बर्ड गाड्र्स टावरों पर लगाए गए।

भावांतर योजना में आज बढ़कर 4130 रुपए मॉडल रेट जारी

भोपाल। भावांतर योजना 2025 अंतर्गत सोयाबीन विक्रेता किसानों के लिए आज 13 नवंबर को 4130 रुपए प्रति क्विंटल का मॉडल रेट जारी किया गया है। यह मॉडल रेट उन किसानों के लिए है जिन्होंने अपनी सोयाबीन की उपज मंडी प्रांगणों में विक्रय की है। इस मॉडल रेट के आधार पर ही भावांतर की राशि की गणना की जाएगी। मॉडल रेट में लगातार वृद्धि जारी रही। पहला मॉडल रेट 7 नवंबर को 4020 रुपए प्रति क्विंटल जारी किया गया था। इसी तरह 8 नवंबर को 4033 रुपए, 9 और 10 नवंबर को 4036 रुपए, 11 नवंबर को 4056 रुपए तथा 12 नवंबर को 4077 रुपए प्रति क्विंटल का मॉडल रेट जारी हुआ।

पूर्व विधायक-संगठन कार्यकर्ता भी रेस में

मप्र में जल्द शुरू होंगी राजनीतिक नियुक्तियां, एक व्यक्ति-एक पद फॉर्मूले को सहमति

भोपाल। मध्य प्रदेश में बिहार चुनाव के बाद राजनीतिक नियुक्तियां शुरू हो जाएंगी। बीजेपी के एक पद फॉर्मूले को केंद्रीय संगठन की सैद्धांतिक सहमति मिल गई है। निगम-मंडल और प्राधिकरणों की सूची में कई पूर्व विधायक और मंत्रियों के नाम शामिल है। बताया जा रहा है कि लिस्ट तैयार हो चुकी है, जल्द ही इस पर केंद्र की मुहर लगेगी।

एमपी में निगम मंडलों में नियुक्तियों का इंतजार जल्द ही खत्म होने वाला है। बताया जा रहा है कि बिहार चुनाव के बाद राजनीतिक नियुक्तियां शुरू होगी। जिसमें सत्ता, संगठन, क्षेत्रीय और जातिगत समीकरण का समावेश होगा। नई सियासी नियुक्तियों को लेकर सीएम डॉ मोहन यादव दिल्ली दौरे पर भी जा चुके हैं।

इन पूर्व मंत्री के नाम लगभग फाइनल!

खबर है कि एक पद फॉर्मूल को केंद्रीय संगठन से सैद्धांतिक सहमति मिल चुकी हैं। यह भी बताया जा रहा है कि नियुक्तियों की सूची लगभग तैयार हो चुकी हैं। जिसमें कई पूर्व विधायक और मंत्रियों के नाम शामिल है। पूर्व मंत्री अरविंद भदौरिया, रामनिवास रावत, इमरती देवी के नाम लगभग फाइनल बताए जा रहे हैं। इसके अलावा पूर्व मंत्री उमाशंकर गुप्ता, अंचल सोनकर के नामों पर भी चर्चा है, हालांकि अभी अंतिम फैसला नहीं हुआ है।

ये भी दौड़ में शामिल

वहीं पूर्व विधायक और संगठन कार्यकर्ताओं की भी लंबी फेहरिस्त है। इनमें ध्रुवनारायण सिंह, संजय शुक्ला, अलकेश आर्य, कलसिंह भाबर के नामों की चर्चा है। वहीं पूर्व संगठन मंत्री आशुतोष तिवारी, पूर्व संभागीय प्रभारी विजय दुबे, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य केशव भदौरिया, पूर्व प्रदेश महामंत्री विनोद गोटिया, पूर्व जिला अध्यक्ष गौरव सिरोठिया, प्रदेश कार्यसमिति श्याम सुंदर शर्मा, जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष संजय नगाइच, पूर्व निगम अध्यक्ष शैतान सिंह पाल और सुनील पांडे के नाम शामिल हैं। आपको बता दें कि फरवरी 2024 में सभी 46 निगम, मंडल की राजनीतिक नियुक्ति रद्द की गई थी।

भोपाल ननि और कलेक्टर को लगाई फटकार

वेटलैण्ड संरक्षण नियमों का पालन नहीं, लापरवाही पर एनजीटी नाराज

भोपाल। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) की भोपाल स्थित केंद्रीय पीठ ने भोज वेटलैण्ड (भोपाल वेटलैण्ड) के संरक्षण नियमों में लापरवाही बरतने पर भोपाल नगर निगम और कलेक्टर को कड़ी फटकार लगाई है। यह झील अंतरराष्ट्रीय महत्व की रामसर साइट है और पर्यावरणीय दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र मानी जाती है। यह मामला पर्यावरण कार्यकर्ता राशिद नूर खान द्वारा दायर किया गया था, जिनकी ओर से अधिवक्ता हर्षवर्धन तिवारी ने पक्ष रखा। सुनवाई न्यायमूर्ति शिव कुमार सिंह और विशेषज्ञ सदस्य सुधीर कुमार चतुर्वेदी की पीठ ने की। अधिकरण ने भोपाल कलेक्टर को आदेश दिया कि वे इस पूरी कार्रवाई की व्यक्तिगत निगरानी करें और यह सुनिश्चित करें कि झील क्षेत्र से सभी अवैध कब्जे और निर्माण हटाए जाएं। यह मामला अब 17 दिसंबर 2025 को अगली सुनवाई के लिए तय किया गया है। तब तक नगर निगम और कलेक्टर को अपनी अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता हर्षवर्धन तिवारी ने कहा कि यह आदेश भोपाल की झीलों की रक्षा और पर्यावरणीय न्याय की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि इससे भोज वेटलैण्ड जैसी अमूल्य प्राकृतिक धरोहर को निजी स्वार्थों और अवैध शहरी विस्तार से बचाया जा सकेगा।

अवैध निर्माण और गंदे पानी से बिगड़ रहा पर्यावरण

एनजीटी ने अपने आदेश में कहा कि भोज वेटलैण्ड क्षेत्र में अवैध निर्माण, अतिक्रमण और गंदे पानी का प्रवाह लगातार जारी है। यह न केवल पर्यावरणीय कानूनों का उल्लंघन है, बल्कि प्रशासनिक जिम्मेदारी की भी अनदेखी है। पीठ ने कहा कि 7 अक्टूबर 2025 को दिए गए आदेश के बाद भी अतिक्रमण हटाने की दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। नगर निगम ने बताया कि 38 अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किए गए हैं, लेकिन आगे की कार्यवाही अभी बाकी है। इस पर एनजीटी ने नाराजगी जताई।

यश बने मप्र युवा कांग्रेस के नए अध्यक्ष और अभिषेक वरिष्ठ उपाध्यक्ष

भोपाल। मध्य प्रदेश युवा कांग्रेस को नया नेतृत्व मिल गया है। जबलपुर के यश घनघोरिया को प्रदेश युवा कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि भोपाल के अभिषेक परमार को वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। बुधवार देर रात भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब ने साक्षात्कार प्रक्रिया पूरी होने के बाद नियुक्ति की घोषणा की।

यहां बताते चलें कि यश घनघोरिया ने प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए हुए चुनाव में सबसे अधिक 3.36 लाख वोट हासिल कर पहला स्थान प्राप्त किया था। वे जबलपुर पूर्व से विधायक और पूर्व मंत्री लखन घनघोरिया के पुत्र हैं तथा पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ के समर्थक माने जाते हैं। यश को अधिकांश विधायकों और संगठन के वरिष्ठ नेताओं का समर्थन हासिल रहा है। उनके पक्ष में सबसे अधिक सदस्य जुड़े थे, जिससे उनकी जीत लगभग तय मानी जा रही थी।

इस चुनाव में दूसरे स्थान पर भोपाल के अभिषेक परमार रहे जबकि तीसरे स्थान पर सीधी के देवेंद्र सिंह दादू और चौथे स्थान पर ग्वालियर के शिवराज यादव रहे। संगठन के नियमों के अनुसार, तीनों को उपाध्यक्ष बनाया गया है। दिल्ली में 09 नवंबर को हुए साक्षात्कार के बाद यश घनघोरिया को प्रदेश अध्यक्ष का पत्र सौंपकर औपचारिक रूप से पदभार सौंप दिया गया।

यश करेंगे प्रदेश कार्यकारिणी का गठन

अब यश घनघोरिया प्रदेश कार्यकारिणी का गठन करेंगे। इसके साथ ही जिन जिला अध्यक्षों का चुनाव हुआ है, वे भी अपनी-अपनी जिला कार्यकारिणी की घोषणा करेंगे।

युवा कांग्रेस के इस चुनाव में प्रदेशभर के युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। गौरतलब है कि कुल 15,37,527 युवाओं ने सदस्यता अभियान के दौरान फॉर्म भरे थे, जिनमें से 14,74,374 ने शुल्क जमा कर सक्रिय सदस्यता ली। यह पूरी प्रक्रिया अप्रैल से जुलाई तक ऑनलाइन माध्यम से चलाई गई थी। विश्लेषकों का कहना है कि नव नियुक्त पदाधिकारियों पर सबसे बड़ी जिम्मेदारी युवाओं को पार्टी गाइडलाइन के आधार पर सक्रिय करने की होगी।

महाकौशल में खुशी का माहौल

यश घनघोरिया की जीत से जबलपुर खासकर महाकौशल क्षेत्र में खुशी का माहौल है। समर्थकों ने ढोल-नगाड़ों के साथ जश्न मनाया और मिठाई बांटी। वहीं राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यश की नियुक्ति से संगठन में नई ऊर्जा का संचार होगा और कांग्रेस युवाओं के बीच अपनी पकड़ और मजबूत कर सकेगी।

भारत दक्षिण अफ्रीका पहला टेस्ट आज से

ईडन गार्डन मैदान में सुबह 9.30 बजे से शुरु होगा मुकाबला

कोलकाता। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच शुक्रवार से यहां पहला क्रिकेट टेस्ट मैच ऐतिहासिक ईडन गार्डन के मैदान पर खेला जाएगा। इस मैच में दोनो ही टीम जीत के इरादे से उतरेंगी। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) को देखते हुए भी ये सीरीज बेहद अहम मानी जा रही है। इस मैच से आक्रमक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत वापसी करेंगे। वह इंग्लैंड दौरे में अंगूठे में हुए फ्रैक्चर के बाद से ही टीम से बाहर थे। ऐसे में सभी की नजरें उनके उपर रहेंगी। इसके अलावा भारत ए की ओर से शानदार प्रदर्शन करने वाले ध्रुप जुरेल भी इस मैच में खेलेंगे।

इस मैच में भारतीय टीम के बल्लेबाजों को दक्षिण अफ्रीकी टीम के तेज ओर स्पिन आक्रमण का सामना करना होगा। इस मैदान पर स्पिनरों को सहायता मिलती है जिसका लाभ दक्षिण अफ्रीकी स्पिनर उठाना चाहेंगे। दक्षिण अफ्रीका गेंदबाजी आक्रमण की धार इस समय स्पिनरों पर निर्भर है और ऐसे में भारतीय बल्लेबाजों को सावधान रहना होगा। दक्षिण अफ्रीकी के पास अधिकतर समय अच्छे तेज गेंदबाज रहे हैं पर इस बार टीम स्पिनरों के भरोसे है। पाकिस्तान के खिलाफ हाल ही में उसने सीरीज 1-1 से ड्रॉ खेली थी। उसमें उसके मुख्य स्पिनरों केशव महाराज, साइमन हार्मर और सेनुरान मुथुस्वामी ने 39 में से 35 विकेट लिए थे।

वहीं भारतीय टीम के सहायक कोच रियान टेन डोइशे ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों का तरीका उपमहाद्वीप के गेंदबाजों के समान है। उन्होंने कहा, 'उनके पास चार स्पिनर हैं जिनमे से वे तीन को उतार सकते हैं। ऐसा लग रहा है कि हम उपमहाद्वीप की किसी टीम के खिलाफ खेलने वाले हैं। उन्होंने कहा, 'हमने इस पर बात की है। हमने न्यूजीलैंड के खिलाफ खराब प्रदर्शन वाली सीरीज से सबक लिया है। दक्षिण अफ्रीकाा के गेंदबाज हार्मर भी 1000 प्रथम श्रेणी विकेट ले चुके हैं और भारत के हालात को जानते हैं।

दस साल पहले हाशिम अमला की कप्तानी में इस गेंदबाज ने दो टेस्ट खेलकर चेतेश्वर पुजारा, रोहित शर्मा और रिधिमान साहा के विकेट लिए थे। एक दशक बाद भी वह उतने ही चतुर गेंदबाज हैं। उन्होंने रावलपिंडी में में 8 विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका को जीत दिलाई और सीरीज ड्रॉ भी कराई। वहीं केशव महाराज सबसे सटीक और आक्रामक स्पिनरों में से एक हैं। ऐसे में भारतीय बल्लेबाजों और दक्षिण अफ्रीका के स्पिनरों के बीच मुकाबला रोमांचक होना तय है।

ईडन की पिच से स्पिनरों का पहले भी सहायात मिलती रही है। वहीं बंगाल क्रिकेट संघ के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा है कि यह टर्निंग पिच नहीं होगी। इससे जसप्रीत बुमराह को सहायता मिल सकती है। बुमराह आम तौर पर शुरूआत में मूवमेंट और बाद में रिवर्स स्विंग देने वाली पिच पर भारत के तुरप का इक्का साबित हो सकते हैं। भारतीय टीम इस मैच में दो तेज गेंदबाजों को उतार सकता है और घरेलू मैदान होने से युवा तेज गेंदबाज आकाश दीप को भी इसमें अवसर मिल सकता है।

शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम से यहां सभी को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। उसने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था वेस्टइंडीज की कमजोर टीम को 2-0 से हराने पर उसे विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र में अधिक लाभ नहीं मिला है । ऐसे में वह इस सीरीज मे जीत चाहेगी। ऋषभ इस सीरीज से वापसी करते हुए अच्छी बल्लेबाजी करना चाहेंगे। उनके अलावा जुरेल के बतौर बल्लेबाज खेलने से भी भारत का मध्यक्रम मजबूत हुआ है। न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला में 16 विकेट लेने वाले वॉशिंगटन सुंदर भी इस सीरीर में अंतर पैदा करेंगे। वहीं दूसरी ओर तेम्बा बावुमा की कप्तानी वाली दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी एडेन माक्ररम, रियान रिकेलटन, ट्रिस्टन स्टब्स , काइल वेरेने , डेवाल्ड ब्रेविस पर निर्भर करेगी। इसके अलावा टीम के पास कोर्बिन बोश, वियान मूल्डर, मार्को यानसेन जैसे अच्छे खिलाड़ी हैं। कुल मिलाकर ये मुकाबला रोमांचक रहना तय है

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :-

भारत - शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, साइ सुदर्शन, ऋषभ पंत, ध्रुव जुरेल, रविंद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, आकाश दीप, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, देवदत्त पडिक्कल

दक्षिण अफ्रीका - तेम्बा बावुमा (कप्तान), एडेन माक्ररम, रियान रिकेलटन, ट्रिस्टन स्टब्स , काइल वेरेने , डेवाल्ड ब्रेविस, जुबैर हमजा, टोनी डि जोर्जी, कोर्बिन बोश, वियान मूल्डर, मार्को यानसेन, केशव महाराज, सेनुरान मुथुस्वामी , कैगिसो रबाडा, साइमन हार्मर

न्यूज़ीलैंड ने पांचवे मैच में वेस्टइंडीज को हराकर टी20 सीरीज जीती

डफी रहे प्लेयर ऑफ द मैच

डुनेडिन। जैकब डफी के शानदार प्रदर्शन से न्यूजीलैंड ने यहां खेले गए पांचवें टी20 क्रिकेट मैच में वेस्टइंडीज को 8 विकेट से हराकर 3-1 से सीरीज जीत ली है। इस मैच में मेजबान न्यूजीलैंड टीम को ने जीत के लिए 141 रनों का लक्ष्य मिला था जिसे कीवी टीम ने 2 विकेट के नुकसान पर 16 ओवरों में ही हासिल खोकर हासिल कर लिया। इस मैच में कीवी टीम की जीत में डफी की अहम भूमिका रही। इस मैच में वेस्टइंडीज की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड के सामने टिक नहीं पायी। और 18.4 ओवर में 140 रनों पर सिमट गयी। उसकी ओर से केवल रोस्टन चेज ही 38 रन, रोमारियो शेफर्ड 36 रन और जैसन होल्डर 20 रन बना पाये। इस प्रकार टीम किसी प्रकार 140 रनों तक पहुंची। न्यूजीलैंड की ओर से डफी ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए जबकि दो विकेट जेम्स नीशम को मिले। वहीं काइल जैमिसन, ईश सोढ़ी, मिचेल सैंटर और माइकल ब्रेसवेल को 1-1 विकेट मिला।

इसके बाद जीत के लिए मिले 141 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए कीवी टीम की शुरुआत अच्छी रही और उसे सलामी बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 69 रन जोड़े। टिम रॉबिन्सन ने तेजी से 45 रन बनाये। वह रोमारियो शेफर्ड को शिकार रने। 106 के स्कोर पर रचिन रविंद्र के रूप में न्यूजीलैंड का दूसरा विकेट गिरा। वह 21 रन बनाकर आउट हुए। उसके बाद डेवन कॉनवे और मार्क चैपमैन ने टीम को 8 विकेट से जीत दिलाई। कॉनवे ने 42 रनों में नाबाद 47 रन बनाए जबकि मार्क चैपमैन ने 13 गेंद में 21 रन बनाये।

इस सीरीज के पहले मुकाबले में वेस्टइंडीज ने 7 रन से जीत दर्ज की थी। उसके बाद टीम सीरीज में एक भी मैच नहीं जीत पाई। न्यूजीलैंड ने दूसरे टी20 मुकाबले को 3 रन से, तीसरे मैच को 9 रन से और आखिरी मैच को 8 विकेट से जीता। चौथा टी20 मैच बारिश की वजह से नहीं हो पाया था।

2026 सत्र के लिए बोल्ट और दीपक चाहर को रिटेन नहीं करेगी मुम्बई इंडियंस - हेडन

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर मैथ्यू हेडन ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सत्र में मुंबई इंडियंस की टीम तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट और दीपक चाहर को बाहर कर देगी। हेडन ने कहा, मुंबई इंडियंस के पास एक संतुलित अंतिम ग्यारह है पर इसके बाद भी उसे जीत के लिए उसे कुछ कठिन फैसले लेने होंगे, जिसमें न्यूजीलैंड के बोल्ट को रिलीज करना भी शामिल है। बोल्ट को पिछले सत्र में मुंबई की टीम ने 12.50 करोड़ में खरीदा था और उन्होंने सीजन में कुल 22 विकेट लिए थे। बोल्ट पावर प्ले में अपनी कसी हुई गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में टीम के लिए उन्हें बाहर करना कठिन फैसला होगा। ये भी हो सकता है कि मुंबई उन्हें मिनी निलामी में कम कीमत पर खरीदे। बोल्ट के अलावा मुंबई इंडियंस से दीपक चाहर भी बाहर होंगे। हेडन का मानना है कि चाहर को रिलीज कर टीम कम पैसों में किसी अच्छे तेज गेंदबाज को नीलामी में शामिल कर सकती है। चाहर को मुंबई की टीम ने आईपीएल 2025 में 9.25 करोड़ में खरीदा था पर वह टीम के लिए फायदेमंद नहीं रहे। वह सत्र में केवल 11 विकेट ले पाए थे। इसी को देखते हुए हेडन का मानना है कि चाहर को रिलीज किया जाएगा जिससे मिनी नीलामी में किसी युवा खिलाड़ियों को बैक अप के तौर पर खरीदा जा सके। पांच बार की विजेता मुम्बई इंडियंस का पिछला सत्र अच्छा नहीं रहा था। ऐसे में वह इस बार टीम संयोजन में कमी नहीं रखना चाहेगी।

एशेज से पहले हेजलवुड और एबॉट के भी चोटिल होने से ऑस्ट्रेलियाई टीम की मुश्किलें बढ़ीं

कप्तान कमिंस पहले ही टीम से बाहर चल रहे

सिडनी। इंग्लैंड के खिलाफ इसी माह शुरु हो रही एशेज सीरीज से ठीक पहले ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम की मुश्किलें बढ़ गयी है। ऑस्ट्रेलिया के चोटिल खिलाड़ियों की संख्या बढ़ती जा रही है। एक अन्य तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड और सीन एबॉट भी चोटिल होकर बाहर हो गये हैं। हेजलवुड शेफील्ड शील्ड मुकाबले के दौरान चोटिल हुए हैं। वहीं कप्तान और तेज गेंदबाज पैट कमिंस पहले से ही चोटिल हैं और फिटनेस हासिल करने का प्रयास कर रहे हैं।

न्यू साउथ वेल्स और विक्टोरिया के बीच सिडनी में चल रहे शेफील्ड शील्ड मुकाबले के तीसरे दिन लंच के बाद ही हेजलवुड और सीन एबॉट मैदान से बाहर चले गए और फिर वापस नहीं लौटे। दोनों गेंदबाजों के अचानक मैदान से बाहर जाने ने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम की चिन्ताएं बढ़ गयी हैं हालांकि, उनकी चोटों की गंभीरता पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है पर ये सब ऐसे समय में हुआ है जब टीम पहले से ही चयन से जुड़ी परेशानी का सामना कर रही है।

हेजलवुड और एबॉट दोनों ही एशेज सीरीज के पहले टेस्ट के लिए टीम के प्रमुख गेंदबाज हैं। दोनों खिलाड़ियों का मैच से बाहर होना चिंता का विषय है। क्योंकि कमिंस पहले ही पीठ की चोट के कारण एशेज के पहले टेस्ट से बाहर हो गये हैं। कमिंस की जगह पहले टेस्ट में बल्लेबाज स्टीव स्मिथ टीम की कमान संभालेंगे।

पहले एशेज टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की 15 सदस्यीय टीम में 30 वर्ष से अधिक आयु के 14 खिलाड़ी शामिल हैं। उनके स्पिन आक्रमण की कमान 38 साल के नाथन लियोन करेंगे। वहीं तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क 35, हेजलवुड 34 और स्कॉट बोलैंड 36 साल के हैं।

भारत में जीत के साथ ही इतिहास रचेगी दक्षिण अफ्रीकी टीम - कोच कॉनराड

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल जैसी होगी ये सीरीज

कोलकाता। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के मुख्य कोच शुक्री कॉनराड ने कहा है कि उनकी टीम भारत के खिलाफ शुक्रवार से शुरु हो रही दो टेस्ट मैचों की सीरीज में जीत के इरादे से उतरेगी। कॉनराड के अनुसार उनकी टीम के पास काफी अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज है जिससे वह भारतीय टीम को कड़ी चुनौती देंगे।

कोच के अनुसार केशव महाराज, सेनुरन मुथुस्वामी और साइमन हार्मर जैसे स्पिनर उनके पास है जो भारतीय बल्लेबाजों की परीक्षा लेंगे। ऐसे में उनकी टीम के पास इस सीरीज को जीतने का अच्छा अवसर है। उन्होंने कहा कि ये सीरीज ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुई विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल (डब्लयूटीए) जैसी ही रहेगी। उन्होंने कहा, 'हमने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फाइनल जीता था जो बहुत बड़ी जीत थी। मैं इस सीरीज और इस मैच की तुलना उस फाइनल से करता हूं। कॉनराड ने कहा कि भारतीय टीम के खिलाफ उसी की धरती पर खेलना आसान नहीं है। उन्होंने कहा, 'भारत में खेलना वैसे भी कड़ी चुनौती है और जब आप ईडन गार्डन्स जैसे प्रतिष्ठित मैदान पर खेलते हैं तो यह चुनौती और भी कड़ी हो जाती है। मुझे नहीं लगता कि हमारे सामने इससे बड़ी कोई और चुनौती हो सकती है।

दक्षिण अफ्रीकी स्पिनरों ने हाल में पाकिस्तान दौरे पर अच्छा प्रदर्शन किया था जिससे भी कोच उत्साहित हैं। उन्हें उम्मीद है कि टीम अपने उस प्रदर्शन को दोहरायेगी। कॉनराड ने कहा, 'क्या अच्छे स्पिनर होने से पूरे मुकाबले का रोमांच बढ़ जाता है। मुझे लगता है कि इससे हमें काफी आत्मविश्वास मिलता है। उन्होंने कहा, 'मैं यह नहीं कह रहा हूं कि पहले हमारे पास अच्छे स्पिनर नहीं थे पर अब हमें निश्चित रूप से लगता है कि केशव, साइमन और सेन के रूप में हमारे पास और भी अच्छे स्पिनर हैं। ऐसे में अगर हालात ठीक रहे तो हम अनुभव करेंगे कि हमारे पास भारतीय टीम को चुनौती देने के लिए पर्याप्त क्षमता है। ऐसे में हमें पूरा विश्वास है कि हम दो दशक के बाद भारत में नया इतिहास रच सकते हैं।

दक्षिण अफ्रीकी कोच को भरोसा है कि उनके खिलाड़ियों के आईपीएल में खेलने के अनुभवों का लाभ टीम को इस सीरीज में मिलेगा। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि पहले जब आप भारत में नए खिलाड़ी के रूप में आते थे तो यहां के हालातों से हैरान हो सकते थे पर अब हमारे खिलाड़ियों के पास आईपीएल में खेलने का पर्याप्त अनुभव है और वे यहां के हालातों को लेकर सहज हैं। कॉनराड ने कहा, 'मुझे पूरा विश्वास है कि इससे हमारे लिए हालातों के अनुकूल ढलना थोड़ा आसान हो जाएगा। हमारे अधिकतर खिलाड़ियों के लिए यह कोई नई बात नहीं है और यह मुकाबला बराबरी का होगा। उन्होंने कहा कि तेज गेंदबाज भी इसी सीरीम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

गंभीर के बचाव में उतरे पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज बिस्ला

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर पर युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा के समर्थन के आरोप लगते रहे हैं। पूर्व कप्तान कृष्णमाचारी श्रीकांत सही कई अन्य दिग्गजों का भी कहना है कि राणा को गंभीर के कारण ही जगह मिल रही है जबकि उनसे बेहतर गेंदबाज टीम से बाहर है। इसी को लेकर पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज मनविंदर बिस्ला अब गंभीर के बचाव में उतरे हैं। बिस्ला ने कहा कि बेहतर प्रदर्शन के कारण ही राणा को टीम में जगह मिली है। गंभीर का इसमें कोई हाथ नहीं है। वहीं कई लोगों का मानना है कि गंभीर युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा का इसलिए समर्थन करते हैं क्योंकि वह कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) में रहे हैं जिसमें गंभीर कोच थे। इसी कारण राणा को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भी जगह मिली। वहीं केकेआर के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज रहे बिस्ला ने पक्षपात के आरोपों को पूरी तरह गलत बताया और कहा कि इस प्रकार की बातें आधारहीन हैं।

बिस्ला ने कहा, 'जो लोग राणा का विरोध कर रहे हैं वे केकेआर के प्रशंसक नहीं होंगे। मैं

यह ईमानदारी से कह रहा हूं। हर कोई इसे इस तरह से जोड़ता है कि गंभीर केकेआर में रहे हैं, इसलिए वह हर्षित का समर्थन कर रहे हैं। उनके बीच किसी प्रकार की कोई रिश्तेदारी नहीं है। इसलिए ऐसी बातों को नहीं करना चाहिये। है.'

बिस्ला 2012 में केकेआर की खिताबी जीत के दौरान गंभीर के साथ ड्रेसिंग रूम शेयर कर रहे थे। उनका कहना है कि गंभीर ने हमेशा निकटता से ज्यादा प्रदर्शन को महत्व दिया है। उन्होंने आलोचकों को याद दिलाया कि राणा को जगह उनकी योग्याता और प्रदर्शन के आधार पर मिली है.

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवीसीय सीरीज में राणा का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था। वहीं उसने दूसरे टी-20 में 33 गेंदों पर 35 रन बनाकर अपनी बल्लेबाजी का भी प्रदर्शन किया था। इसके अलावा सिडनी में तीसरे एकदिवसीय में राणा के शानदार चार विकेटों ने भारतीय टीम जीत हासिल करने में सफल रही थी।

एमसीए के एक अधिकारी ने रोहित के घरेलू क्रिकेट खेलने पर संशय जताया

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के घरेलू क्रिकेट खेलने की संभावनाओं के बीच ही मुम्बई क्रिकेट संघ (एमसीए) के एक अधिकारी के बयान से संशय फैल गया है। गत दिवस ही एक रिपोर्ट आई थी की भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की सलाह प रोहित विजय हजारे ट्रॉफी खेलने के लिए तैयार हैं। ये भी कहा गया था कि उन्होंने इसकी जानकारी मुम्बई क्रिकेट संघ (एमसीए) को दे दी है। वहीं अब एमसीए ने इस बात को गलत बताया है। एमसीए के एक अधिकारी ने कहा कि रोहित ने अभी तक अपनी उपलब्धता के बारे में पक्के तौर पर कुछ नहीं कहा है।

वहीं इससे पहले एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई और टीम प्रबंधन ने रोहित और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली दोनों को एकदिवसीय टीम में बने रहने के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने को कहा था। बोर्ड और टीम मैनेजमेंट ने दोनों को बता दिया है कि अगर उन्हें भारत के लिए खेलना है तो उन्हें घरेलू क्रिकेट खेलना होगा क्योंकि अब वे केवल एकदिवसीय में ही खेलते हैं। ऐसे में मैच के लिए फिट होने के लिए उन्हें घरेलू क्रिकेट खेलना चाहिये।

रिपोर्ट कहा गया कि रोहित इसके बाद से मुंबई में एमसीए के बीकेसी सेंटर में नियमित रूप से ट्रेनिंग कर रहे हैं। उस रिपोर्ट में ये भी कहा गया था कि रोहित न केवल विजय हजारे ट्रॉफी में खेलना चाहते हैं बल्कि वह इस महीने के अंत में शुरू होने वाली सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी भाग लेने पर विचार कर रहे हैं।

दक्षिण अफ्रीकी कप्तान लॉरा बनी आईसीसी की अक्टूबर महीने की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने दक्षिण अफ्रीकी महिला क्रिकेट टीम की कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट को अच्छे प्रदर्शन और कप्तानी के लिए अक्टूबर माह के प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड से सम्मानित किया है। वोल्वार्ड्ट ने महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के दौरान वोल्वार्ड्ट ने न केवल सबसे अधिक रन बनाए, बल्कि अपनी टीम को फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। इस दौरान इस खिलाड़ी ने आठ मैचों में 470 रन बनाये और उनका औसत रहा 67.14 वहीं स्ट्राइक रेट 97.91 रहा है।

कप्तानी के लिए अच्छी पर्सनैलिटी और अंग्रेजी बोलना जरुरी नहीं - अक्षर पटेल

नई दिल्ली। भारतीय टीम के स्पिर ऑलराउंडर व दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने कहा है कप्तानी को लेकर एक ऐसी धारणा बन गयी है जो सही नहीं है पर ये कई साल से चली आ रही अक्षर के अनुसार लोग मानते है कि अच्छी पर्सनैलिटी और अंग्रेजी बोलना कप्तानी के लिए जरुरी है। वहीं केवल इस आधार पर किसी को कप्तानी के लिए अयोग्य मान लेते हैं जो अंग्रेजी नहीं बोल पाता।

अक्षर कप्तानी को लेकर लोगों की इस धारणा से नाराज है। उन्होंने कहा कि कप्तानी के लिए किसी खिलाड़ी की पर्सनैलिटी और अंग्रेजी बोलने की क्षमता को लोग वरीयता देते हैं पर क्रिकेट से जुड़े कौशल को नहीं देखते हैं। अक्षर ने कहा, 'लोग कहना शुरू कर देते हैं- ओह, वह कप्तानी मटैरियल नहीं है, वह अंग्रेजी नहीं बोलता है। वह कैसे बात करेगा? ये है, वो है।' साथ ही कहा, अरे, कप्तान का काम सिर्फ बात करना थोड़े होता है। कप्तान का काम खिलाड़ी को जानना होता है और उससे उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हासिल करना होता है। ये जानना होता है। उसकी ताकत क्या है, उसकी कमजोरी क्या है, ये समझना होता है। कप्तान को पता होता है कि हमारे पास ये खिलाड़ी है और मुझे उससे कैसे अच्छा प्रदर्शन लेना है। इसके अलावा मैच के हालात के अनुसार किये गेंदबाजी देनी है।

अक्षर ने आगे कहा, 'लेकिन नहीं, हम कहते हैं कि पर्सनैलिटी चाहिए, अच्छा इंग्लिश बोलना चाहिए। धारणा लोगों की अपनी सोच के आधार पर बनी है। मैंने इस साल दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी की और मुझे बहुत सारी तारीफ मिली। मुझे लगता है कि आगे भी ऐसा और भी होगा और आने वाले समय में अभी और ज्यादा बदलाव आएंगे।' उन्होंने कहा कि लोगों को अपनी व्यक्तिगत सोच और नजरिए को बदलने की जरूरत है। ये सोचना बंद कीजिए कि उसकी पर्सनैलिटी अच्छी है, वह इंग्लिश बोल सकता है तो वह कैप्टन मटैरियल है।

भारतीय दृष्टिबाधित टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 209 रन से हराया

नई दिल्ली। भारतीय दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 209 रनों से हराकर टी20 विश्व कप में लगातार दूसरी जीत दर्ज की है। भारतीय टीम ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 292 रन बनाए थे। भारतीय टीम की ओर से कप्तान दीपिका टीसी बी3 ने 58 गेंदों पर 91 रन जबकि फूला सरेन बी3 ने 22 गेंदों पर नाबाद 54 रन बनाये। वहीं अनेखा देवी बी2 ने 14, अनु कुमारी बी1 ने 14 और काव्या वी बी1 ने नाबाद 12 रन बनाए। इसके अलावा भारतीय टीम को 52 अतिरिक्त रन और 26 पेनल्टी रन मिले। इसके बाद जीत के लिए मिले 293 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम 19.3 ओवर में 57 रनों पर ही सिमट गयी। वहीं भारतीय टीम ने पहले मैच में श्रीलंका को हराया था।

विश्व कप में दिन का पहला मुकाबला नेपाल और श्रीलंका के बीच हुआ। इसमें पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका ने 20 ओवरों में 8 विकेट पर 87 रन बनाए थे। बी3 मिहिरानी दुलांजलि ने 23 रन बनाए थे। नेपाल की तरफ से कांति योगी ने 21 रन देकर 3 विकेट लिए। बिनीता पुन ने 11 रन देकर 1 विकेट लिया।

इसके बाद 88 रनों का लक्ष्य को नेपाल ने 5.2 ओवर में ही प्राप्त कर लिया। मनकेशी चौधरी ने 22 गेंदों पर 11 चौकों की सहायता से नाबाद 61 रन बनाये। इस आक्रामक पारी से नेपाल ने श्रीलंका को 9 विकेट से हराया।

दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप का आयोजन भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में किया जा रहा है। टूर्नामेंट 11 से 23 नवंबर तक खेला जाएगा। भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, नेपाल, पाकिस्तान, श्रीलंका और अमरीका की टीम विश्व कप में हिस्सा ले रही है।

पुलिस पेंशनर्स संघ की मासिक बैठक और दीपावली मिलन समारोह संपन्न

वर्षों से लंबित विभिन्न मांगों पर की गई विस्तारपूर्वक चर्चा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वर्षों से लंबित अपनी विभिन्न सूत्रीय मांगे पूरी न होने के चलते मध्य प्रदेश पुलिस पेंशनर्स संघ, प्रदेश सरकार से खासा नाराज है।जहां मांग पूरी किए जाने को लेकर कई बार आवेदन निवेदन करने के बाद भी ,उनकी मांगे पूरी नहीं हो पा रही है।जिसको लेकर मध्य प्रदेश पुलिस पेंशनर्स संघ द्वारा 24 दिसंबर को जिला मंदसौर में पेंशनर्स महासम्मेलन का आयोजन किया गया है।आयोजित इस सम्मेलन में पुलिस पेंशन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कर मध्य प्रदेश सरकार के नाम ज्ञापन सौपा जाएगा। जिसकी रणनीति बनाने के प्रमुख उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए गुरुवार को जिला अस्पताल परिसर स्थित एक होटल में पुलिस पेंशनर्स संघ जिला इकाई की अहम बैठक का आयोजन किया गया। आयोजित इस मासिक बैठक में दीपावली मिलन समारोह को भी शामिल किया गया।जहा समारोह की शुरुआत मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर की गई,वही छायाचित्र समीप दीप प्रज्वलित किए गए, इसके उपरांत उपस्थित पदाधिकारियो ने संघ से जुड़े समस्त सदस्यों को मिठाई का वितरण कर, उनका मुह मीठा कराया वही दीपावली पर्व की शुभकामनाएं दी। तो वही वर्षों से लंबित अपनी विभिन्न मांगों को लेकर सहविस्तार चर्चा कर 24 दिसंबर को मंदसौर में आयोजित पेंशनर्स महासम्मेलन में ज्यादा से ज्यादा पदाधिकारियो सदस्यों के पहुंचने और अपनी मांगों को लेकर ठोस रणनीति बनाई जाने का निर्णय लिया गया।

विभिन्न बिंदुओं पर की गई चर्चा

बैठक के दौरान अपने उद्बोधन के दौरान पदाधिकारी ने वर्षों से लंबित पेंशनर्स की विभिन्न मांगों को लेकर सह विस्तार चर्चा कर, इन मांगों को पूरी करने को लेकर आपसी विचार विमर्श किया।बताया गया कि प्रदेश के पेंशनर्स, नियमित कर्मचारियों को मिल रहे 55 प्रतिशत महंगाई भत्ता से 3 प्रतिशत कम महंगाई भत्ता मिलने से परेशान है। पेंशनरों का कहना है कि इससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।जिसकी मुख्य वजह मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्य के पुर्नगठन अधिनियम 2000 की धारा 49(6) है।जिसे विगत 25 वर्षो से विलोपित करने की मांग कर रहे है।उन्होंने इस धारा के कारण महंगाई भत्ता राहत में हो रहे नुकसान की ओर सरकार का ध्यानाकर्षण करवाते हुए उक्त धारा को तत्काल विलोपित करने की मांग की है।

25 वर्ष बीत गए अब तक नही हटाई गई धारा

पेंशनर संघ पदाधिकारियो ने बताया कि यूपी से अलग होकर बने उत्तराखंड, बिहार से अलग होकर बने झारखंड और आंध्रप्रदेश से अलग होकर बने तेलंगाना राज्य में, ऐसी कोई धारा नहीं है, केवल मध्यप्रदेश और छत्तीसग? के बीच ही ऐसा है, जिसके कारण दोनो ही राज्यो के पेंशनरों को नुकसान हो रहा है।आज इसे 25 वर्ष हो गए बावजूद इसके भी अभी तक इस धारा को नही हटाया गया है।

इन मांगों को पूरा कराने की बनाई रणनीति

बैठक के दौरान पेंशनर्स संघ द्वारा मप्र.-छग. पुनर्गठन अधिनियम 2000 की धारा 49 परिशिष्ट 6 जिस आधार पर महँगाई राहत स्वीकृति के पूर्व दोनो राज्य सरकारो द्वारा परस्पर सहमति की प्रक्रिया अपनाई जाती है,उसको समाप्त या विलोपित करने, केन्द्र सरकार के पेंशनर्स के अनुरूप राहत राशि का भुगतान करने, जुलाई 2024 के 3 प्रतिशत राहत राशि के एरियर का भुगतान करने, जनवरी 2025 से 2 प्रतिशत राहत राशि का भुगतान करने, मँहगाई राहत का नियमित भुगतान 32 माह एंव 27 माह के एरियर आदि का निराकारण करने, संभागीय स्तरीय पेंशनर्स की सूचना सहायता तथा जिला स्तर पर पेंशनर्स फोरम गठित करने, उसकी नियमित बैठक की व्यवस्था संबंध मे अधिनस्थ अधिकारियो को निर्देशित करने, और कोविड काल के दौरान बंद हुई वरिष्ठजनो की सुविधाये बहाल किए जाने सहित अन्य मांगों को पूरी किए जाने की गुहार लगाई है ।

महासम्मेलन में उठाए जाएंगे मुद्दे उमेशचंद्र प्रजापति

पुलिस पेंशनर्स संघ जिला अध्यक्ष उमेशचंद्र प्रजापति ने बताया कि बैठक के दौरान पेंशनर्स के हितों को लेकर चर्चा कर, हमारी विभिन्न मांगों को पूरा करने को लेकर आगामी रणनीति बनाई गई है ।क्योंकि वर्तमान समय में पेंशनर्स को विभिन्न परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिसमें सभी कर्मचारियों को पेंशन न मिलाना ,एरियर राशि का भुगतान न होना ,कर्मचारियों के डीए सहित अन्य मांगे है जिसको लेकर पेंशनर्स कर्मचारी परेशान है। सेवानिवृत्त कर्मचारियों के डीए की मांग पर अब तक कोई फैसला नहीं आया है।वही हमारा यहां प्रस्ताव सरकार के पास अब भी लंबित पड़ा है। इसके अलावा अन्य मांगे हैं जिनको लेकर चर्चा की गई है ।वही पेंशनर्स की विभिन्न समस्याओं का समाधान करने के लिए आवश्यक सुझाव दिए गए हैं। 24 दिसंबर को मंदसौर में महासम्मेलन का आयोजन किया गया है जिसमें जिले के पदाधिकारी भी शामिल होंगे।वहां इन मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा।

पुलिस विभाग एवं पुलिस परिवार कल्याण संघ की बैठक सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। गुरुवार को पुलिस विभाग एवं पुलिस परिवार कल्याण संघ बालाघाट कि बैठक जिला अध्यक्ष महेश शरणागत कि अध्यक्षता में अम्बेडकर चौंक बालाघाट में रखी गई।बताया गया कि पुलिस विभाग एवं पुलिस परिवार कल्याण संघ कि मांग पर प्रदेश सरकार द्वारा घोषणा कि गई थी कि पुलिस विभाग के कर्मचारी एवं अधिकारीयो को साप्ताहिक अवकाश दिया जाएगा, साथ ही मकान किराया भत्ता, भोजन भत्ता, 15 लिटर पेट्रोल के लिए भत्ता दिया जाएगा, परन्तु थाना कोतवाली में संगठन के लोगों टी. आई. कमलेश कुमार के द्वारा अवगत हुआं कि कोई साप्ताहिक अवकाश व भत्ता पुलिस विभाग को नहीं दिया जा रहा है जिसके लिए प्रदेश संगठन के निर्देश पर हर जिले में मुख्यमंत्री के नाम से ज्ञापन माननीय कलेक्टर, एवं माननीय पुलिस अधीक्षक महोदय को सौंपा जाएगा।इस दौरान यशवंत लिल्हारे, जितेंद्र मोहारे, हंसलाल ठाकरे, सुबेदार तोमेश्वर रहांगडाले, रामचरण सिहोरे, रवि चौहान, कन्नु संचेती, विवेक आचार्य, वेदसिंह ठाकुर अखिलेश खोबरागड़े श्रीमती ममता बिसेन, श्रीमती अलका चौधरी, श्रीमती पुनम खोबरागड़े, श्रीमती सीमा सिंग, श्रीमती उषा कुर्वे, साधना राणा सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

पीजी कॉलेज बालाघाट में बिरसा मुण्डा की 150वीं जयंती पर

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट में प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जन्म जयंती के अवसर पर 01 नवम्बर से 15 नवम्बर तक विभिन्न प्रतियोगिताओ एवं गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी के अंतर्गत 12 नवम्बर को रंगोली, मेहंदी, चित्रकला व रैली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा 13 नवम्बर को भाषण, निबंध व प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं के आयोजन में कार्यक्रम संयोजक डॉ. तारा सिंगराम, सह-संयोजक डॉ. रचना कोरी एवं सदस्य प्रो. सुखचंद एडे, प्रो. भीवेंद्र धुर्वे, डॉ. गजानंद कटरे एवं समस्त अधिकारी कर्मचारियों ने अपना सहयोग प्रदान किया। सभी प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया एवं विशेष प्रतिभागिता दी।

समाज का कोई भी वर्ग न्याय से वंचित न रहे -श्रीमती ठाकुर

पद्मेश न्यूज।कटंगी। म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार जिला एवं सत्र न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट प्राणेश कुमार प्राण एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सतीश शर्मा के मार्गदर्शन तथा श्रीमती नेहा ठाकुर न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति के निर्देशन में न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह अंतर्गत ग्राम पंचायत खजरी में 12 नवम्बर को विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र में दीप प्रज्जवलित कर किया गया। इस अवसर पर न्यायालयीन कर्मचारीगण देवेन्द्र ठाकरे, मुकेश उके, सना खान, कोर्ट मोहर्रिर छत्रपाल बघेल, ग्राम पंचायत सचिव आदि उपस्थित रहे। उक्त शिविर को संबोधित करते हुए न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्रीमती नेहा ठाकुर ने बताया कि समाज के प्रत्येक वर्ग के अधिकारों को सुरक्षित करने एवं उन्हें समान अधिकार दिलाए जाने के उद्देश्य से अनेक विधियॉं निर्मित की गई है ताकि कोई भी वर्ग उपेक्षित न हो। इसी परिप्रेक्ष्य में विधिक सहायता योजना के अन्तर्गत महिलाओं को बिना किसी आय बन्धन के नि:शुल्क विधिक सहायता प्रदान की जाती है। साथ ही ऐसी महिलाएं जिनके पति के द्वारा उनका अकारण परित्याग कर दिया गया है, ऐसी महिलाएं अपने एवं अव्यस्क बच्चों के लिए भरण-पोषण का आवेदन न्यायालय में पेश कर सकती है तथा अपने पति से मासिक भरण-पोषण की राशि प्राप्त कर सकती है। दहेज प्रतिषेध विषय पर न्यायिक मजिस्ट्रेट ने कहा कि दहेज जैसी सामाजिक कुरीति को मिलकर मिटाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति गरीबी, अशिक्षा या अज्ञानता के कारण न्याय पाने वंचित न रहे, इसके लिए तहसील विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा नि:शुल्क विधिक सहायता योजना अंतर्गत पात्र व्यक्तियों को नि:शुल्क अधिवक्ता एवं फीस प्रदान की जाती है। उक्त योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति जनजाति, महिलाओं, बालक, जेलबंदी एवं मानसिक रूप से अस्वस्थ व्यक्तियों को बिना किसी आय बन्धन के तथा सामान्य जाति के व्यक्ति जिसकी आय 1 लाख रू. प्रतिवर्ष है, को विधिक सहायता प्रदान की जाती है। न्यायिक मजिस्ट्रेट ने राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण से संबंधित अन्य योजनाओं की भी विस्तृत जानकारी दी।

10 जिलों के युवाओं को मिलने वाली है खुशखबरी

भोपाल । प्रदेश के 10 जिलों के उन युवाओं के लिए खुशखबरी है, जिन्होंने भारतीय सेना में अग्निवीर बनने के लिए अगस्त माह में शारीरिक परीक्षा दी थी। अब परीक्षा परिणाम आने वाला है। 15 नवंबर तक परीक्षा परिणाम आ सकता है। एक माह ट्रेनिंग आगे बढने के चलते ही परीक्षा परिणाम विलंब से आ रहा है। परीक्षा परिणाम आने के बाद चयनित अभ्यर्थियों को ट्रेनिंग पर भेजा जाएगा।

देशभर के आठ ट्रेनिंग सेंटरों के लिए चयनित अभ्यर्थियों को भेजा जाएगा। दिसंबर के पहले सप्ताह या दूसरे सप्ताह से इनकी रवानगी शुरू हो जाएगी। प्रदेश के ग्वालियर, शिवपुरी, भिंड, मुरैना, दतिया, श्योपुर, टीकमगढ़, पन्ना, दमोह, सागर के करीब 33 हजार अभ्यर्थियों ने अग्निवीर बनने के लिए लिखित परीक्षा दी थी। लिखित परीक्षा में 10500 अभ्यर्थी चयनित हुए। इनकी शारीरिक परीक्षा अगस्त माह में शिवपुरी में हुई। शारीरिक परीक्षा में अभ्यर्थी उत्तीर्ण हुए। इसके बाद कुल प्राप्तांकों के आधार पर मेरिट लिस्ट जारी होगी।

दौड़ को लेकर हुआ है बदलाव

इस बार नया बदलाव हुआ था। पहले 5.30 मिनट से 5.45 मिनट में 1600 मीटर की दौड़ पूरी करनी होती थी। जो इस समयावधि में दौड़ पूर्ण कर लेता था, उसे ही उत्तीर्ण माना जाता था। लेकिन इस बार 1600 मीटर दौड़ के लिए 5.30 मिनट से 6.10 मिनट तक का समय दिया गया। अलग-अलग अवधि में दौड़ पूर्ण करने वालों को नंबर दिए जाएंगे। इसके आधार पर ही मेरिट लिस्ट जारी होगी। लिखित और शारीरिक परीक्षा में प्राप्तांकों के आधार पर ही मेरिट लिस्ट जारी होगी। फिर दस्तावेजों का परीक्षण सेना भर्ती कार्यालय पर शुरू होगा।

आयुष्मान की पात्रता तो नहीं मिलेगा मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान का लाभ

भोपाल । आयुष्मान भारत योजना के लिए पात्र हितग्राहियों को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान का लाभ नहीं मिलेगा। आयुष्मान योजना के तहत पांच लाख रुपये तक का उपचार होने के बाद ही आवेदन पर विचार होगा। इसका उद्देश्य स्वेच्छानुदान से अधिकाधिक लोगों को लाभ दिलाना है। इसके लिए आधार नंबर से आयुष्मान की पात्रता और अस्पताल की संबद्धता पता की जा रही है। विशेष परिस्थिति में बीमारी यदि आयुष्मान का पैकेज कवर नहीं है तभी स्वेच्छानुदान से राशि मिल सकेगी। दरअसल, मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान के लिए बड़ी संख्या में ऐसे आवेदन आते थे, जिसमें हितग्राही आयुष्मान योजना के तहत भी उपचार के लिए पात्र हैं। उन्हें बीमारी की गंभीरता और आर्थिक स्थिति देखते हुए राशि स्वीकृत कर दी जाती थी। ऐसे में शासन पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा था। शासन ने अब तय किया है आयुष्मान योजना से उपचार की सुविधा निजी और सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध है तो स्वेच्छानुदान से राशि देने का औचित्य नहीं है। मुख्यमंत्री सचिवालय के अधिकारी ने बताया कि आयुष्मान हितग्राहियों को विशेष परिस्थिति में ही स्वेच्छानुदान दिया जा रहा है, जैसे रोगी को ऐसी बीमारी हो जो आयुष्मान योजना के पैकेज में शामिल नहीं हो या फिर जिस अस्पताल में मरीज भर्ती है वह आयुष्मान योजना में है या नहीं। नहीं होने की स्थिति में स्वेच्छानुदान पर विचार किया

जेलों में बंद कैदियों के साथ अप्रवासी भारतीयों के नाम मतदाता सूची सर्वे में उलझे

भोपाल। चुनाव आयोग के निर्देश पर एसआईआर सर्वे चल रहा है। दूसरी तरफ गणना-पत्रों का टोटा अभी भी कायम है। 4 नवम्बर से बीएलओ को घर-घर जाकर सर्वे करना था। मगर अभी अधिकांश घरों तक ये पहुंच ही नहीं पाए हैं। दूसरी तरफ भोपाल सहित प्रदेशभर की जेलों में बड़ी संख्या में जो कैदी बंद हैं और उनके अलावा अप्रवासी भारतीय यानी एनआरआई का सर्वे और मतदाता सूची में सत्यापन किस तरह से किया जाएगा, इसके कोई दिशा-निर्देश अभी तक आयोग ने नहीं भिजवाए हैं, जिसके चलते लगभग 50 हजार इन मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जाने की नौबत आ सकती है।

सभी सरकारी कामों को छोडक़र इन दिनों सरकारी अमला मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर सर्वे में जुटा है, जो कि 4 दिसम्बर तक बीएलओ को घर-घर जाकर करना होगा और उसके बाद प्रारुप मतदाता सूची का प्रकाशन 9 दिसम्बर को करते हुए उस पर दावे-आपत्तियां आमंत्रित की जाएगी और फिर उसका निराकरण करने के बाद 7 फरवरी को सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। इंदौर जिले में भी गणना-पत्रों की कमी पड़ रही है। हालांकि ताबड़तोड़ छपवाए भी जा रहे हैं, वहीं अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या दोहराए गए नामों को सूची से हटाया जाएगा और किसी भी मतदान केन्द्र पर अब 1200 से अधिक मतदाता नहीं रहेंगे, जिसके चलते केन्द्रों का भी युक्तियुक्त कराया जाएगा। मतदान केन्द्रों के माध्यम से बीएलओ द्वारा यह सर्वे कार्य किया जा रहा है और सभी बीएलओ को एक-एक घर जाकर दस्तक देना पड़ेगी और साथ ही आयोग द्वारा तैयार किया गया फॉर्म भरवाना होगा, जिसमें 2003 की स्थिति में मतदाताओं का रिकॉर्ड देखा जाएगा और उसी आधार पर फैमेली लिंक का लाभ भी मिलेगा, वहीं अभी एक नया मामला जेलों में बंद कैदियों को लेकर आया है।

जेलों में 45 हजार से ज्यादा कैदी बंद

सूत्रों का कहना है कि भोपाल सहित प्रदेशभर की जेलों में 45 हजार से ज्यादा कैदी बंद हैं और इनके भी नाम मतदाता सूची में दर्ज हैं। हालांकि आयोग ने जेलों में बंद कैदियों को मतदान के अधिकार नहीं दिए हैं। अलबत्ता जेल में बंद रहकर कोई उम्मीदवार चुनाव अवश्य लड़ सकता है। मगर चूंकि इन कैदियों के नाम जेल में बंद होने से पहले मतदाता सूचियों में दर्ज हैं और अभी सर्वे के दौरान उन्हें सत्यापित करना पड़ेगा, लेकिन इस संबंध में जेल प्रशासन या जिला निर्वाचन कार्यालयों को कोई दिशा-निर्देश नहीं दिए हैं। इसी तरह की स्थिति एनआरआई यानी अप्रवासी भारतीयों की भी है।

एमपीआरडीसी की क्षतिग्रस्त सड़को का सुधार एवं मरम्मत कार्य प्रगति पर

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर बालाघाट जिले में अतिवृष्टि के कारण क्षतिग्रस्त हुई म.प्र. सड़क विकास निगम की सड़को का सुधार एवं मरम्मत कार्य प्रारंभ कर दिया गया और यह कार्य तेजी से चल रहा है। इससे आमजन को आवागमन में असुविधा नही होगी और आवागमन सुगम होगा।

मप्र सड़क विकास प्राधिकरण के संभागीय प्रबंधक दीपक आडे ने बताया कि उनके विभाग के अंतर्गत आने वाली सिवनी से बालाघाट मार्ग, बैहर-मुक्की-गढ़ी मार्ग एवं बैहर-सालेटेकरी मार्ग का सुधार एवं मरम्मत कार्य तीव्र गति से जारी है। सिवनी से बालाघाट मार्ग ग्राम-कंजई से लालबर्रा के बीच काफी क्षतिग्रस्त हुआ था एवं बड़े गड्ढे हो चुके थे, जिसे डामर मटेरियल से भरने का कार्य किया जा रहा है। इसी प्रकार बैहर से सालेटेकरी मार्ग पर ग्राम-सलघट में मार्ग काफी क्षतिग्रस्त हुआ था जिसकी मरम्मत कर दी गई एवं शेष स्थल पर मरम्मत कार्य जारी है।

देशभर में 32 कारों से धमाके की साजिश थी... दिल्ली कार ब्लास्ट इसी का हिस्सा था

दिल्ली धमाकों से जुड़ा अल-फलाह यूनिवर्सिटी का कनेक्शन, अरब देशों से फंडिंग, ब्लास्ट में शामिल दो डॉक्टर यहीं जॉब करते थे

नई दिल्ली। लाल किले के पास 10 नवंबर को हुए धमाके की जांच में गुरुवार को बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक आतंकी 6 दिसंबर, यानी बाबरी मस्जिद ढहाए जाने की बरसी के दिन दिल्ली समेत कई जगह धमाके करना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने 32 कारों का इंतजाम किया था। इनमें बम और विस्फोटक सामग्री भरकर धमाके किए जाने थे। इनमें ब्रेजा, स्विफ्ट डिजायर, इकोस्पोर्ट और आई20 जैसी गाडियां शामिल थीं। जांच एजेंसियों को अब तक चार कारें बरामद हो चुकी हैं। 10 नवंबर जिस आई20 कार में धमाका हुआ था, वह इसी सीरियल रिवेंज अटैक का हिस्सा थी। ब्लास्ट से अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 20 लोग घायल हैं, जिनमें से तीन की हालत नाजुक बताई जा रही है।

दिल्ली ब्लास्ट के बाद फरीदाबाद के मुस्लिम बहुल गांव धौज में बनी अल फलाह यूनिवर्सिटी टेरर मॉड्यूल से जुड़े डॉक्टरों की गिरफ्तारी के बाद जांच के घेरे में है। केंद्र सरकार ने इन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट को यूनिवर्सिटी के फंडिंग की जांच के आदेश दे दिए हैं। अब तक इस यूनिवर्सिटी के 3 डॉक्टर डॉ. मुजम्मिल शकील, डॉ. शाहीन सईद और डॉ. उमर नबी का नाम दिल्ली धमाके में आ चुका है। दिल्ली धमाके में डॉ. उमर की मौत हो चुकी है। डॉ. निसार-उल-हसन, जो मेडिसिन डिपार्टमेंट में प्रोफेसर थे, इन्हें 2023 में जम्मू-कश्मीर एलजी द्वारा टेरर लिंक्स के लिए बर्खास्त किया गया था, फिर भी यहां भर्ती हो गए।

जनवरी में लाल किले की रेकी की थी

दिल्ली को दहलाने की साजिश जनवरी से रची जा रही थी। गिरफ्तार आरोपियों के मोबाइल डंप डेटा से पता चला कि फरीदाबाद की अल फलाह यूनिवर्सिटी से गिरफ्तार असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मुजम्मिल गनी और धमाके में कथित रूप से मारे गए डॉ. उमर नबी ने जनवरी में कई बार लाल किले की रेकी की थी। दोनों ने वहां की सुरक्षा-और भीड़ का पैटर्न समझा था। पुलिस को शक है कि आतंकियों की प्लानिंग 26 जनवरी पर लाल किले पर हमले की थी, जो तब नाकाम हो गई।

दिल्ली में 6 दिसंबर को हमले का प्लान था

नबी दिल्ली में 6 दिसंबर को हमला करना चाहता था, लेकिन मुजम्मिल की गिरफ्तारी से प्लान बिगड़ गया। यह बात 8 आरोपियों से पूछताछ में सामने आई हैं। इस अंतरराज्यीय मॉड्यूल का केंद्र फरीदाबाद में था। गिरफ्तार आतंकियों में 6 डॉक्टर हैं। श्रीनगर का रहने वाला एक अन्य संदिग्ध डॉ. निसार फरार है। वह डॉक्टर्स एसोसिएशन ऑफ कश्मीर का अध्यक्ष भी है। अलफलाह में पढ़ा रहा था। जम्मू-कश्मीर सरकार ने डॉ. निसार को बर्खास्त कर दिया है।

खाद की बोरी बता विस्फोटक जुटा रहा था गनी

फरीदाबाद की अल फलाह यूनिवर्सिटी में काम कर रहा कश्मीरी डॉ. मुजम्मिल गनी खाद की बोरियां बताकर किराए के कमरे में विस्फोटक सामग्री जमा कर रहा था। 20 दिन पहले मुजम्मिल कमरे में कुछ बोरियां रखने आया था, तब पड़ोसियों ने उससे पूछा था कि इसमें क्या है? जवाब में मुजम्मिल ने कहा था कि ये खाद के कट्टे हैं। इन्हें कश्मीर ले जाना है।

नशे के विरूद्ध खरगोन पुलिस की अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई पहाड़ी क्षेत्र में अवैध गांजा की खेती का भंडाफोड़

लगभग 1 करोड़ 78 लाख रुपए का 35.51 क्विंटल गांजे के पौधे जब्त

भोपाल। पुलिस महानिदेशक मध्यप्रदेश कैलाश मकवाणा के निर्देशन में प्रदेशभर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी, खेती एवं वितरण के विरुद्ध निरंतर विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध जारी धरपकड़ के तहत खरगोन पुलिस ने एक बार फिर बड़ी सफलता प्राप्त की है। पुलिस ने जिले के पहाड़ी और नो नेटवर्क जोन क्षेत्र में की जा रही गांजे की अवैध खेती का भंडाफोड़ करते हुए 3,200 गांजे के पौधे बरामद कर लगभग 35.51 क्विंटल (3,551 किलो) गांजा जब?त किया है, जिसकी अनुमानित कीमत एक करोड़ 77 लाख 56 हजार 200 रुपये आंकी गई है। बरामद पौधों की ऊँचाई औसतन 5 से 7 फीट के बीच पाई गई। पुलिस टीम को गांजे के पौधों को उखाड़ने आदि में कई घंटे तक कठिन परिश्रम करना पड़ा। दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र में संचालित यह ऑपरेशन न केवल पुलिस की दक्षता को दर्शाता है, बल्कि समाज से मादक पदार्थों की बुराई मिटाने के प्रति पुलिस की प्रतिबद्धता को भी प्रमाणित करता है। पुलिस महानिरीक्षक इंदौर जोन अनुराग एवं उप पुलिस महानिरीक्षक निमाड़ रेंज सिद्धार्थ बहुगुणा के दिशा-निर्देशों में, पुलिस अधीक्षक खरगोन रविन्द्र वर्मा तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खरगोन (ग्रामीण) श्रीमति शकुन्तला रुहल के मार्गदर्शन में जिलेभर में ऑपरेशन 'प्रहार' चलाया जा रहा है।

पद्मेश न्यूज शहरनामा

12

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

15 नवम्बर से 15 जनवरी तक गर्रा रेलवे क्रासिंग से आवागमन बंद

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। बालाघाट-गर्रा रोड पर रेलवे ओव्हरब्रिज निर्माण के दौरान आम नागरिको की सुविधा एवं दुर्घटनाओं की आशंकाओं को दृष्टिगत रखते हुए गर्रा रेलवे क्रासिंग से 15 नवम्बर से 15 जनवरी 2026 तक के लिए सम्पूर्ण आवागमन अस्थायी रूप से बंद करने का निर्णय लिया गया है। बालाघाट एसडीएम गोपाल सोनी ने बताया कि गर्रा रेलवे क्रासिंग पर बनाये जा रहे ओव्हरब्रिज के 02 पियर के कांक्रिट का कार्य किया जाना है। इस कार्य के दौरान आम नागरिको की सुविधा और दुर्घटनाओ को रोकने के लिए इस रेलवे क्रासिंग से सभी तरह के वाहनों का आवागमन 15 नवम्बर 2025 से 15 जनवरी 2026 तक अस्थायी रूप से बंद रहेगा। इस दौरान भारी वाहन का यातायात गर्रा रोड से वैनगंगा पुल होकर डेंजर रोड होकर गोंगलई-नवेगांव गोंदिया रोड पर परिवर्तित किया गया है। इसी प्रकार गोंदिया रोड से आने वाले भारी वाहन नवेगांव से गोंगलई डेंजर रोड होते हुए वैनगंगा पुल से गर्रा की ओर सिवनी-वारासिवनी के लिए जा सकेंगे। बालाघाट नगरीय क्षेत्र में सिवनी-वारासिवनी की ओर से आने वाले वाहन, बस, निजी वाहन, हल्के वाहन, स्कूल बस, दैनिक सामग्री के लिए प्रयुक्त वाहन एवं अन्य आवश्यक सेवा में संलग्न वाहन गर्रा की ओर से वैनगंगा पुल से डेंजर रोड होकर पोल फैक्ट्री एवं आकाशवाणी होकर बस स्टैण्ड एवं बालाघाट नगर में प्रवेश कर सकेंगे।

सांसद श्रीमती भारती पारधी का दौरा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी 14 नवंबर को प्रात: 10 बजे अपने गृह निवास पर आमजन से भेंट करेंगी और प्रात: 10:15 बजे बालाघाट से लामता के लिए प्रस्थान करेंगी। प्रात: 11 बजे वे

शासकीय महाविद्यालय लामता में संभाग स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता के कार्यक्रम में शामिल होंगी और दोपहर 03 बजे लामता से बालाघाट के लिए प्रस्थान करेंगी।

15 नवंबर को बैहर में जनजातीय गौरव दिवस का जिला स्तरीय आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती के समापन अवसर पर 15 नवंबर को एकलव्य विद्यालय बैहर में जनजातीय गौरव दिवस का जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर ने बताया कि बैहर में आयोजित इस कार्यक्रम में जनजातीय वर्ग के कलाकार, खिलाड़ी, उद्यमी, प्रतिभाशाली विद्यार्थी एवं विशिष्ट उपलब्धि हासिल करने वाली प्रतिभाओं का सम्मान किया जायेगा। कार्यक्रम में जनजातीय नायकों की गौरव गाथा का प्रदर्शन भी किया जायेगा। आमजन से अपील की गई है कि इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल हो।

उकवा पंचायत सचिव 50 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

लोकायुक्त पुलिस ने पंचायत भवन के सामने रोड़ पर नगद रूपये के साथ धर दबोचा, भवन निर्माण की एनओसी के नाम पर मांगी थी रिश्वत

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज।बालाघाट।

आज लोकायुक्त पुलिस जबलपुरं ने एक बड़ी कार्यवाही करते हुए ग्राम पंचायत उकवा के प्रभारी सचिव को 50 हजार रूपये के साथ गिरफ्तार किया। इस घटना के बाद समूचे प्रशासनिक हलके में हड़कम्प की स्थिति दिन भर बनी रही। जनपद पंचायत परसवाड़ा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत उकवा में आज लोकायुक्त की कार्यवाही हुई।जहां ग्राम पंचायत खरपड़िया सचिव एवं ग्राम पंचायत उकवा के प्रभारी सचिव योगेश हिरवाने को 50,000 हजार रुपए की रिश्वत लेते लोकायुक्त की टीम ने रंगे हाथ पकड़ा है। बताया गया कि ग्राम पंचायत उकवा के प्रभारी सचिव योगेश हिरवाने को ग्राम पंचायत उकवा के सामने में रोड पर उकवा निवासी 38 वर्षीय अंकुश पिता संतोष चौकसे से 50,000 हजार रुपए लेते रंगे हाथ दबोचा गया है।जानकारी के अनुसार आरोपी रिश्वतखोर सचिव ने एनओसी जारी करने के नाम पर फरयादी अंकुश से पहले ढेढ़ लाख रु रिश्वत की मांग की थी, बाद में दोनो के बीच 1लाख रु में सौदा तय हुआ था।जिसकी पहली किस्त 50 हजार रु रिश्वत लेते लोकायुक्त की टीम ने सचिव को धर दबोचा है जिस पर वैधानिक कार्यवाही के लिए उसे गिरफ्तार कर बैहर मुख्यालय ले जाया गया। जिस पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम कि संबंधित धाराओं के तहत कार्यवाही की गई है।

पुलिस महानिदेशक लोकायुक्त योगेश देशमुख के भ्रष्टाचार के विरुद्ध सख्त कार्यवाही किए जाने के निर्देश पर जबलपुर लोकायुक्त इकाई की ट्रेप कार्यवाही में शिकायत कर्ता अंकुश चौकसे निवासी ग्राम उकवा, जिला बालाघाट ने लोकायुक्त में शिकायत किया था जिसपर परिक्षण उपरांत लोकायुक्त ने आरोपी 49 वर्षीय योगेश हिर्वाने पिता बालक राम हिर्वाने ग्राम पंचायत सचिव, ग्राम पंचायत उकवा के आरोपी सचिव से ट्रैप राशि -पचास हजार रूपये जब्त कर कार्रवाई की गयी। लोकायुक्त द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार आवेदक अंकुश चौकसे ने पट्टे की जमीन पर निर्माण करने हेतु ग्राम पंचायत उकवा में आवेदन दिया था। आरोपी ग्राम पंचायत सचिव उकवा योगेश हिर्वाने ने निर्माण हेतु एनओसी देने के लिए रिश्वत की मांग की थी। जिसकी शिकायत आवेदक द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय लोकायुक्त जबलपुर की थी। शिकायत सत्यापन के समय बातचीत के दौरान आरोपी योगेश हिर्वाने के द्वारा 1 लाख की मांग की गई। सत्यापन उपरांत आज आरोपी को निर्माण हेतु एनओसी देने के एवज में प्रथम किस्त 50 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया।आरोपी सचिव के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधन)2018 की धारा-7,13(1)B, 13(2) के अंतर्गत कार्यवाही की जा रही है। इस ट्रेप दल में सदस्य-दल प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र यादव , निरीक्षक रेखा प्रजापति,निरीक्षक बृजमोहन सिंह नरवरिया एवं लोकायुक्त जबलपुर का दल शामिल था।

भवन बनाने की एनओसी जारी करने के एवज में मांगी थी रकम

प्राप्त जानकारी के अनुसार फरयादी अंकुश चौकसे को शासन के द्वारा एक डिसमिल का पट्टा दिया गया है जो आबादी जमीन का है।जिसपर अंकुश द्वारा भवन निर्माण किया जाना था, जिसके लिए वह ग्राम पंचायत उकवा से एनओसी चाह रहा था। तमाम तरह की औपचारिकताएं पूरी करने के बाद भी सचिव द्वारा एनओसी जारी नहीं की जा रही थी और उसे बार-बार घुमाया जा रहा था, बताया गया कि इसी दरमियान ग्राम पंचायत उकवा के प्रभारी सचिव योगेश हिरवाने के द्वारा एनओसी जारी करने के लिए अंकुश से करीब ढेढ़ लाख रु की मांग की गई थी। जहां पैसे मिलने पर एनओसी जारी किए जाने का भरोसा दिलाया था।जिनके बीच 1लाख रु में बात तय हो गई। लेकिन अंकुश, रिश्वत के तौर पर मांगी गई यहा रकम सचिव को नहीं देना चाहता था।इसीलिए उसने इसकी शिकायत लोकायुक्त जबलपुर से कर दी। अंकुश की शिकायत पर लोकायुक्त टीम ने सचिव को पहली किस्त के रूप में 50 हजार रु की रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ने का प्लान तैयार किया और इस प्लान में रिश्वतखोर सचिव 50,000 की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा गया। जहां फरियादी ने जैसे ही सचिव को रिश्वत की यह रकम अदा की वैसे ही लोकायुक्त टीम जबलपुर ने तत्काल छापा मारकर सचिव को रंगेहाथ पकड़ लिया।

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत की गई कार्यवाही

पुलिस महानिदेशक लोकायुक्त योगेश देशमुख के भ्रष्टाचार के विरुद्ध सख्त कार्यवाही किए जाने के निर्देश पर जबलपुर लोकायुक्त इकाई ने रिश्वत के मामले में गिरफ्तार किए गए आरोपी सचिव के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधन)2018 की धारा-7,13(1)क्क्, 13(2) के अंतर्गत कार्यवाही की जा रही है।ट्रेप दल सदस्य-दल प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र यादव, निरीक्षक रेखा प्रजापति, निरीक्षक बृजमोहन सिंह नरवरिया एवं लोकायुक्त जबलपुर दल के अन्य कर्मचारी शामिल रहे।

मैं रिश्वत नही देना चहाता था, इसलिए कि थी शिकायत- अंकुश

चर्चा के दौरान पीडित़ि अंकुश चौकसे ने बताया की ग्राम उकवा में उनके घर के सामने आवासीय भूमि थी। जिसपर 20-22 वर्षो से उनका कब्जा था। भू स्वामित्व योजना के तहत शासन से उन्हें उक्त भूमि का पट्टा मिला था, जिसमे वे मकान का निर्माण कर रहे थे, तब पंचायत द्वारा उक्त कार्य को रोक दिया गया। बोले थे कि पहले पंचायत से एनओसी लो, उसके बाद में काम शुरू करना,एनओसी के लिए सचिव से कहा तो उन्होंने एनओसी के बदले पहले 20,000 रु की मांग की, फिर जब निरीक्षण करने घर आए तो उन्होंने जगह अधिक होने की बात कहते हुए अचानक से डेढ़ लाख रुपए की मांग कि, जिस पर हमारे बीच में 1,00000रु के बदले एनओसी देने की बात पक्की हुई थी। लेकिन मैं रिश्वत देना नहीं चाहता था इसीलिए इसकी शिकायत मैंने लोकायुक्त जबलपुर से कर दी थी, पूर्व प्लान के मुताबिक आज पहली किस्त 50,000रु देना था। जो मैंने सचिव को दिया इस दौरान लोकायुक्त टीम ने छापामार कर रिश्वतखोर सचिव को पकड़ लिया है।

मामले में की गई वैधानिक कार्यवाही-जितेंद्र यादव

वही मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान जबलपुर लोकायुक्त टीम में शामिल टीम प्रभारी जितेंद्र यादव ने बताया कि उकवा निवासी अंकुश चौकसे द्वारा लोकायुक्त को शिकायत दी गई थी कि सचिव द्वारा मकान निर्माण की एनओसी के लिए उनसे डेढ़ लाख रुपए की रिश्वत मांगी जा रही है जिनके बीच में करीब 100000रु में बात तय हुई थी।आज उसकी प्रथम किस्त 50000रु की रिश्वत लेते आरोपी सचिव हिरवाने को रंगे हाथ पकड़ा गया है इस मामले में भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई है।

15 से 25 नवंबर तक आयोजित होगा स्वदेशी मेला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। स्वदेशी जागरण मंच, स्वावलंबी भारत अभियान और स्वर्णिम भारतवर्ष फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में स्वदेशी मेले का आयोजन 15 से 25 नवंबर तक स्थानीय उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में किया जाएगा। मेले की तैयारियां अब अंतिम चरणों में हैं। इस विषय में जानकारी देने के लिए स्वदेशी जागरण मंच द्वारा उत्कृष्ट विद्यालय मैदान परिसर में पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य मौसम बिसेन और स्वदेशी जागरण मंच के पदाधिकारी सत्यनारायण अग्रवाल ने मीडिया को संबोधित करते हुए बताया कि मेले की सभी तैयारियां लगभग पूर्ण कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष भी मेले का आयोजन स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया जा रहा है। बीते वर्ष की तरह इस बार भी आयोजन उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में ही होगा। इस अवसर पर स्वदेशी व्यवसाय करने वाले स्थानीय व्यवसायियों को स्टॉल लगाने का अवसर दिया जाएगा। मेले में विभिन्न विधाओं की प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी बच्चों और युवाओं के लिए निबंध लेखन, नृत्य एवं भाषण प्रतियोगिता, वहीं स्थानीय खेलों को बढ़ावा देने के लिए गिल्ली-डंडा, रस्साकशी, कबड्डी, खो-खो जैसे पारंपरिक खेलों का आयोजन किया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि मेले का मुख्य उद्देश्य भारतीय संस्कृति और स्वदेशी जीवनशैली को जन-जन तक पहुंचाना है। बीते वर्ष दिसंबर माह में आयोजित मेला अत्यंत सफल और ऐतिहासिक रहा था, उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी बड़े स्तर पर आयोजन किया जा रहा है। मेले में आजीविका मिशन से जुड़ी महिलाओं को नि:शुल्क स्टॉल उपलब्ध कराए जाएंगे। इसी तरह आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छोटे व्यवसायियों को भी दुकान लगाने का अवसर बिना किसी शुल्क के दिया जाएगा। मेले में इस बार संत समागम, महिला सम्मेलन तथा रोजगार एवं स्वरोजगार मेला भी आयोजित किया जाएगा। रोजगार मेले के दौरान करियर काउंसलिंग सत्र भी होंगे। इसके अलावा बैल जोड़ी पट प्रतियोगिता का भी आयोजन अलग मैदान गर्रा , माझापुर में किया जाएगा, जिसमें प्रथम आने वाले किसान और उनकी बैल जोड़ी को पुरस्कार दिया जाएगा।

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस में रिपोर्टर्स और डिप्टी एडिटर्स को अवसर

संपादकीय टीम और
न्यूज रूम में
हम भर्ती कर रहे हैं !!
हमारी टीम में शामिल हों !!

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस को ऐसे उप-संपादकों, सिटी रिपोर्टरों (सिटी डेस्क) की तलाश है जो समाचारों के प्रति जुनूनी हों और बुनियादी बातों से आगे बढ़कर मूल्यवर्धन करना जानते हों। हिन्दी भाषा का ज्ञान हो, किताबों में रूचि हो और तथ्यों को खबरों में बदलना आता हो !! ना भी आता हो तो भी ! हद दर्जे का जिज्ञासु होना जरूरी है !!

हम चाहते हैं-

हिन्दी समाचार लेखन में दक्षता और अपने समाचारों के फोटो वीडियो बनाने की क्षमता

समाचार के मूल्य, शीर्षकों और प्रस्तुति की गहरी समझ

रिपोर्टिंग और डिज़ाइन टीमों के साथ सुचारू रूप से समन्वय करने की क्षमता

यदि आप एक रचनात्मक और जिम्मेदार पत्रकार हैं या पत्रकारिता में आना चाहते हैं और सार्थक शहरी कहानियों, खबरों, हलचलों,घटनाओं, को आकार देना चाहते हैं, तो हमें आपसे संपर्क करने में खुशी होगी।

आप हमारी टीम का हिस्सा बन सकते हैं !
अपना रिज्यूमे इस पते पर भेजें
[balaghatexpress@gmail.com]

स्थान-बालाघाट एक्सप्रेस, काली पुतली चौक,बालाघाट

गर्म पानी से झुलसने से 3 वर्षीय मासूम की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। गर्म पानी से झुलसी एक 3 वर्षीय मासूम बच्ची की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतिका भवया पिता कृष्णा उके 3 वर्ष ग्राम खारा थाना किरनापुर निवासी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम खारा निवासी कृष्णा उके बैहर में किसी फाइनेंस कंपनी में ब्रांच मैनेजर के पद पर पदस्थ है और वे बैहर में रहते है। जिनकी पत्नी दो बच्चों के साथ ग्राम खारा में रहती है। 3 नवंबर को ही कृष्णा उके बैहर चले गए थे। 13 नवंबर को दोपहर 3:00 बजे करीब उनकी 3 वर्षीय बेटी भवया ने घर में खेलते खेलते बाल्टी में रखा गर्म पानी अपने ऊपर उढेल ली थी। जिससे उसका शरीर गर्म पानी में झुलस गया था। इस बच्ची को गांव के डॉक्टर से चेक कराया गया इस डॉक्टर ने इस बच्ची को बालाघाट ले जाने की सलाह दी थी। परिजनों ने उसे बालाघाट नगर के एक निजी अस्पताल ले गये थे। इस निजी अस्पताल से भी इस बच्ची को जिला अस्पताल बालाघाट ले जाने की सलाह दी गई। 4:30 बजे करीब बच्ची को जिला अस्पताल बालाघाट में लाकर भर्ती किया गया। जहां उपचार के दौरान इस बच्ची की मौत हो गई। जिला अस्पताल पुलिस ने इस बच्ची का शव जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिये है। जिसका पोस्टमार्टम 14 नवंबर को किया जाएगा।

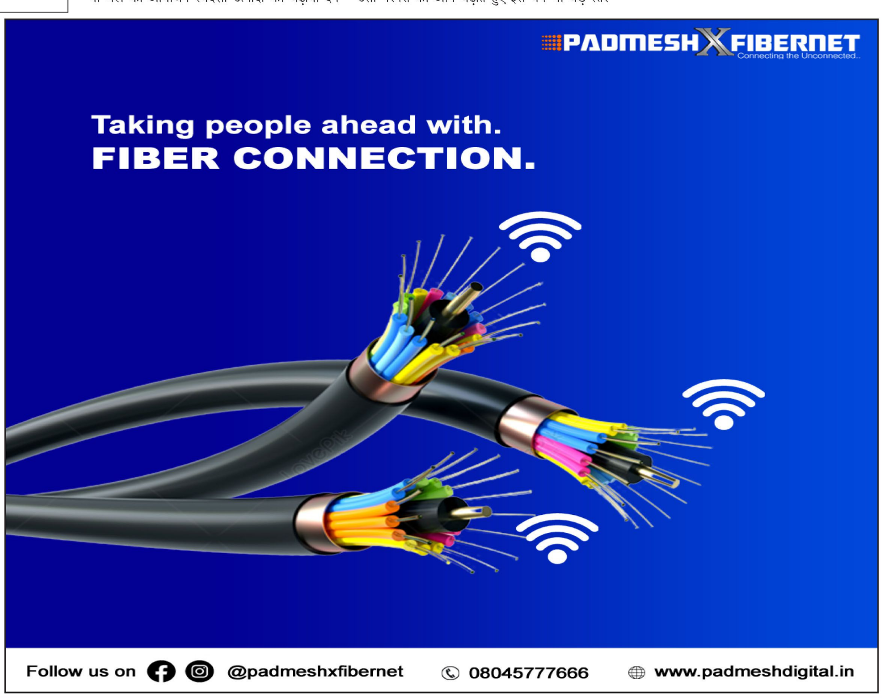

पैसा ठीक होने के बाद देना

शादी से पहले एवं शादी के बाद

उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।

पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना

गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :**9425138710**, **स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य**, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. M P /HIN/2009/32311 , न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट